हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 11

खेल

ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतते ही अल्काराज का बड़ा फैसला, रॉटरडैम ओपन से हटे, खिताब बचाने...

दिल्ली एनसीआर को अच्छी खबर नोएडा एयरपोर्ट तैयार, इसी महीने मोदी कर सकते हैं...

देश

Page 10

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776 • दुमका • बुधवार • 04 फरवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 350 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

गांधी मैदान में उमड़ा जनसैलाब; विधायक बसंत सोरेन ने सीएम हेमंत सोरेन को भेंट किया चांदी का तीर-धनुष

एजेंसी। दुमका

उपराजधानी दुमका के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 02 फरवरी को झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के स्थापना दिवस के पावन अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गौरवशाली समारोह में माननीय विधायक श्री बसंत सोरेन जी ने अपने बड़े भाई और राज्य के मुखिया मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी के साथ शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत झंडोत्तोलन के साथ हुई, जहाँ विधायक बसंत सोरेन ने पार्टी के ऐतिहासिक ध्वज को फहराया। इसके पश्चात, उन्होंने झारखंड आंदोलन के महानायक और 'दिशोम गुरु' वीर शिबू सोरेन जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पूरा मैदान 'दिशोम गुरु जिंदाबाद' के नारों से गुंजायमान रहा। जेएमएम जिला समिति द्वारा विधायक बसंत सोरेन का भव्य अभिनंदन किया गया। उन्हें पार्टी का अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वह पल रहा जब विधायक बसंत सोरेन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पारंपरिक सम्मान और शक्ति के प्रतीक स्वरूप चांदी का तीर-धनुष भेंट किया। यह दृश्य कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने वाला था। विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए बसंत सोरेन ने झारखंड राज्य के निर्माण में झारखंड मुक्ति मोर्चा के बलिदान और संघर्ष को याद किया। उन्होंने कहा, "झारखंड मुक्ति मोर्चा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि यहाँ के जल-जंगल-जमीन और आदिवासियों-मूलवासियों की अस्मिता की आवाज है। गुरुजी के नेतृत्व में जो संघर्ष शुरू हुआ था, आज हेमंत सोरेन जी के नेतृत्व में वह विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।" कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, हजारों कार्यकर्ताओं और आम जनता की भारी उपस्थिति ने गांधी मैदान को जनसैलाब में तब्दील कर दिया। उमड़ी इस ऐतिहासिक भीड़ को राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा जनता के अटूट विश्वास के रूप में देखा जा रहा है। उपस्थित जनसमूह ने संकल्प लिया कि वे गुरुजी द्वारा दिखाए गए न्याय और समानता के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ेंगे। झारखंड दिवस के इस अवसर पर वातावरण उत्साह और गर्व से ओत-प्रोत रहा। कार्यकर्ताओं ने राज्य के अधिकारों, अस्मिता और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प दोहराया। भारी भीड़ की मौजूदगी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि आने वाले समय में भी जनता का झुकाव और भरोसा झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ मजबूती से बना हुआ है।

"यह गांव की सरकार है", खिजुरिया आवास पर सीएम हेमंत सोरेन ने सुनी जनसमस्याएं; त्वरित समाधान के निर्देश

दुमका । मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने आज उपराजधानी दुमका के खिजुरिया स्थित अपने आवास पर आम नागरिकों से मुलाकात की। 'जनता दरबार' के इस सहज स्वरूप में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने मुख्यमंत्री को अपनी समस्याओं और शिकायतों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ सबकी बातें सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। मुलाकात के दौरान ग्रामीणों ने राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी अपनी निजी व सामूहिक समस्याओं के आवेदन मुख्यमंत्री को सौंपे। मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने शिकायतों को सुनने के उपरांत संबंधित विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारियों को फोन पर एवं लिखित रूप से निर्देश दिया कि इन समस्याओं का "शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण" सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "हमारी सरकार आम जनता

की समस्याओं को हल करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। यह सरकार 'गांव की सरकार' है, जो सीधे ग्रामीणों और जरूरतमंदों के दरवाजे तक पहुँच रही है।" उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं अब धरातल पर दिख रही हैं और आम नागरिकों को उनका प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक बनें। उन्होंने कहा, "सरकार ने हर वर्ग के लिए योजनाएं बनाई हैं। सभी पात्र लाभार्थी इन योजनाओं का लाभ अवश्य उठाएं ताकि राज्य के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का भी सामाजिक और आर्थिक उत्थान हो सके। मुख्यमंत्री से सीधे मिलने और अपनी बात रखने का मौका मिलने पर खिजुरिया पहुंचे लोगों में काफी उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने राज्य सरकार की योजनाओं, विशेषकर ग्रामीण विकास और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी पहलों की सराहना की। लोगों ने मुख्यमंत्री की सरलता और उनकी त्वरित निर्णय लेने की शैली के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया। खिजुरिया आवास पर हुई यह मुलाकात दर्शाती है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सीधे जनता से संवाद करने और शासन को जनोन्मुखी बनाने की दिशा में निरंतर सक्रिय हैं। 'गांव की सरकार' का यह संकल्प दुमका और पूरे झारखंड के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भारत-अमेरिका समझौते पर मुहर

50 से 18 प्रतिशत पर आया ट्रंप का टैरिफ, खुलेगा बड़ा बाजार

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चली आ रही व्यापारिक तनातनी और टैरिफ युद्ध पर आखिरकार विराम लग गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई सफल वार्ता के बाद एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते की घोषणा की गई। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्वयं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इस बड़ी उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी गहरी मित्रता और आपसी सम्मान के चलते दोनों देश तत्काल प्रभाव से एक व्यापक व्यापार समझौते पर सहमत हो गए हैं। इस समझौते का सबसे बड़ा और तात्कालिक लाभ भारत को टैरिफ में बड़ी कटौती के रूप में मिला है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर लागू अमेरिकी टैरिफ को घटाकर अब मात्र 18 प्रतिशत करने का ऐलान किया है। टैरिफ के आंकड़ों को लेकर बने असमंजस को दूर करते हुए भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने स्पष्ट किया कि यद्यपि पूर्व में भारत पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की चर्चा थी, लेकिन अब अंतिम निर्णय के अनुसार यह केवल 18 प्रतिशत ही रहेगा। उन्होंने बताया कि कागजी कार्रवाई और तकनीकी प्रक्रियाओं में थोड़ा समय लग सकता है, परंतु भारत के लिए अंतिम नंबर 18 प्रतिशत ही तय किया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी पोस्ट में संकेत दिया कि इस कटौती के बदले भारत भी अमेरिकी वस्तुओं पर अपने टैरिफ को शून्य करने की दिशा में तेजी से कदम उठाएगा। इस कदम से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नई गति मिलने की उम्मीद है और बाय अमेरिकन पॉलिसी के विस्तार के तहत भारत आने वाले समय में अमेरिका से लगभग 500 अरब डॉलर की ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि उत्पाद और कोयला खरीदने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इस समझौते का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू ऊर्जा और वैश्विक सुरक्षा से जुड़ा है। राष्ट्रपति ट्रंप और राजदूत गोर दोनों ने रूसी तेल की खरीद का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। राष्ट्रपति ने दावा किया कि समझौते के ट्रिगर पॉइंट के रूप में भारत रूस से अपने तेल आयात को कम करेगा और इसके विकल्प के रूप में अमेरिका तथा संभवतः वेनेजुएला से अधिक तेल और गैस की खरीद करेगा। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में वेनेजुएला के तेल क्षेत्र पर अपना नियंत्रण बढ़ाया है, जिसे वे अब भारत जैसे बड़े बाजार की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए इस्तेमाल करना चाहते हैं। यह बदलाव न केवल व्यापारिक है, बल्कि भू-राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस समझौते का स्वागत करते हुए इसे भारत की 140 करोड़ जनता की जीत बताया।

प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की सराहना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित अन्य मंत्रियों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की सराहना करते हुए इसे वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि का एक नया आधार स्तंभ करार दिया। प्रधानमंत्री मोदी एक्स पर कहा, "आज अपने प्रिय मित्र राष्ट्रपति ट्रम्प से बात करके बहुत अच्छा लगा। यह जानकर बेहद खुशी हुई कि अब भारत में निर्मित उत्पादों पर टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत हो जाएगा। जब दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो इससे हमारे लोगों को लाभ होता है और पारस्परिक लाभकारी सहयोग के अपार अवसर खुलते हैं। वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प का नेतृत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत शांति के लिए उनके प्रयासों का पूर्ण समर्थन करता है। मैं उनके साथ मिलकर काम करने और हमारी साझेदारी को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तत्पर हूं। अमित शाह ने कहा कि इससे मजबूत व्यापारिक संबंधों और आपसी विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इस ऐतिहासिक समझौते के लिए, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा। दोनों देशों और उनकी जनता को व्यापक लाभ पहुंचाएगा, भारत-अमेरिका के बीच व्यापार और भी फलेगा-फूलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्त मंत्री ने इसे "मेड इन इंडिया" उत्पादों के लिए बड़ी खुशखबरी बताते हुए कहा कि इससे दोनों बड़े लोकतांत्रिक देशों के लोगों को सीधा लाभ होगा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि उन्होंने वस्त्र उद्योग पर इसके सकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया और कहा कि इससे दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, रोजगार और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

ट्रंप ने रिपब्लिकन से भविष्य के चुनाव का राष्ट्रीयकरण करने का किया आह्वान

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन से भविष्य में होने वाले चुनाव का राष्ट्रीयकरण करने का आह्वान किया है। उनका संदेश ऐसे समय पर आया है, जब उनका प्रशासन इस साल के आखिर में होने वाले अहम मध्यावधि चुनाव से पहले नियमों में बदलाव करने की कोशिश कर रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के पूर्व उप निदेशक डैन बोंगिनो से एक पॉडकास्ट में कहा, "रिपब्लिकन को कहना चाहिए कि हम मध्यावधि चुनाव में कम से कम 15 जगहों पर जीतेंगे। उन्हें इस बार का चुनाव राष्ट्रीय भावना से लड़ना चाहिए।" राष्ट्रपति की यह टिप्पणी एफबीआई की जॉर्जिया के फुल्टन काउंटी में एक चुनाव कार्यालय की तलाशी के एक हफ्ते से भी कम समय बाद आई है।

सुरजेवाला बोले- भारत के किसानों के साथ हो रहा विश्वासघात

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद रणदीप सुरजेवाला ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस समझौते के जरिए भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात किया है। सुरजेवाला ने बताया कि पहले बीजेपी ने तीन काले कृषि कानूनों के माध्यम से किसानों के हितों को नुकसान पहुँचाया और अब अमेरिका के सभी कृषि उत्पाद भारत में 0 प्रतिशत आयात शुल्क पर बेचे जाएंगे। सुरजेवाला ने कहा, कि अमेरिका का कपास, मक्का, गेहूं, डेयरी उत्पाद, बादाम और सेब आदि बिना किसी ड्यूटी के भारत में बिकेंगे। इससे भारतीय किसानों की आय पर गंभीर असर पड़ेगा और उनकी उपज का बाजार कमजोर होगा।

लोकसभा में विपक्ष का जोरदार हंगामा, नहीं चल सका प्रश्नकाल

राहुल गांधी के बयान पर फिर हंगामा, 6 विपक्षी सांसद पूरे सत्र से निलंबित, लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र के दौरान मंगलवार को लोकसभा में भारी हंगामा देखने को मिला। पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक (मेमोयर) को लेकर जारी विवाद के चलते विपक्षी दलों ने सदन की कार्यवाही बाधित कर दी। हंगामे के कारण प्रश्नकाल नहीं चल सका और लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। सुबह जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसद अपनी सीटों से उठकर वेल में आ गए और नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्ष नरवणे की किताब से जुड़े मुद्दे पर सरकार से जवाब की मांग कर रहा था। हंगामे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल की कार्यवाही आगे बढ़ाने की कोशिश की और बार-बार विपक्षी सदस्यों से अपनी-अपनी सीटों पर लौटने और सदन को चलने देने की अपील की। हालांकि, उनकी अपील का विपक्ष पर कोई असर नहीं पड़ा और शोर-शराबा लगातार जारी रहा। स्थिति नियंत्रित न होते देख स्पीकर ओम बिरला ने प्रश्नकाल की कार्यवाही स्थगित करने की घोषणा कर दी और सदन को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। प्रश्नकाल ठप रहने से कई महत्वपूर्ण सवालों पर चर्चा नहीं हो सकी। 12 बजे लोकसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन इस बार स्पीकर ओम बिरला पीठ पर मौजूद नहीं थे। उनकी जगह स्पीकर पैनल के सदस्य कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने कार्यवाही का संचालन किया। उन्होंने सदन को बताया कि विभिन्न मुद्दों पर कई सांसदों की ओर से स्थगन प्रस्ताव के नोटिस दिए गए हैं, लेकिन स्पीकर की ओर से किसी भी नोटिस को अनुमति नहीं दी गई है। हालांकि कार्यवाही दोबारा शुरू होने के बाद भी सदन का माहौल पूरी तरह शांत नहीं हो सका। विपक्ष लगातार नरवणे की किताब से जुड़े मुद्दे पर चर्चा की मांग करता रहा, जबकि सरकार का रुख रहा कि अप्रकाशित और असत्यापित सामग्री के आधार पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती।

जयशंकर की साइलेंट डिप्लोमेसी के आगे झुका अमेरिका, टैरिफ घटाकर किया 18 प्रतिशत

एजेंसी। वॉशिंगटन

अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मोर्चे पर भारत ने एक ऐसी रणनीतिक जीत हासिल की है, जिसने पूरी दुनिया में भारतीय कूटनीति का लोहा मनवा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो पिछले काफी समय से भारत के खिलाफ कड़े टैरिफ लगाने की वकालत कर रहे थे, उन्होंने आखिरकार एक बड़ा यू-टर्न लेते हुए भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर मात्र 18 प्रतिशत कर दिया है। यह घटनाक्रम केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि भारत की उस शांत और प्रभावी विदेश नीति का परिणाम है, जिसके केंद्र में विदेश मंत्री एस. जयशंकर रहे हैं। पिछले कई महीनों से भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर जो तल्खी बनी हुई थी, इस फैसले के बाद उन रिश्तों पर जमी बर्फ अब पिघलती नजर आ रही है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस संकट को एक अवसर में बदलने की कमान संभाली। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ लगातार बैठकें कीं और स्पष्ट संदेश दिया कि यदि भारत-अमेरिका व्यापार को 500 अरब डॉलर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक पहुंचना है, तो टैरिफ की बाधाओं को हटाना अनिवार्य होगा। जयशंकर की इस साइलेंट डिप्लोमेसी का असर तब दिखा जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने बयानों की दिशा बदली। बातचीत के इस दौर को अंतिम रूप देने में 2 फरवरी 2026 की तारीख ऐतिहासिक साबित हुई। जब एस. जयशंकर वॉशिंगटन में क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्ट्रियल मीटिंग के लिए मौजूद थे, ठीक उसी समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच एक महत्वपूर्ण फोन कॉल हुई। इस बातचीत में व्यापारिक सौदे को अंतिम रूप दिया गया और ट्रंप ने स्वयं अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड को मिलेगी नई दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन

रांची, एजेंसी। केंद्रीय रेल बजट 2026 में झारखंड के लिए 7,536 करोड़ का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष से 234 करोड़ ज्यादा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बताया कि 2009-14 के दौरान झारखंड को औसतन 457 करोड़ मिलते थे, जबकि अब यह राशि करीब 16 गुना बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि झारखंड में इस समय 63,470 करोड़ रुपए की लागत से रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्य चल रहे हैं। इनमें नए ट्रैक निर्माण, डबलिंग, स्टेशन पुनर्विकास और स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली कवच शामिल हैं। रेल मंत्री ने बताया कि राज्य को दो नई अमृत भारत ट्रेनें मिलने वाली हैं। इनमें से एक धनबाद-कोयंबटूर रूट पर जल्द शुरू होगी। इससे यात्रा समय घटेगा और यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। गोमो-गया-प्रयागराज के रास्ते कोयंबटूर जाएगी अमृत भारत ट्रेन : प्रस्तावित धनबाद-कोयंबटूर अमृत भारत एक्सप्रेस गोमो, गया, डीडीयू, प्रयागराज छिवकी, जबलपुर, गोंदिया, विजयवाड़ा, पेरम्बूर और काटपाड़ी के रास्ते होगा। इससे दक्षिण भारत खासकर इलाज के लिए वेल्लोर जाने वालों को एक और ट्रेन मिलेगी। यह ट्रेन चलेगी तो झारखंड के कई क्षेत्रों के यात्रियों को दक्षिण भारत की यात्रा में बड़ी सुविधा मिलेगी। अमृत भारत एक्सप्रेस का उद्देश्य आम यात्रियों को कम किराए में तेज, सुरक्षित और आधुनिक रेल सेवा उपलब्ध कराना है। झारखंड में 1,907 रूट किमी के लिए कवच सिस्टम स्वीकृत है, जिसमें से 917 किमी में काम चल रहा है। कवच भारतीय रेलवे का स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जो लाल सिग्नल पार करने या अत्यधिक गति की स्थिति में अपने-आप ब्रेक लगाकर दुर्घटनाओं को रोकता है। यह ट्रेन, ट्रैक और सिग्नल के बीच डिजिटल संचार से काम करता है और मानवीय भूल से होने वाली घटनाओं को कम करता है। होली पर स्पेशल ट्रेनें : होली के अवसर पर पटना, जयनगर, समस्तीपुर और गोरखपुर के लिए होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

जी राम जी योजना का बजट 14,308 करोड़ कम, ग्रामीण रोजगार खतरे में : कांग्रेस

रांची, एजेंसी। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा नेताओं की ओर से बजट 2026 और जीराम जी योजना को लेकर किए जा रहे दावों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत ठीक इसके विपरीत है। बजट के आंकड़ों के बाद अब मनरेगा बचाओ संग्राम पार्टी आंदोलन तेज करेगी। वित्त वर्ष 2025-26 में मनरेगा का बजट 88,000 करोड़ रु. था। वहीं, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार ने इसे बढ़ाकर जी राम जी योजना के तहत 95,692 करोड़ करने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि पहली नजर में यह वृद्धि सकारात्मक दिखती है, लेकिन हकीकत कुछ अलग है। क्योंकि यदि 100 दिनों के रोजगार की गारंटी के लिए 88,000 करोड़ की आवश्यकता थी, तो मांग के अनुरूप इसे 125 दिन करने के लिए कम से कम 1,10,000 करोड़ के बजट की आवश्यकता होनी चाहिए। इस हिसाब से वर्तमान आवंटित बजट अभी से ही 14,308 करोड़ कम है।

पहली बार चुनावी ड्यूटी में ईवी, 4 पहिया से लेकर साइकिल तक का रेट तय

रांची, एजेंसी। नगर निकाय चुनावों की तैयारियों के बीच प्रशासनिक स्तर पर व्यवस्थाएं तेज कर दी गई हैं। रांची जिला प्रशासन ने मतदान कर्मियों की आवाजाही, मतदान सामग्रियों के परिवहन और विभिन्न चुनावी कार्यों को सुचारु रूप से पूरा करने के लिए परिवहन व्यवस्था की तैयारी पूरी कर ली है। कुल 650 से अधिक वाहन चुनाव कार्य में लगाए जाएंगे। इसमें बस, मिनी बस, कार, जीप, ट्रक, ऑटो, टेंपो, बाइक, साइकिल और इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। प्रशासन ने इन वाहनों के लिए दैनिक भाड़े की दरें भी निर्धारित कर दी हैं। यात्री बसों की दरें उनकी सीट क्षमता के आधार पर तय की गई हैं। 49 या उससे अधिक सीटों वाली बस के लिए प्रतिदिन 3530 रुपए, 33 से 48 सीटों वाली बस के लिए 2980 रुपए और 23 से 32 सीटों वाली बस के लिए 2520 रुपए प्रतिदिन का भुगतान तय किया गया है। 14 से 22 सीटों वाली मिनी बस के लिए 1800 रुपए तथा 8 से 13 सीटों वाली मिनी बस के लिए 800 से 1400 रुपए प्रतिदिन की दर तय की गई है। पहली बार चुनाव कार्य में ईवी का इस्तेमाल किया जाएगा। महिंद्रा एक्सयूवी 400 इवी, टाटा नेक्सन इवी और टाटा टिगोर इवी के लिए एसी में 1470 रुपए और बिना एसी के 1280 रुपए प्रतिदिन दिए जाएंगे। टाटा पंच इवी और टाटा टियागो इवी के लिए एसी में 1340 रुपए तथा नॉन-एसी में 1170 रुपए तय किए गए हैं। इलेक्ट्रिक ऑटो को 620 रुपए और ई-रिक्शा व ई-कार्ट को 400 रुपए प्रतिदिन का भुगतान किया जाएगा।

पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता की पत्नी ने मेयर चुनाव के लिए भरा पर्चा, जमशेदपुर के मानगो से करेंगी फाइट

रांची, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर में मानगो नगर निगम के मेयर पद के लिए राजनीतिक सरगर्मी उस वक्त अपने चरम पर पहुंच गई, जब क्षेत्र की 'हेवीवेट' प्रत्याशी सुधा गुप्ता ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। झारखंड की सियासत में एक कद्दावर पहचान रखने वाली सुधा गुप्ता का नामांकन महज एक औपचारिकता नहीं, बल्कि शक्ति प्रदर्शन और सादगी का अनूठा संगम रहा। राज्य के पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक बन्ना गुप्ता की धर्मपत्नी होने के नाते सुधा गुप्ता के पास लंबा राजनीतिक अनुभव और गहरा जनसंपर्क है, जो इस चुनाव में उनकी स्थिति को बेहद मजबूत बनाता है।

पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक बन्ना गुप्ता की पत्नी सुधा गुप्ता का नामांकन केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं रहा, बल्कि बरसों का राजनीतिक अनुभव, जमीनी पकड़ और गहरा जनसंपर्क उन्हें इस चुनाव में एक मजबूत दावेदार बनाता है। मानगो क्षेत्र में उनकी सक्रियता पहले से चर्चा में रही है।

नामांकन के लिए निकलने से पहले उनके आवास पर भावुक दृश्य देखने को मिला। पति बन्ना गुप्ता ने स्वयं कार का गेट खोलकर उन्हें विदा किया। यह पल उनके साझा राजनीतिक संघर्ष और विश्वास को दर्शाता है। इसके बाद सुधा गुप्ता ने कदमा स्थित रंकनी मंदिर और मानगो बड़ा हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर जीत का आशीर्वाद लिया।

सुधा गुप्ता ने नामांकन के दौरान भीड़ और रैली से दूरी बनाकर संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने कहा कि मानगो में फ्लाईओवर निर्माण के कारण सड़कें संकरी हैं।

रांची में टीबी इलाज की हकीकत

12 महीनों में 155 मौतें, सिर्फ 89 प्रतिशत मरीज हुए ठीक

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची जिले में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (टीबी) के तहत किए जा रहे प्रयासों के बावजूद टीबी मरीजों का शत-प्रतिशत इलाज अब भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

जिला स्वास्थ्य समिति और जिला टीबी केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार बीते 12 महीनों में जिले में टीबी से पीड़ित मरीजों में से केवल 89 प्रतिशत ही पूरी तरह स्वस्थ हो सके, जबकि इलाज के दौरान 155 मरीजों की मौत हो गई। जिले के विभिन्न प्रखंडों में इलाज की सफलता दर में भारी असमानता देखने को मिली है।

नामकुम प्रखंड की स्थिति सबसे खराब पाई गई, जहां टीबी इलाज की सफलता दर महज 71 प्रतिशत रही। रिपोर्ट के अनुसार नामकुम में इस समय 752 टीबी मरीज इलाज पर हैं, जिनमें से 639 मरीजों ने इलाज व पोषण सहायता दी गई है, जबकि 46 मरीज इससे दूर हैं।

दूरी रहने से इन मरीजों को पोषण सहायता और नियमित सामाजिक सहयोग नहीं मिल पा रहा है, जिसका असर इलाज की निरंतरता पर पड़ रहा है। डाक्टरों का कहना है कि केवल दवा

से टीबी का उन्मूलन संभव नहीं है।

इलाज के साथ पोषण, नियमित काउंसलिंग और सामाजिक सहयोग बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार इलाज बीच में छोड़ने की प्रवृत्ति और सहमति प्रक्रिया में देरी से दवा प्रतिरोधी टीबी का खतरा भी बढ़ रहा है।

जिला टीबी केंद्र के आंकड़ों के अनुसार पब्लिक हेल्थ सिस्टम में इलाज की सफलता दर 87 प्रतिशत दर्ज की गई है, जबकि प्राइवेट हेल्थ सेक्टर में यह दर 92 प्रतिशत रही। हालांकि कुल टीबी मरीजों का बड़ा बोझ पब्लिक हेल्थ सिस्टम पर ही है।

रांची के सिविल सर्जन डा। प्रभात कुमार का मानना है कि प्राइवेट सेक्टर में इलाज का प्रतिशत अधिक दिखने के पीछे सीमित संख्या में मरीज, बेहतर फालोअप और आर्थिक क्षमता जैसे कारण हैं।

वहीं, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (निक्षय मित्र योजना) के तहत जिले में इस समय कुल 4569 टीबी मरीज इलाज पर हैं। इनमें से 3317 मरीजों ने योजना के तहत अपने इलाज की सहमति दी है, जबकि 549 मरीजों की सहमति अब भी लंबित है।

सहमति न होने के कारण इन मरीजों को नियमित पोषण किट और सामाजिक सहयोग नहीं मिल पा रहा है, जिससे इलाज की सफलता दर प्रभावित हो रही है। जिले में अब तक कुल 6073 पोषण किट वितरित किए गए हैं, लेकिन वितरण में भी असमानता सामने आई है।

जहां नामकुम में सबसे अधिक 2105 पोषण किट वितरित हुए हैं, वहीं रातू (53), लापुंग (32) और बुढ़मू (55) जैसे प्रखंडों में किट की संख्या बेहद कम रही। जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में प्रयास तो किया जा रहा हैं, लेकिन इलाज, पोषण और सामाजिक सहयोग इन तीनों के समन्वय के बिना शत-प्रतिशत सफलता हासिल करना अब भी दूर की चुनौती बना हुआ है।

जिला स्वास्थ्य समिति ने वर्ष 2026 के लिए नई रणनीति तैयार की है, जिसमें नामकुम जैसे कमजोर प्रखंडों पर विशेष फोकस, सहमति लंबित मरीजों को योजना से जोड़ना, हाई रिस्क क्षेत्रों में सक्रिय मरीज खोज अभियान और इलाज छोड़ने वाले मरीजों की सख्त मानिटरिंग शामिल है।

जमशेदपुर में खलासी की सड़क हादसे में मौत

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के टेल्को थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइजर इंटरप्राइजेज में कार्यरत खलासी मंटू यादव की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा टाटा मोटर्स गेट के समीप हुआ, जहां एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि मंटू यादव को संभलने का मौका तक नहीं मिला और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंटू यादव पैदल सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन का पहिया उनके सिर पर चढ़ गया, जिससे उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की भयावहता को देखकर वहां मौजूद लोग सहम गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वाहन की गति काफी तेज थी और चालक ने न तो ब्रेक लगाया और न ही रुकने की कोशिश की। घटना के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। मृतक के साथ कार्यरत ट्रक चालक प्रमोद चौबे ने बताया कि टक्कर मारने वाला अज्ञात वाहन दुर्घटना के तुरंत बाद मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना टेल्को थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है, ताकि फरार वाहन और चालक का पता लगाया जा सके।

बताया जा रहा है कि मंटू यादव मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे और जमशेदपुर में रहकर साइजर इंटरप्राइजेज में खलासी का काम करते थे। हादसे की खबर मिलते ही उनके परिचित और सहकर्मी अस्पताल और थाना पहुंचे। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश शुरू कर दी है। टेल्को थाना पुलिस का कहना है कि जल्द ही वाहन और चालक की पहचान कर ली जाएगी। घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं स्थानीय लोग तेज रफ्तार वाहनों पर लगाम लगाने की मांग कर रहे हैं।

सेल्फी लेने के दौरान ट्रेन से किशोर कटा, कलश यात्रा से लौटते समय हुआ हादसा

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गड़गी गांव के पास कलश यात्रा से लौट रहे एक 13 वर्षीय किशोर की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पांडू गांव निवासी मुंशी सिंह के पुत्र सन्नी कुमार के रूप में हुई है। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार तेतरौंन पंचायत के नावाडीह गांव में नौ दिवसीय महायज्ञ का आयोजन किया गया है। इसी को लेकर सोमवार को कलश यात्रा निकाली गई थी। नावाडीह गांव की महिलाएं चलकुस्सा थाना क्षेत्र के बडानो स्थित उत्तरवाहिनी बराकर घाट से मिट्टी के कलश में जल भरकर यज्ञ स्थल की ओर लौट रही थीं। इसी दौरान सन्नी कुमार भी अपने दो दोस्तों के साथ कलश यात्रा से वापस आ रहा था।

कलश यात्रा से लौटते समय सन्नी अपने दोस्तों के साथ नदी पर बने रेलवे

ओवरब्रिज पर चढ़ गया। बताया गया कि इसके बाद वह धनबाद-गया रेलवे लाइन पर खड़ा होकर मोबाइल फोन से सेल्फी लेने लगा। उसी समय अप लाइन से आ रही 12802 नई दिल्ली-पूरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस ट्रेन तेज रफ्तार से वहां पहुंच गई। ट्रेन को आते देख सन्नी संभल नहीं पाया और उसकी चपेट में आ गया।

ट्रेन की जोरदार टक्कर से सन्नी कुमार का शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके साथ मौजूद दो अन्य दोस्त किसी तरह ट्रैक से भागने में सफल रहे, जिससे उनकी जान बच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। बाद में पुलिस को भी जानकारी दी गई। हादसे के बाद पांडू गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में मातम पसर गया है।

बोकारो से लापता महिला का शव 13 दिन बाद मिला:अर्धनग्न अवस्था में मिला शव

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के सेक्टर-2ए से 20 जनवरी 2026 को सुबह की सैर के दौरान लापता हुई 52 वर्षीय नमिता देवी का शव चंदनकियारी सीएचसी के पास एक सुनसान तालाब के किनारे बरामद किया गया। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

मृतका की पहचान उनके पुत्र अमर गोप ने दांतों और हाथ में पहनी चूड़ियों के आधार पर की। नमिता देवी के लापता होने के बाद से ही परिजन उनकी तलाश में जुटे थे। परिजनों ने उसी दिन सिटी थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी, लेकिन इतने दिनों बाद शव मिलने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

शव मिलने की सूचना पर बोकारो एसपी हरविंदर सिंह, चंदनकियारी थाना सहित जिले के कई थानों के पुलिस अधिकारी और पुलिस बल इंदटांड़ तालाब के पास पहुंचे। मौके पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि महिला का शव अर्धनग्न अवस्था में था।

शरीर के कुछ हिस्से जले हुए पाए गए हैं। प्रथम दृष्टया मामला बेहद गंभीर प्रतीत हो रहा है। शव की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने इलाके को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि किसी तरह की अहम जानकारी मिल सके।

एसपी हरविंदर सिंह ने आशंका जताई है कि महिला

के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई हो सकती है। हालांकि उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, एफएसएल जांच और डॉग स्क्वायड टीम की रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ हो पाएगी।

पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि महिला को अगवा कर यहां तक कैसे लाया गया। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने चंदनकियारी क्षेत्र के एक युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। उससे लगातार पूछताछ की जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी उसकी पहचान उजागर नहीं की है। मृतका के पति सेल में कर्मचारी बताए जाते हैं, जबकि उनका मायका पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के पाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत पोड़ासिड़ी में है। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

बेटियों की शादी में लाखों का दान, अभिनंदन ट्रस्ट ने उठाया बीड़ा

रांची, एजेंसी। झारखंड में बेटियों की शादी को लेकर अभिभावकों की आर्थिक चिंता को कम करने की दिशा में अभिनंदन ट्रस्ट ने एक अहम पहल की है। ट्रस्ट बेटियों की शादी में लाखों रुपये मूल्य का सामान फ्री में उपलब्ध करा रहा है। अभिनंदन ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ। विवेकानंद कुमार ने कहा कि अब माता-पिता को बेटी के विवाह के लिए कर्ज लेने की मजबूरी नहीं रहेगी।

डॉ। विवेकानंद कुमार ने बताया कि झारखंड की प्रगति और सामाजिक विकास को ध्यान में रखते हुए रांची स्थित रोस्पा टावर कार्यालय में अभिनंदन ट्रस्ट द्वारा एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि राज्य के अधिक से अधिक लोग ट्रस्ट की योजनाओं से जुड़ें और जरूरतमंद परिवारों तक इनका लाभ पहुंच सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष रूप से कन्या विवाह उपहार योजना पर चर्चा की जा रही है। इस योजना के तहत नवविवाहित बेटियों को ट्रस्ट की ओर से विवाह से जुड़ी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। डॉ। विवेकानंद कुमार ने बताया कि इस योजना से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है।

ट्रस्ट की ओर से विवाह के लिए कुल 122 प्रकार की सामग्री निःशुल्क प्रदान की जाती है। इनमें गोदरेज, टीवी, बर्तन सहित अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं। खास बात यह है कि मोटरसाइकिल की कीमत में ही मोटरसाइकिल भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे नवदंपती को जीवन की शुरुआत में सहूलियत मिल सके।

डॉ। विवेकानंद कुमार ने बताया कि यह सेवा कार्य अभिनंदन ट्रस्ट द्वारा पिछले कई वर्षों से लगातार किया जा रहा है। ट्रस्ट का उद्देश्य केवल सामग्री देना ही नहीं, बल्कि बेटियों के सम्मान और सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करना भी है।

रांची में मेयर पद पर दो महिलाओं के बीच चुनावी जंग

रांची, एजेंसी। रांची मेयर पद के लिए कांग्रेस और भाजपा समर्थित प्रत्याशी का एलान हो गया है। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मेयर रमा खलखो को कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं भाजपा ने दो टर्म की पार्षद रहीं और भाजपा एसटी मोर्चा मोर्चा की प्रदेश मंत्री रौशनी खलखो को पार्टी समर्थित प्रत्याशी बनाया है। दो महिला उम्मीदवारों के उतरने से रांची मेयर पद के लिए चुनाव इस बार खासा दिलचस्प मोड़ ले चुका है। दो प्रमुख महिला उम्मीदवारों के मैदान में उतरने से मुकाबला न सिर्फ कड़ा हुआ है, बल्कि चुनावी चर्चा का केंद्र भी बदल गया है।

अब यह चुनाव केवल विकास के वादों तक सीमित नहीं, बल्कि नेतृत्व की नई सोच, प्रशासनिक शैली और महिला भागीदारी के बढ़ते प्रभाव का भी प्रतीक बन गया है। इस मुकाबले को लेकर मतदाताओं के बीच उत्सुकता भी बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें इस बार पारंपरिक समीकरणों से अलग एक अलग तरह की टक्कर देखने को मिल रही है। इधर, लोगों को झामुमो के पत्ते खोलने का इंतजार है। अब सारा कुछ झामुमो के अगले कदम पर बहुत हद तक निर्भर करेगा कि मुकाबला आमने-सामने का होगा या त्रिकोणीय और बहुकोणीय। झामुमो की बात करें तो सोमवार को

एक और झामुमो नेता अंतु तिर्की ने मेयर पद के लिए पर्चा खरीदा। इससे पूर्व झामुमो की ओर से कतरीना तिर्की, वीरू तिर्की, सुजीत कुमार कुजूर, रामशरण तिर्की आदि ने पर्चा खरीदा है। इस हिसाब से झामुमो की ओर से अब तक पांच नेताओं ने पर्चा खरीद लिया है। सोमवार को पर्चा खरीदने वाले अंतु तिर्की ने बताया कि सभी चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। हमने भी पर्चा खरीदा है। मगर अभी समय है, नाम वापसी तक भी अंतिम निर्णय हो सकता है। हमलोग पार्टी के अंतिम निर्णय का इंतजार कर रहे हैं।

इधर सोमवार को आजसू पार्टी के महानगर संयोजक सुरेंद्र लिंडा ने भी पर्चा खरीदा। सुरेंद्र लिंडा ने बताया कि वे पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। इस लिहाज से उनका हक बनता है। पर्चा खरीद लिया है। अब पार्टी केंद्रीय अध्यक्ष एवं अन्य नेताओं से बातचीत करेंगे। बुधवार तक मेयर पद के लिए पर्चा खरीदने वालों की संख्या 21 पहुंच गई है। सोमवार को झामुमो की ओर से अंतु तिर्की, भाजपा की ओर से अजय मुंडा, आजसू की ओर से सुरेंद्र लिंडा, सुजीत विजय आनंद कुजूर, सेनेन डेजी सुरीन आदि ने पर्चा खरीदा। इससे पूर्व 16 लोगों ने पर्चा खरीदा है। जिसमें किरण कुमारी, संजय कुमार टोप्पो, रामशरण तिर्की, सुजीत कुमार कुजूर और प्रवीण कच्छप, रमा खलखो, विनोद कुमार बड़ाइक, तनुत तुलियो तिग्गा, बीरू तिर्की, देवी दयाल मुंडा, आरती देवी, सोनू खलखो, राजेंद्र मुंडा, सुनील फकीरा कच्छप, कतरीना तिर्की और सुजाता मिंज शामिल हैं।

राष्ट्रपिता की पदचाप से झरिया के कोयला खदानों से लौह नगरी तक जागी आजादी की लौ

रांची, एजेंसी। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर पूरा देश बापू को याद कर रहा है। झारखंड में भी राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राष्ट्रपिता को नमन किया।

सोरेन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'बापू का सत्य, अहिंसा और न्याय का मार्ग हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है,' जबकि मरांडी ने शत-शत नमन करते हुए उनकी विरासत को याद किया।

इस मौके पर गांधीजी की झारखंड यात्राओं को याद करना प्रासंगिक है। एक ऐसी भूमि जहां कोयला की कालिमा और किसानों की पीड़ा के बीच उन्होंने अहिंसा की मशाल जलाई। तत्कालीन बिहार के हिस्से रहे झारखंड में गांधीजी की कम से कम छह प्रमुख यात्राएं दर्ज हैं, जो चंपारण सत्याग्रह से लेकर रामगढ़ कांग्रेस तक फैली हैं। इनमें रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, देवघर, झरिया (धनबाद) और

डालटनगंज जैसे इलाकों में उन्होंने मजदूरों, किसानों और हरिजनों से संवाद किया, फंड संग्रह किया और सामाजिक सुधारों को गति दी। कोयला उद्योगपतियों से मिले दान से लेकर हिंसक विरोध तक, ये यात्राएं गांधीजी की विरासत का जीवंत हिस्सा हैं। आइए, क्रमवार इन ऐतिहासिक पड़ावों पर नजर डालते हैं। गांधीजी की झारखंड से पहली मुलाकात 4 जून 1917 को हुई, जब वे वर्धा आश्रम से चंपारण जा रहे थे। रांची पहुंचकर उन्होंने स्थानीय नेताओं से चर्चा की और चंपारण के नील किसानों के शोषण पर रणनीति बनाई।

इसी साल जमशेदपुर (तत्कालीन कालिमाटी) से गुजरते हुए उन्होंने किसानों की दुर्दशा पर ध्यान केंद्रित किया। यह यात्रा सत्याग्रह की नींव रखने वाली थी, जिसने गांधीजी को राष्ट्रीय पहचान दिलाई।

1921 में असहयोग आंदोलन के सिलसिले में गांधीजी झरिया (धनबाद) पहुंचे, जहां कोयला मजदूरों की समस्याओं पर फोकस किया। उन्होंने सार्वजनिक सभाओं में अहिंसा और स्वदेशी का प्रचार किया, जिससे मजदूरों में जागृति आई।

इसी साल नवंबर में झरिया में ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस का दूसरा सत्र हुआ, जो गांधीजी के प्रभाव से प्रेरित था। हालांकि फंड संग्रह अपेक्षाकृत कम रहा, लेकिन यह दौरा झारखंड के औद्योगिक क्षेत्र को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ने वाला साबित हुआ। सितंबर 1925 में गांधीजी रांची पहुंचे, जहां खादी और ग्रामोद्योग जैसे रचनात्मक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया। हजारीबाग में सरस्वती देवी और अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। जमशेदपुर में उन्होंने टाटा वर्कर्स यूनियन की नींव रखी, मजदूरों की समस्याएं सुनीं और यूनाइटेड क्लब में सभा को संबोधित किया।टाटा परिवार की सराहना की और देवघर में हरिजनों को मंदिर प्रवेश की परंपरा की प्रशंसा की। राजेंद्र प्रसाद और फ्रंटियर गांधी उनके साथ थे। 1927 में गांधीजी डालटनगंज (पलामू) पहुंचे, जहां राजेंद्र प्रसाद के साथ दलित उत्थान पर फोकस किया। ग्रामीण समुदायों से बातचीत की और राष्ट्रीय एकता पर जोर दिया। यह यात्रा झारखंड के पिछड़े इलाकों में गांधीवादी विचारों को फैलाने में सहायक रही। 1934 में गांधीजी झरिया (धनबाद) पहुंचे, जहां हरिजन उत्थान और राष्ट्रीय शिक्षा के लिए फंड संग्रह किया। स्थानीय लोगों ने 60 हजार रुपये दान दिए, जिसमें कोयला उद्योगपतियों और मारवाड़ी व्यापारियों का बड़ा योगदान था।

जमशेदपुर में जवाहरलाल नेहरू के साथ स्टील वर्क्स का दौरा किया और हरिजन बस्तियों में धन संग्रह किया। लेकिन देवघर में 25 अप्रैल को जसीडीह स्टेशन पर पंडों ने लाठियों से हमला किया, कारण था हरिजन मंदिर प्रवेश अभियान। 1940 में गांधीजी की अंतिम प्रमुख यात्रा रांची में हुई, जहां रामगढ़ कांग्रेस अधिवेशन में भाग लिया। कोकर में जायसवाल परिवार के घर रुके। कार से रामगढ़ गए।

साहेबगंज के सभी 9 प्रखंडों में 'युवा मंडल विकास अभियान' का शंखनादः राष्ट्र निर्माण से जुड़ेंगे युवा

संवाददाता

साहेबगंज। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त संस्था 'मेरा युवा भारत' (MY Bharat) द्वारा साहिबगंज जिले के सभी नौ प्रखंडों में 'युवा मंडल विकास अभियान' बड़े स्तर पर चलाया जा रहा है। जिला युवा अधिकारी मोंटू पातर के दिशा-निर्देशानुसार संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को संगठित कर उन्हें राष्ट्र विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। इस विशेष अभियान का नेतृत्व 'मेरा युवा भारत' साहिबगंज के सक्रिय सदस्य चंदन कुमार एवं मो. कौसर द्वारा किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के पुराने युवा मंडलों का पुनर्गठन किया जा रहा है और जहाँ आवश्यकता है, वहां नए युवा मंडलों की स्थापना की जा रही है। अभियान की नियमावली के अनुसार, 18 से 29 वर्ष की आयु के युवा मंडल की कार्यकारिणी का हिस्सा बन सकते हैं। वहीं, 29 वर्ष से अधिक आयु के अनुभवी सदस्य 'संरक्षक' के रूप में जुड़कर युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। गठन की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए चंदन कुमार ने बताया कि इच्छुक युवा निर्धारित प्रारूप में फॉर्म भरकर स्थानीय ब्लॉक के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों (NYVs) के माध्यम से जमा कर सकते हैं। यदि किसी गांव में पुराने मंडल का पुनर्गठन संभव न हो, तो वहां के युवक-युवतियां नए नाम से भी क्लब बना सकते हैं। अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए चंदन कुमार ने कहा कि इन युवा मंडलों के माध्यम से ग्राम स्तर पर विभिन्न रचनात्मक कार्य किए जाएंगे, जिनमें शामिल हैं:

कौशल विकास और स्वरोजगार की जानकारी।

पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता श्रमदान और स्वास्थ्य जागरूकता (टीकाकरण)।

योग, फिटनेस और खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन।

चित्रकला, फोटोग्राफी, भाषण, लोकगीत और लोक नृत्य जैसी सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं।

पड़ोस युवा संसद, साहसिक शिविर और राष्ट्रीय एकता शिविरों के लिए चयन। इन गतिविधियों के माध्यम से युवा न केवल अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे, बल्कि स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर जनकल्याणकारी योजनाओं में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे। मो. कौसर अंसारी ने जिले के युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, "सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ना समय की मांग है। युवा अपने गांव में मंडल बनाकर जिला स्तर पर 'मेरा युवा भारत' केंद्र से जुड़ें और अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करें।"

अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में कई नए क्लबों का गठन हो चुका है, जिनमें प्रमुख हैं:

जूनियर स्पोर्टिंग यूथ क्लब (बड़ा बाटोना)

ग्रीन स्पोर्टिंग युवा क्लब (मांद्रो)

सीबीसी सोलबंदा युवा क्लब

पैंथर युवा क्लब

JLC युवा क्लब

इस अभियान से साहिबगंज के ग्रामीण क्षेत्रों में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है और भारी संख्या में युवा देश सेवा के संकल्प के साथ आगे आ रहे हैं।

साहेबगंजः वार्ड संख्या 02 से डॉ. आनंद कुमार सत्य ने दाखिल किया नामांकन, वार्ड को 'नया रूप' देने का लिया संकल्प

संवाददाता

साहेबगंज। नगर निकाय चुनाव की घोषणा के साथ ही जिले में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी चुनावी गहमागहमी के बीच मंगलवार को वार्ड संख्या 02 से वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशी डॉ. आनंद कुमार सत्य ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। डॉ. आनंद कुमार सत्य अपने समर्थकों के साथ अनुमंडल कार्यालय पहुंचे, जहाँ उन्होंने निर्वाची पदाधिकारी (Returning Officer) अमर जॉन आइंद के समक्ष विधिवत रूप से अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। नामांकन के दौरान डॉ. आनंद के समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया।नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से बात करते हुए डॉ. आनंद कुमार सत्य ने अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। उन्होंने कहा, "यदि वार्ड संख्या 02 की जनता मुझे अपना स्नेह और आशीर्वाद देती है, तो मेरी पहली प्राथमिकता वार्ड की सभी पुरानी समस्याओं का स्थाई समाधान करना होगा। मैं वार्ड के समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध हूँ।" डॉ. आनंद ने आगे जोड़ते हुए कहा कि उनका लक्ष्य वार्ड को एक 'नया रूप' देना और इसे बुनियादी सुविधाओं से लैस एक आदर्श वार्ड बनाना है। उन्होंने वार्डवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे उन्हें एक बार सेवा का अवसर प्रदान करें ताकि वे क्षेत्र की प्रगति में अपना योगदान दे सकें।इस महत्वपूर्ण अवसर पर डॉ. आनंद कुमार सत्य के साथ मुख्य रूप से डॉ. बीरु कुमार केशरी, अभिषेक चौरसिया, राजू साह, द्वारिका प्रसाद केशरी, विनीत, श्रवण चौरसिया, विक्की गुप्ता सहित दर्जनों प्रबुद्ध नागरिक और समर्थक उपस्थित थे। डॉ. आनंद के चुनावी मैदान में उतरने से वार्ड संख्या 02 में मुकाबला रोचक होने की उम्मीद है, और स्थानीय मतदाताओं के बीच भी अब चुनावी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

साहिबगंजः अध्यक्ष पद के लिए रविंद्र पासवान (बुढ़ो पासवान) ने दाखिल किया नामांकन, हेल्पलाइन नंबर जारी करने का किया वादा

संवाददाता

साहेबगंज । नगर निकाय चुनाव को लेकर जिले में चुनावी पारा चढ़ चुका है। अध्यक्ष और वार्ड पार्षद पदों के लिए प्रत्याशी पूरे उत्साह के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल कर रहे हैं। नामांकन के चौथे दिन मंगलवार को समाहरणालय परिसर में भारी गहमागहमी रही। इसी क्रम में पोखरिया निवासी रविंद्र पासवान उर्फ बुढ़ो पासवान ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर चुनावी रणभेरी फूंक दी है। रविंद्र पासवान अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ समाहरणालय पहुंचे, जहाँ उन्होंने निर्वाची पदाधिकारी गौतम कुमार भगत के समक्ष विधिवत रूप से अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। उनके नामांकन के साथ ही समर्थकों में भारी जोश देखा गया और समर्थकों ने जीत के दावे किए। नामांकन के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रविंद्र पासवान (बुढ़ो पासवान) ने अपना विजन साझा किया। उन्होंने कहा, "यदि शहर की सम्मानित जनता का आशीर्वाद मुझे मिलता है, तो मेरा मुख्य लक्ष्य साहिबगंज शहर को सजाना और संवारना होगा। शहर में साफ-सफाई, सुचारू बिजली व्यवस्था और सौंदर्यीकरण जैसी कई चुनौतियां हैं, जिनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।" रविंद्र पासवान ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि नगर परिषद के कार्यों के अलावा वे अपनी व्यक्तिगत सूझबूझ से आम जनता के लिए एक विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी करेंगे। इस हेल्पलाइन के माध्यम से शहर का कोई भी नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करा सकेगा, जिसका त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरेंगे। इस अवसर पर उन्हें समर्थन देने के लिए मुख्य रूप से सुनील सिंह, अमित सिंह, जीतू सिंह, अजय पासवान, मिथुन पासवान, निक्कू पासवान, दिवांशु गुप्ता, गौरव गुप्ता, अभिषेक सिंह, राजीव झा सहित भारी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। नामांकन के चौथे दिन कई अन्य प्रत्याशियों द्वारा पर्चा भरे जाने के बाद अब साहिबगंज नगर परिषद का चुनावी मुकाबला और भी रोमांचक हो गया है।

साहिबगंजः वार्ड संख्या 26 से अनिल मुंडा ने भरा नामांकन, बोले- "वार्ड की समस्याओं का समाधान ही एकमात्र लक्ष्य"

संवाददाता

साहेबगंज। नगर परिषद चुनाव को लेकर चल रही नामांकन प्रक्रिया के बीच मंगलवार को वार्ड संख्या 26 से प्रत्याशी अनिल मुंडा ने विधिवत रूप से अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। उन्होंने अनुमंडल कार्यालय पहुंचकर निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष अपनी उम्मीदवारी पेश की। नामांकन प्रक्रिया पूरी करने के बाद मीडिया से बातचीत में अनिल मुंडा ने वार्ड के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, "वार्ड संख्या 26 की जनता अगर मुझे सेवा का अवसर प्रदान करती है, तो मैं वार्ड की हर छोटी-बड़ी समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का अथक प्रयास करूँगा।" उन्होंने विशेष रूप से वार्ड में नियमित साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य वार्ड को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिलाना और जनसमस्याओं का त्वरित निष्पादन करना है। नामांकन के अवसर पर अनिल मुंडा के साथ भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और समर्थक उपस्थित रहे। मुख्य रूप से धर्मो रिकासन, राहुल राय, गोविंद, पोरो देवी, मुनिया देवी, छतिया देवी सहित कई समर्थकों ने उनके पक्ष में एकजुटता प्रदर्शित की और जीत का भरोसा जताया। अनिल मुंडा के चुनावी मैदान में आने से वार्ड संख्या 26 में चुनावी सरगर्मी और तेज हो गई है।

साहेबगंजः वार्ड संख्या 23 से रामस्वरूप चौधरी ने किया नामांकन, भारी जनसमर्थन के साथ विकास का भरा दम

संवाददाता

साहेबगंज। नगर परिषद चुनाव को लेकर जिले में सियासी पारा अपने चरम पर है। इसी कड़ी में आज वार्ड संख्या 23 से प्रत्याशी रामस्वरूप चौधरी ने अपने समर्थकों के भारी हुजूम और जबरदस्त उत्साह के बीच विधिवत रूप से अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। उनके नामांकन के साथ ही वार्ड में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं और मुकाबला दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। नामांकन के दौरान रामस्वरूप चौधरी के पक्ष में भारी संख्या में समर्थक जुटे। समर्थकों ने गगनभेदी नारों के साथ अपने प्रत्याशी के प्रति एकजुटता और अटूट समर्थन का प्रदर्शन किया। समर्थकों के इस भारी हुजूम ने पूरे क्षेत्र में चुनावी माहौल को गर्मा दिया है। अब वार्ड संख्या 23 के हर चौक-चौराहे पर रामस्वरूप चौधरी के नामांकन और उनके भावी विजन की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए रामस्वरूप चौधरी ने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, "मेरा मुख्य उद्देश्य वार्ड संख्या 23 के विकास को एक नई और सही दिशा देना है। लंबे समय से वार्ड की जनता जिन बुनियादी समस्याओं से जूझ रही है, उनका समाधान करना मेरी पहली जिम्मेदारी होगी।" उन्होंने आगे कहा कि यदि जनता उन्हें सेवा का अवसर देती है, तो वे वार्ड में सड़क, नाली, साफ-सफाई और शुद्ध पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान देंगे। उनका संकल्प वार्ड को एक 'आदर्श वार्ड' के रूप में स्थापित करना है।इस अवसर पर मुख्य रूप से रंजीत पासवान, परदेशी पासवान, सुभाष राय, दीपक मंडल, प्रीतम कुमार, आकाश कुमार सहित भारी संख्या में वार्ड वासी और समर्थक उपस्थित रहे। समर्थकों का मानना है कि रामस्वरूप चौधरी के चुनावी मैदान में उतरने से वार्ड के विकास की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

सड़क चौड़ीकरण के विरोध में एकजुट हुए रैयतः दरियापुर में बैठक कर आंदोलन और कोर्ट जाने का लिया निर्णय

संवाददाता

साहेबगंज। श्रीकुड (RCD) से बिन्दु पाड़ा (RCD) तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण व मजबूतीकरण योजना को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। सोमवार, 02 फरवरी 2026 को सुबह 8 बजे दरियापुर पंचायत के बथान पाड़ा स्थित मो. शेर अली के आम बगान में रैयतों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मो. कफील अहमद ने की, जिसमें भारी संख्या में रैयतों के साथ-साथ क्षेत्र के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि पथ प्रमंडल विभाग, साहिबगंज द्वारा सड़क निर्माण के नाम पर उनकी कीमती 'तीन फसली' (वर्ष में तीन फसल देने वाली) उपजाऊ भूमि को चिह्नित किया गया है। रैयतों का कहना है कि यह उनकी आजीविका का मुख्य आधार है और वे किसी भी कीमत पर इस जमीन को सड़क के लिए नहीं देंगे। रैयतों ने जानकारी दी कि उन्होंने पूर्व में ही उपायुक्त (DC), अपर समाहर्ता (ADM) और कार्यपालक अभियंता को विरोध पत्र और आपत्ति पत्र सौंपा है। इसके बावजूद विभाग की ओर से न तो कोई स्पष्ट जानकारी दी गई और न ही रैयतों की आपत्तियों पर कोई सुनवाई हुई। प्रशासन के इस अड़ियल रवैये को देखते हुए अब विभिन्न गांवों के रैयतों ने एकजुट होकर आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है।

चिंतन-मंथन के बाद सभा में सर्वसम्मति से तीन बड़े निर्णय लिए गए:

कार्य पर रोकः चिह्नित की गई निजी भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं होने दिया जाएगा।

संघर्ष का एलानः अपनी जमीन बचाने के लिए यदि 'जंग-जु संघर्ष' (आंदोलन) भी करना पड़ा, तो ग्रामीण पीछे नहीं हटेंगे।

न्यायालय की शरणः विभाग की मनमानी के खिलाफ बहुत जल्द माननीय न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

बैठक में वक्ताओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विभाग ने बिना किसी पूर्व सूचना या ग्राम-सभा का आयोजन किए सीधे जमीन चिह्नित करने का काम किया है। यह 'भूमि अधिग्रहण अधिनियम-2013' के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। ग्रामीणों का कहना है कि नियमतः किसी भी अधिग्रहण से पहले ग्राम-सभा और रैयतों की सहमति अनिवार्य है। बैठक में मुख्य रूप से मो. इबरान अली, सरफाराज अहमद, शेर अली, रैहान अली, मो. जियाउर रहमान, गुलाम रब्बानी, इमदाद हुसैन, अनारुल शेख़, मो. जाकीर हुसैन, अब्दुल समद, तजामूल शेख, लुतफुल हक, इमाद शेख, गुलफाराज आलम, फैसल आलम सहित सैकड़ों की संख्या में प्रभावित रैयत मौजूद थे। इस बैठक के बाद क्षेत्र में तनाव और सरगर्मी बढ़ गई है। अब देखना यह है कि प्रशासन ग्रामीणों की इन आपत्तियों पर क्या रुख अपनाता है।

साहेबगंजः सनशाइन पब्लिक स्कूल का प्रथम स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ संपन्न, प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया हुनर

संवाददाता

साहेबगंज। शहर के जिरवाबाड़ी, प्रेम नगर स्थित सनशाइन पब्लिक स्कूल का प्रथम स्थापना दिवस मंगलवार को विद्यालय प्रांगण में बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न खेलकूद और शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुवाहाटी (असम) से आईं संगीता गुप्ता उपस्थित थीं। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और बच्चों को भविष्य के लिए आशीर्वचन दिए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "शिक्षा के प्रति समर्पण और लगन ही सफलता की कुंजी है। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और अन्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है।" उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक माहौल और इस सफल आयोजन की सराहना की।

स्थापना दिवस को यादगार बनाने के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं में बच्चों ने कड़ा मुकाबला किया। परिणाम इस प्रकार रहेः

बलून संतुलन प्रतियोगिताः इस प्रतियोगिता में अंश कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रज्ञान पॉल दूसरे और पवन कुमार तीसरे स्थान पर रहे।

गोली चम्मच रेस (Lemon Race): इस रोमांचक दौड़ में महावीर पासवान ने पहला स्थान हासिल किया। दिलखुश कुमार दूसरे और अभिषेक कुमार तीसरे स्थान पर रहे।

चॉकलेट रेसः छोटे बच्चों के लिए आयोजित इस रेस में अनुप्रिया प्रथम, रोज रानी द्वितीय तथा रितिका कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं।

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य बेबी कुमारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय के व्यवस्थापक गोपाल श्रीवास्तव ने स्कूल की एक वर्ष की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। मौके पर शिक्षिका श्रद्धा सुमन, प्रीति पॉल के अलावा बड़ी संख्या में अभिभावक और बच्चे मौजूद थे। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस आयोजन से पूरे विद्यालय परिवार में जश्न का माहौल रहा।

तालझारीः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मासिक समीक्षा बैठक सह प्रशिक्षण आयोजित, 10 फरवरी से शुरू होगा एमडीए कार्यक्रम

संवाददाता

साहेबगंज/तालझारी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) तालझारी के सभागार में मंगलवार को डॉ. रंजन कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण मासिक समीक्षा बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस बैठक में आगामी स्वास्थ्य अभियानों की रणनीति तैयार करने के साथ-साथ कई तकनीकी विषयों पर स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया। बैठक के दौरान मुख्य रूप से तीन विषयों HPV (ह्यूमन पैपिलोमावायरस), HMIS (हेल्थ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम) और आगामी MDA (मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) कार्यक्रम पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक (BPM) विजय राम ने प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित होकर HPV और HMIS के तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं के डेटा प्रबंधन (HMIS) को और अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। बैठक में आगामी 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलने वाले एमडीए (MDA) कार्यक्रम पर विशेष चर्चा की गई। केटीएस (KTS) अभिषेक कुमार ने इस अभियान की सफलता के लिए विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस अवधि के दौरान फाइलेरिया उन्मूलन की दवा खिलाई जाएगी, जिसके लिए सभी कर्मियों को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में 'स्पर्श कुष्ठ' (Leprosy) जागरूकता अभियान पर भी चर्चा की गई, ताकि समाज से कुष्ठ रोग के प्रति भ्रांतियों को दूर किया जा सके। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं और टीकाकरण कार्यक्रमों की भी बारीकी से समीक्षा की गई। डॉ. रंजन कुमार ने निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाए। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड लेखपाल देवनारायण रविदास, सीएचओ (CHO) एस्टर हेंब्रम व शुभम कुमार, एएनएम (ANM) संगीता कुमारी, किशोरी सिन्हा, मेरीसोन हासदा, अमृता पटेल, सहिया साथी मेरी कर्मकार, सजनी मुर्मू, सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार, राजकुमार एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

शेष बचे धान की लैम्प्स से नही हुआ उठाव किसानों की बढ़ी चिंता

महेशपुर(पाकुड़)। प्रखंड के कनिझारा लैम्प्स लिमिटेड को लेकर जिला आपूर्ति पदाधिकारी पाकुड़ को सरस्वती कोड़ा ने धान खरीद के संबंध में एक गंभीर समस्या उत्पन्न होने के कारण लिखित आवेदन गई है। लैम्प्स ने 1,833 क्विंटल धान खरीदा है, जिसमें से 750.7 क्विंटल धान राइस निल बरहड़वा द्वारा उठाया जा चुका है, लेकिन शेष 1,082.3 क्विंटल धान लैम्प्स के गोदाम में पड़ा है।लैम्प्स के सचिव द्वारा मिल और जिला आपूर्ति कार्यालय, पाकुड़ से शेष धान को उठाने के लिए बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, धान अभी तक नहीं उठाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप लैम्प्स फीडर क्षेत्र के किसानों से धान की खरीद करने में असमर्थ है।इस समस्या का समाधान करने के लिए, लैम्प्स ने जिला आपूर्ति अधिकारी, पाकुड़ से अनुरोध किया है कि वे मिल को धान उठाने के लिए निर्देश दें या जिले की किसी अन्य मिल को धान आवंटित करने के लिए आगे की कार्रवाई करें।लैम्प्स के सचिव ने बताया कि मिल मजदूरों को गाड़ियों की डिलीवरी का भुगतान नहीं कर रही है, जिससे धान उठाने में समस्या हो रही है। उन्होंने बताया कि मिल बड़े-बड़े गठ्ठे भेजती है, जिनके लिए महेशपुर में वजन करने की मशीन उपलब्ध नहीं है।

फुटपाथ पर लोहे के औजार बना कर बेच रहे है मध्यप्रदेश के कारीगरःबीरसिंह लोहार

पाकुड़। अपनी पेट की आग बुझाने को लेकर देश के हजारों परिवार अपनी राज्य छोड़ अन्यत्र राज्य आकर अपनी दो वक्त की रोटी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है।

ऐसा ही मार्मिक दृश्य जिले के हिरणपुर बाजार के दामिन डाकबंगला परिसर में देखने को मिला, जहां मध्य प्रदेश से आए दो से तीन परिवार और बल बच्चों के साथ फुटपाथ पर अस्थायी दुकान लगाकर लोहे के घरेलू औजार बनाने व बिचने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के बीरसिंह लोहार और सोनू लोहार अपने परिवार के साथ हिरणपुर पहुंचे हैं। इन सभी के परिवारों में महिला, पुरुष और बच्चों को मिलाकर कुल 20 सदस्य शामिल हैं। परिवार के पुरुषों के साथ महिलाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर दिनभर मेहनत करती नजर आती हैं। पुरुष और महिलाएं मिलकर लोहे का हंसुआ, खुरपी, छेनी, हथौड़ी, टांगी सहित अन्य घरेलू उपयोग के औजार मौके पर ही बनाकर ग्राहकों को बेचते हैं। कड़ाके की ठंड के बावजूद ये परिवार दामिन डाकबंगला परिसर में खुले आसमान पर तंबू लगाकर रात गुजारने को मजबूर हैं। खुले आसमान के नीचे ठंड से ठिठुरते हुए सोना और भूख से जूझना इनकी रोजमर्रा की जिंदगी बन चुकी है। इस संबंध में बीरसिंह लोहार ने बताया कि लोहे के औजार बनाना उनका पुश्तैनी पेशा है। उनके पिता और दादा भी यही कार्य करते थे। ये मेरा खदानी कार्य है, उन्होंने बताया कि हमारे गांव के अधिकांश लोहार परिवार हर साल जून से नवंबर तक अपने गांव में रहते हैं, जबकि दिसंबर से मई तक देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर औजार बनाकर विक्री कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। गरीबी, ठंड और असुरक्षा के बीच संघर्ष कर रहे इन परिवारों की जिंदगी इस बात की गवाही देती है कि आज भी समाज का एक बड़ा तबका बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। पेट की आग बुझाना और बच्चों का भविष्य संवारना इन गरीब परिवारों के लिए रोज की सबसे बड़ी जंग बन चुका है।

मिशन वात्सल्य के तहत एकदिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

हिरणपुर(पाकुड़)। मंगलवार को हिरणपुर प्रखण्ड कार्यलय के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दिलीप की अध्यक्षता में मिशन वात्सल्य के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पीसीआई यूनिसेफ के द्वारा किया गया। जिसमे बाल कल्याण एवं सामाजिक संरक्षण समितियों को सशक्त बनाने तथा पंचायत स्तर पर सामाजिक सुरक्षा सहायता केंद्रों को मजबूत करने क् उद्देश्य पर किया गया। कार्यशाला का संचालन जिला कोडिनेटर मोहम्मद अनीश अंसारी एवं ब्लॉक फैसिलिटेटर मधु भगत द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सती प्रथा के उदाहरण का उल्लेख करते हुए सामाजिक कुप्रथाओं एवं रूढ़िवादी परंपराओं पर रोक लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। बाल विवाह की रोकथाम, बाल अधिकारों की सुरक्षा और विशेष रूप से लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने पर बल दिया। साथ ही उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से इन विषयों पर समाज में सक्रिय भागीदारी निभाने और जागरूकता फैलाने की अपील की गई।

मोटरसाइकिल ट्रैक्टर में जबरदस्त भिडंत एक की मौत

पाकुड़। पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत रणडांगा गांव के पास सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार इलामी पंचायत निवासी इमरान शेख की ट्रैक्टर से जबरदस्त भिडंत हो गई । प्राप्त जानकारी के अनुसार इमरान अपनी मोटरसाइकिल से पाकुड़ शहर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान इशाकपुर पंचायत स्थित रणडांगा गांव के समीप इलामी-पाकुड़ मुख्य सड़क पर विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इमरान सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर मुफस्सिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों ने घायल इमरान शेख को इलाज के लिए सोनाजोड़ी सदर अस्पताल ले जाने का प्रयास किया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सोनाजोड़ी सदर अस्पताल भेज दिया।मुफस्सिल थाना पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। ट्रैक्टर चालक की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मृतक के गांव इलामी में मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों के अनुसार इमरान शेख सात बच्चे हैं। जिनमें चार बेटे और तीन बेटियां शामिल हैं। कुछ समय पहले ही उनकी बड़ी बेटी की शादी तय हुई थी। ग्रामीणों ने बताया कि इलामी-पाकुड़ मुख्य सड़क पर तेज गति से वाहन चलते हैं, जिससे आए दिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं।

बजट 2026 - 27 कितना फायदा कितना नुकसान लोक लुभावना वादों से दूर समृद्ध भारत बनाने का संकल्प

संवाददाता। पाकुड़

पेशावर दृष्टिकोण से यह बजट बड़े बदलाव से अधिक सिस्टम को मजबूत करने वाला है : प्रमोद सिन्हा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2026 - 27 देश के सामने प्रस्तुत किया है। बजट में संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है। इस बजट में आम आदमी के लिए ना तो कोई टैक्स की राहत नहीं दिया गया है और ना ही कोई लोग लोक लुभावन वादा ही किया गया है। बजट में पूंजीगत खर्च को 12.20 लाख करोड रुपए तक बढ़ाने का ऐलान है। सत्ता पक्ष के लोग इस बजट को समाज और देश हित में बता रहे हैं वहीं विपक्ष के लोग इसे बेवकूफ बनाने वाला झुनझुना बता रहे हैं। आईए जानते हैं पाकुड़ के लोग इस विषय में क्या सोचते हैं। वरिष्ठ इनकम टैक्स एडवोकेट प्रमोद कुमार सिन्हा कहते हैं कि यह बजट कर दाताओं को बड़ी राहत देने के बजाय उन्हें डिसिप्लिन, ट्रांसपेरेंसी और डिजिटल सिस्टम के अनुरूप ढालने की दिशा में बढ़ता कदम है। केंद्रीय बजट 2026 ऐसे समय में प्रस्तुत किया गया है जब भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर विकास, नियंत्रित महंगाई और डिजिटलीकरण के अगले चरण में प्रवेश कर चुकी है। सरकार ने इस बजट में लोग लुभावन घोषणाओं से बचते हुए राजकोषकीय अनुशासन, टैक्स सारणीकरण और अनुपालन आधारित कर व्यवस्था पर अधिक जोर दिया है। F Y 2026- 27 के लिएGDP वृद्धि दर लगभग 6.5% से 7% रहने का अनुमान लगाया जाता है। मुख्य फोकस क्षेत्र है अपराध अक्षर एवं केंपस मैन्युफैक्चरिंग और एमएसएमई डिजिटल ग्रीन इकोनामी और टेक्स्ट कंप्लायंस व डेटा एनालिटिक्स, राजकोषकीय घाटे को चरणबाद तरीके से 4.5% तक लाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है। पेशावर दृष्टिकोण से यह बजट "बड़े बदलाव" से अधिक "सिस्टम" को मजबूत करने वाला बजट कहा जा सकता है। पाकुड़ निवासी झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन राँची के महासचिव राम रंजन सिंह बताते हैं कि केंद्रीय बजट दीर्घकालीन संरचनात्मक मजबूती की और रणनीति के बदलाव को दर्शाता है। बजट में भारत द्वारा निर्मित सेमीकंडक्टर मिशन का विस्तार, विकसित भारत के महत्वाकांक्षाओं पर जोर, छोटे

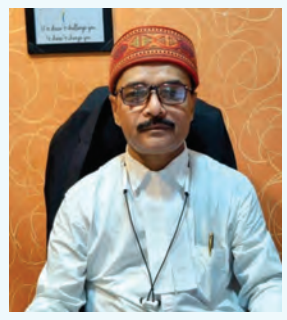

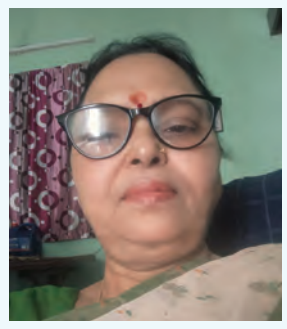

शहरों में उद्यम को सरल बनाने का प्रयास, ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मजबूत प्रोत्साहन, हेल्थ सेक्टर में नया आयाम में भारत की सुरक्षा के साथ विकास की रफ्तार को स्थित रखते हुए शिक्षा, रोजगार, नवाचार और आर्थिक सुधारो पर केंद्रित दिख रहा है। मिला-जुला कर हम कह सकते हैं कि यह बजट भविष्य को ध्यान में रखकर निर्मित किया गया है।

उन्होंने बजट में निर्माता एवं समस्त टीम को बधाई दी है। संजीव कुमार खत्री सचिन पाकुड़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स बताते हैं कि केंद्रीय बजट में टैक्स में कोई नया बदलाव नहीं किया गया है जो पिछले सुधारो के बाद उचित है। मेडिकल टेक्सटाइल रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर एवं डिफेंस सेक्टर पर विशेष जोर दिया गया है तथा विदेशी नीति को ध्यान में रखकर बजट तैयार किया गया है। छोटे व्यापारियों के लिए बजट में कोई विशेष राहत नहीं दी गई है । उन्होंने टीम के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया है। ओपन स्काई स्मार्ट स्कूल के संचालक मनोज कुमार भगत बताते हैं कि बजट 2026 - 27 विकास और भविष्य की जरूरत को ध्यान में रखकर बनाया गया है। बुनियादी ढांचे, शिक्षा और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर बल दिया गया है जो सकारात्मक है। मध्यम वर्ग को कुछ राहत मिलने से आम लोगों को सहूलियत होगी ।हालांकि महंगाई रोजगार और किसन की आय से जुड़े मुद्दों पर और ठोस कदमों की अपेक्षा थी। कुल मिलाकर बजट संतुलित प्रतीत होता है। लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी की घोषणाओं का लाभ आम नागरिक तक कितने प्रभावी ढंग से पहुंचता है। प्रदेश महासचिव उदय लखमणि ने इस बजट को असंतुलित बताते हुए इसे बोकस बताया है। उन्होंने कहा कि बजट में बड़े व्यापारियों के लाभार्थ बनाया गया है छोटे व्यापारियों को कहीं कोई राहत नहीं है। बजट पूरी तरह से भ्रामक और निराशाजनक है। यह बजट से देश क व्यवसाईयों के हित में नहीं है। पूर्व मुखिया चित्रलेखा गौड़ बताती हैं की बजट से आम जनता को फायदा या नुकसान समझ में नहीं आता है। किंतु बजट संतुलित एवं विकासोन्मुख है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और डिजिटल संसाधन लॉन्च किया जा रहा है, ताकि सभी अपनी पहुंच आसानी से बना सके। बजट में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले की में बालिका छात्रावास स्थापित करने पर जोर दिया गया है। बालिका शिक्षा को बढ़ावा और प्रोत्साहन का बजट में पर्याप्त प्रावधान किया गया है। जो सराहनीय है।

वार्ड नंबर 15 से चंचला सिंह ने भरा पर्चा

संवाददाता। पाकुड़

नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 15 से चंचला सिंह ने सोमवार को निर्वाची पदाधिकारी सह सहायक निर्वाचन पदाधिकारी मनोहर मरांडी के समक्ष अपना पर्चा दाखिल किया। इस मौके पर श्रवण टिब्रीवाल, बबलू सिंह सहित दर्जनों मौजूद रहे। पर्चा दाखिल करने के उपरांत चंचला सिंह ने कहा कि अगर वार्ड की प्यारी और भोली भाली जनता हमें जन सेवा करने का अवसर दे तो मैं वार्ड की क्षेत्र की नक्शा बदल दूंगी। खासकर वार्ड में नियमित रूप से सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था और विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम करूंगी। साथ ही जरूरतमंद लोगों को सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में अग्रसर रहूंगी। उन्होंने कहा कि अगर वार्ड की जनता हम पर भरोसा कर एक बार हमें मौका देती है तो आने वाले समय में मैं वादा और वचन देती हूं कि अपने वादे पर खारा उतरूंगी और लोगों के बीच रहकर वार्ड की सफाई व्यवस्था और वार्ड की सौंदर्यीकरण के कार्य की दिशा में बढ़-चढ़कर भाग लूंगी।

मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0" अभियान के तहत् आज तीन मामलों का हुआ सफल मध्यस्थता

संवाददाता। पाकुड़

जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडे की अध्यक्षता में डालसा सचिव रूपा बंदना किरो के मार्गदर्शन में चले रहे मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0" के तहत् आज तीन मामलों का सफल सुलह समझौता कराया गया। मामला पाकुड़ व्यवहार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय में चल रहे मूल भरण पोषण वाद संख्या 294/2025 उर्मिला खातून बनाम सत्तारूल शेख दूसरा मामला मूल भरण पोषण वाद संख्या 298/2025 मुनीजा बीबी बनाम बाबेर अली

तीसरा मामला ओरिजनल सूट संख्या 130/2025 फारूक शेख बनाम सहनारा खातून जो वर्षों से अलग रह रहे थे तीनों मामलो में दंपतियों को प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक के अथक प्रयास से दंपतियों के बीच चल रहे आपसी मतभेद को समाप्त किया गया।

तीनों मामलो के दंपतियों ने आपसी मतभेद को भूलाकर एक साथ रहने के लिए राजी हुए। दोनो पक्ष एक दूसरे के भावनाओं का ख्याल करते हुए संसारीक जीवन व्यतीत करने भविष्य में किसी प्रकार का वाद-विवाद उत्पन्न नहीं करने मिलकर रहने का संकल्प लिया। प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक के प्रयास से टूटता परिवार एक हो गए। इस टूटते रिश्ते को बचाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार में मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0 का भूमिका एवं संबंधित दोनों पक्षों के अधिवक्ता का योगदान रहा। जिससे घर में खुशी लौट पाया। इस दौरान दंपति को एक साथ खुशी खुशी रहने मतभेद से बचने परिवार के साथ मिलजुल कर रहने का संदेश प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक ने दिया। मौके पर दंपतियों के परिजन, अधिवक्ता, न्यायालय कर्मी उपस्थित रहें।

नगर निकाय चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संवेदनशील मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

संवाददाता। पाकुड़

नगर निकाय चुनाव 2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने जिले के विभिन्न संवेदनशील मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने बूथ संख्या 19/1 एवं 19/2 उत्क्रमित मध्य विद्यालय कालिकापुर, बूथ संख्या 21/1 एवं 21/2 प्राथमिक विद्यालय बल्लभपुर तथा बूथ संख्या 20/1 एवं 20/2 गुलबहार पब्लिक स्कूल मतदान केंद्रों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था तथा निर्वाचन से संबंधित तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना सभी संबंधित पदाधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों के आसपास मौजूद स्थानीय लोगों से

♦ मतदाताओं की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

भी संवाद कर क्षेत्र की परिस्थितियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा मतदाताओं को निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर मतदान करने हेतु प्रेरित किया। डीसी ने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा- निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि मतदान प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को मतदान केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने, संभावित कमियों को समय रहते दूर करने तथा निर्वाचन कार्यों में आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि नगर निकाय चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके।एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि मतदान केंद्रों एवं आसपास के क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान विधि- व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाएगी।मौके पर अपर समाहर्ता, प्रशासक, नगर परिषद सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा प्रथम दिवस कदाचार मुख्य संपन्न

संवाददाता। पाकुड़

जिले में आयोजित मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा का प्रथम दिन शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। परीक्षा के सुचारु संचालन एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी ने पीएम श्री हरिणदंगा +2 विद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्र पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था एवं सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से परीक्षा संचालन की निगरानी व्यवस्था का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने केंद्राधीक्षक, वीक्षक एवं परीक्षा कार्य में संलग्न सभी पदाधिकारियों एवं शिक्षकों को परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा के दौरान झारखंड अधिविद्य परिषद द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों एवं नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा अवधि के दौरान केंद्रों के आसपास सतत निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।मौके पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, प्रशासक नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी एवं एडीपीओ पीयूष कुमार समेत अन्य उपस्थित रहे।

पीर मजार में चादरपोसी को लेकर प्रशासन मुस्तेद

संवाददाता। महेशपुर (पाकुड़)

महेशपुर प्रखंड अंतर्गत गमछनला में स्थित पीर पहाड़ में पीर मजार पर चादरपोसी करने को लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासनिक अमला मुस्तैद है। इस अवसर पर महेशपुर बीडीओ डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव, सीओ संजय सिन्हा, थाना प्रभारी रवि शर्मा, प्रभारी सीआई उपेंद्र यादव समेत अन्य लोग मौजूद थे।प्रशासनिक अधिकारियों ने पीर पहाड़ का दौरा किया और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पीर मजार पर चदरपोसी के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है।इस अवसर पर थाना प्रभारी रवि शर्मा ने बताया कि पीर मजार पर चदरपोसी के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंदोबस्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने की अपील की गई है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

संवाददाता। पाकुड़

पाकुड़ जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार ने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री कुमार ने ईवीएम वेयर हाउस के विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की। ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने वहां रखे ईवीएम मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरणों की स्थिति तथा रख रखाव का जायजा लिया।उल्लेखनीय हो कि, जिला निर्वाचन पदाधिकारी को प्रत्येक माह (बाहर) एवं त्री - मासिक (अंदर) वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण करना होता है एवं रखरखाव एवं तकनीकी उपकरणों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट मंत्रीमंडल निर्वाचन विभाग रांची को समर्पित करना होता है।इसी संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निरीक्षण करते हुए निर्वाचन विभाग के कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया तथा प्रतिवेदन मंत्रीमंडल निर्वाचन विभाग रांची को भेजने का निर्देश दिया गया। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक पार्टी के जिला अध्यक्ष/सदस्य एवं निर्वाचन कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

जामताड़ा नगरपालिका चुनाव 2026: सुरक्षा का अभेद्य किला तैयार, 8 चेकनाका और 2 फ्लाइंग स्क्वॉड से होगी अवैध गतिविधियों पर निगरानी

संवाददाता

जामताड़ा। जिले में आगामी नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 को निष्पक्ष, भयमुक्त और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, धनबल या बाहुबल के प्रयोग को रोकने के लिए व्यापक सुरक्षा तंत्र विकसित किया गया है। इसी क्रम में जामताड़ा और मिहिजाम थाना क्षेत्रों में विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। आदर्श आचार संहिता (MCC) के कड़ाई से अनुपालन और अवैध सामग्रियों के परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने जामताड़ा और मिहिजाम क्षेत्रों में कुल आठ चेकनाका (स्टैटिक सर्विलांस टीम) तथा दो फ्लाइंग स्क्वॉड टीमों का गठन किया है। इन टीमों में दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इनका मुख्य कार्य चौबीसों घंटे सघन जांच अभियान चलाना और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना है। सुरक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत परखने के लिए जामताड़ा पुलिस अधीक्षक राज कुमार मेहता ने स्वयं विभिन्न चेकनाकों का भौतिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मिहिजाम और जामताड़ा थाना क्षेत्रों के महत्वपूर्ण जांच केंद्रों का जायजा लिया।

मिहिजाम क्षेत्रः कानगोई चेकपोस्ट, कानगोई रेल फाटक चेकपोस्ट, हॉसीपहाड़ी चेकपोस्ट एवं निर्मल महतो चौक चेकपोस्ट।

जामताड़ा क्षेत्रः गायछांद, पोसई, इंदिरा चौक एवं सुपाईडीह चेकपोस्ट।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने चेकपोस्ट पर उपलब्ध संसाधनों, सुरक्षा उपकरणों और वहां तैनात कर्मियों की कार्यप्रणाली की बारीकी से जांच की। पुलिस अधीक्षक ने मौके पर तैनात दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रकार के छोटे-बड़े वाहनों की सघन तलाशी ली जाए। चुनाव को प्रभावित करने वाली किसी भी अवैध सामग्री (नकद, शराब या अन्य उपहार) की बरामदगी होने पर उसे तत्काल जब्त करें। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान परिचारी प्रवर (Reserve Inspector), पुलिस केंद्र जामताड़ा और संबंधित थाना प्रभारी भी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील की है और चेतावनी दी है कि चुनाव प्रक्रिया में खलल डालने या किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि में लिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कुंडहितः 'जीवन एकटा आईना' नाटक ने मोहा दर्शकों का मन; सरस्वती पूजा पर भांगाहीड में हुआ भव्य मंचन

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर जामताड़ा जिले के कुडहित प्रखंड अंतर्गत पालाजोडी पंचायत के भांगाहीड गांव में सोमवार देर रात्रि एक दिवसीय बांग्ला नाटक का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष कलाकारों ने 'जीवन एकटा आईना' (जीवन एक आईना है) शीर्षक वाले नाटक का मंचन कर हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य रीना मंडल, पूर्व जिला परिषद सदस्य भजहरी मंडल और स्थानीय मुखिया गीता पहाड़िया ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि नाटक जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि ये समाज को एक सूत्र में पिरोने और नई सीख देने का भी कार्य करते हैं। भांगाहीड गांव में प्रतिवर्ष सरस्वती पूजा के उपलक्ष्य में बांग्ला नाटक आयोजित करने की परंपरा रही है। इस वर्ष पश्चिम बंगाल के रसूलपुर से आए मंझे हुए कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। नाटक 'जीवन एकटा आईना' के माध्यम से कलाकारों ने यह संदेश दिया कि जीवन सुख-दुख और उतार-चढ़ाव का संगम है। विपत्तियों से घबराने के बजाय मनुष्य को अपने कर्म पथ पर अडिग रहना चाहिए। यदि इरादे मजबूत हों, तो बड़ी से बड़ी बाधाएं भी स्वतः समाप्त हो जाती हैं। कड़ाके की ठंड के बावजूद नाटक देखने के लिए भांगाहीड सहित आसपास के गांवों और सोलोआना क्षेत्र से हजारों की संख्या में दर्शक उमड़े। कलाकारों के संवाद और जीवंत अभिनय ने पूरी रात दर्शकों को बांधे रखा।इस सफल आयोजन में नाटक कमेटी के सदस्य काजल गोराई, स्वपन मंडल, संदीप रजक, सेमल गोराई, छोटन गोराई, बापी गोराई, टिंकू गोराई, दिनेश गोराई, संजय चौधरी और अरविंद गोराई सहित अन्य ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शांतिपूर्ण ढंग से कार्यक्रम संपन्न होने पर कमेटी ने सभी दर्शकों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। ग्रामीण परिवेश में इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन कला और संस्कृति के प्रति लोगों के लगाव को दर्शाते हैं। 'जीवन एकटा आईना' नाटक ने न केवल लोगों का मनोरंजन किया, बल्कि जीवन जीने की एक नई प्रेरणा भी दी।

जामताड़ाः उपायुक्त रवि आनंद ने जनता दरबार में सुनीं फरियादें; कई समस्याओं का ऑन-स्पॉट किया समाधान

संवाददाता

जामताड़ा। आम जनता की समस्याओं के त्वरित निष्पादन और प्रशासन की पहुंच हर व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जामताड़ा के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री रवि आनंद (IAS) ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में 'जनता दरबार' का आयोजन किया। मंगलवार (03 फरवरी 2026) को आयोजित इस दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा, जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान किया गया। जनता दरबार में जमीन से संबंधित मामले, अवैध अतिक्रमण, राशन कार्ड में सुधार, भूमि अर्जन का मुआवजा, बिजली कनेक्शन और 'मईया सम्मान योजना' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शिकायतें प्राप्त हुईं। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

प्रमुख मामले और उपायुक्त के निर्देशःमहिला प्रताड़ना पर सख्त रुखः एक महिला ने अपने पति और ससुराल पक्ष द्वारा प्रताड़ित किए जाने और स्थानीय थाने द्वारा कार्रवाई न करने की शिकायत की। उपायुक्त ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी को मामले की जांच कर तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बिजली विभाग की शिकायतः बिजली कनेक्शन काटे जाने और एक अन्य मामले में जमीन पर दीवार से सटकर ट्रांसफार्मर लगाए जाने की समस्या पर उपायुक्त ने बिजली विभाग के अधिकारियों को अपेक्षित कार्रवाई करने को कहा।

मुआवजा विवादः सड़क निर्माण में अधिग्रहित भूमि के मुआवजे में पड़ोसी द्वारा अनावश्यक आपत्ति जताकर राशि की मांग करने के मामले में उपायुक्त ने जांच का आश्वासन दिया। भूमि विवाद व अतिक्रमणः अवैध कब्जे और भूमि विवाद से जुड़े अन्य मामलों में उपायुक्त ने राजस्व अधिकारियों को जांच का जिम्मा सौंपा, जबकि न्यायालय में विचाराधीन मामलों में पीड़ितों को कानूनी रास्ता अपनाने की सलाह दी गई। जनता दरबार के उपरांत उपायुक्त श्री रवि आनंद ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा, "जिला प्रशासन आम जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक मंगलवार को कार्यालय में जनता दरबार आयोजित किया जाता है। जिले के लोग निसंकोच होकर अपनी समस्याओं को हमारे समक्ष रखें। नियमानुसार हर समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।" उपायुक्त ने कई आवेदनों को मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यह स्पष्ट निर्देश दिया कि इन मामलों का निष्पादन शीघ्र कर उपायुक्त कार्यालय को अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निवारण में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उपायुक्त के इस 'जनता दरबार' से जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों में उम्मीद की किरण जगी है। प्रशासन के इस रुख से न केवल लोगों की समस्याओं का समाधान हो रहा है, बल्कि सरकारी कार्यशैली में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ रही है।

जामताड़ाः विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो से मिला 'आदिवासी महिला कल्याण फाउंडेशन' का प्रतिनिधिमंडल, सामाजिक कार्यों की हुई सराहना

संवाददाता

जामताड़ा। महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान की दिशा में कार्यरत संस्था 'आदिवासी महिला कल्याण फाउंडेशन' की एक प्रतिनिधिमंडल टीम ने हाल ही में झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष श्री रवींद्रनाथ महतो से शिष्टाचार मुलाकात की। जामताड़ा जिले में सक्रिय इस फाउंडेशन ने विधानसभा अध्यक्ष को अपनी संस्था द्वारा किए जा रहे जमीनी कार्यों से अवगत कराया। इस महत्वपूर्ण मुलाकात का नेतृत्व फाउंडेशन की अध्यक्ष अमिता हेम्ब्रम ने किया। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष को फाउंडेशन के उद्देश्यों और अब तक समाज हित में किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। संस्था के कार्यों की जानकारी लेने के उपरांत विधानसभा अध्यक्ष श्री रवींद्रनाथ महतो ने फाउंडेशन के प्रयासों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्वावलंबी और जागरूक बनाने की दिशा में ऐसे प्रयास सराहनीय हैं। स्पीकर ने संस्था को हार्दिक धन्यवाद देते हुए प्रोत्साहित किया और विश्वास दिलाया कि समाज के उत्थान के लिए किए जाने वाले नेक प्रयासों में उनका पूर्ण समर्थन और मार्गदर्शन भविष्य में भी बना रहेगा। इस शिष्टाचार भेंट के अवसर पर अध्यक्ष अमिता हेम्ब्रम के साथ फाउंडेशन की सक्रिय सदस्य मिलोती मुर्मू, निर्मला सोरेन और वीरधान मुर्मू भी उपस्थित थे। सभी सदस्यों ने विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि 'आदिवासी महिला कल्याण फाउंडेशन' जामताड़ा क्षेत्र में आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के लिए समर्पित एक संस्था है। यह संगठन लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनके कल्याण हेतु कार्य कर रहा है। विधानसभा अध्यक्ष के साथ हुई इस मुलाकात ने फाउंडेशन के सदस्यों में नया उत्साह भर दिया है। संस्था का मानना है कि शासन और प्रशासन के सहयोग से वे अपने सामाजिक दायित्वों को और भी अधिक प्रभावी ढंग से निभाने में सफल होंगे।

जैक बोर्ड परीक्षा का आगाज़: कुडहित में कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई मैट्रिक और इंटर की परीक्षा, सीसीटीवी से हो रही निगरानी

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (JAC) द्वारा आयोजित मैट्रिक और इंटरमीडिएट की वार्षिक परीक्षा मंगलवार से कुडहित प्रखंड सहित पूरे राज्य में शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हो गई। परीक्षा के पहले दिन प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा पुख्ता इंतजाम देखे गए। जैक के निर्देशानुसार, परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और कदाचार मुक्त (Cheating-free) बनाने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए पैनी नजर रखी जा रही है। परीक्षा के पहले दिन मैट्रिक के परीक्षार्थियों ने आईटी (IT) और विभिन्न वोकेशनल विषयों की परीक्षा दी। वहीं, दूसरी पाली में इंटरमीडिएट के तीनों संकायों (कला, विज्ञान और वाणिज्य) के छात्र-छात्राओं ने वोकेशनल विषयों की परीक्षा में भाग लिया। इस वर्ष मैट्रिक की परीक्षाएं 17 फरवरी तक और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 23 फरवरी तक चलेंगी।

कुंडहित प्रखंड में परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुल तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही हैः

पहली पाली (मैट्रिक): सुबह 9:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक।

दूसरी पाली (इंटर): दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक।

परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने और मानसिक रूप से स्थिर होने के लिए निर्धारित समय से 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जा रहा है।

मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित तीन केंद्रों में से दो केंद्रों पर परीक्षाएं आयोजित हुईं, जहाँ परीक्षार्थियों की उपस्थिति संतोषजनक रहीः

1. आदर्श मध्य विद्यालय केंद्रः पहली पाली (मैट्रिक): कुल 48 में से 48 परीक्षार्थी उपस्थित रहे (शत-प्रतिशत उपस्थिति)।

दूसरी पाली (इंटर): कुल 153 में से 153 परीक्षार्थी उपस्थित रहे।

केंद्राधीक्षकः अवणी रंजन चौधरी।

2.प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय केंद्रः

पहली पाली (मैट्रिक): कुल 58 परीक्षार्थियों में से 57 उपस्थित रहे, जबकि 01 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा।

दूसरी पाली (इंटर): कुल 230 परीक्षार्थियों में से 228 उपस्थित रहे, जबकि 02 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए।

केंद्राधीक्षकः मिथिलेश कुमार पाण्डेय।

परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। केंद्रों के बाहर पुलिस बल की तैनाती की गई है और वीक्षकों (Invigilators) को निर्देश दिया गया है कि वे पूरी कड़ाई से निगरानी रखें। आदर्श मध्य विद्यालय के केंद्राधीक्षक अवणी रंजन चौधरी और प्रोजेक्ट कन्या विद्यालय के केंद्राधीक्षक मिथिलेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि पहले दिन की परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण रही और परीक्षार्थियों ने उत्साह के साथ परीक्षा दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षा विभाग के कर्मी और सुरक्षाकर्मी मौजूद थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

"सुंदर लिखावट विद्यार्थी का दर्पण": कुडहित के पंचमोहली स्कूल में हस्तलेखन प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित । बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनकी लेखन कला को निखारने के उद्देश्य से जामताड़ा जिले के कुडहित प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, पंचमोहली में एक भव्य हस्तलेखन (Handwriting) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य छात्रों को सुंदर, आकर्षक और शुद्ध लेखन के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उनके भीतर छिपे हुए कौशल की पहचान करना था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (BEEO) मिलन कुमार घोष ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सुंदर लिखावट किसी भी विद्यार्थी का दर्पण होती है। उन्होंने इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "सुलेख न केवल लिखने की कला को आकर्षक बनाता है, बल्कि यह विद्यार्थी में धैर्य, अनुशासन और रचनात्मकता को भी बढ़ावा देता है। इससे भाषा की शुद्धता और विचारों में स्पष्टता आती है, जो अंततः छात्र के आत्मविश्वास को बढ़ाती है।"श्री घोष ने सभी विद्यार्थियों को नियमित रूप से सुंदर लिखावट पर ध्यान देने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि कुडहित और नाला प्रखंड के सभी कोटि के विद्यालयों में पठन-पाठन के साथ-साथ हस्तलेखन कौशल पर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति क्षमता और भाषा के प्रति रुचि विकसित हो सके।

प्रतियोगिता में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी लेखन कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन के बाद पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक और सहयोगी शिक्षकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित थे। अभिभावकों ने विद्यालय के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ-साथ कुछ नया सीखने का उत्साह पैदा होता है।पंचमोहली विद्यालय में आयोजित यह हस्तलेखन प्रतियोगिता शिक्षा के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती है, जहाँ किताबी ज्ञान के साथ-साथ बच्चों के व्यक्तिगत कौशल और कलात्मक सुधार पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

साहेबगंजः वार्ड 22 से गोपाल यादव ने भव्य रैली के साथ भरा नामांकन, 'शक्ति प्रदर्शन' से विरोधियों को दी चुनौती

संवाददाता

साहेबगंज। नगर परिषद चुनाव अब अपने निर्णायक और सबसे दिलचस्प चरण में पहुँच गया है। इसी चुनावी सरगर्मी के बीच मंगलवार को वार्ड संख्या 22 से प्रत्याशी गोपाल यादव ने अपने समर्थकों के साथ एक भव्य नामांकन रैली निकालकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। युवाओं और शुभचिंतकों की भारी भागीदारी के बीच गोपाल यादव का यह 'शक्ति प्रदर्शन' पूरे वार्ड में चर्चा का विषय बना रहा।गोपाल यादव गाजे-बाजे और गगनभेदी नारों के बीच निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय पहुँचे, जहाँ उन्होंने विधिवत रूप से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। रैली के दौरान समर्थकों का उत्साह चरम पर था, जो गोपाल यादव के प्रति क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता और मजबूत पकड़ को दर्शा रहा था। नामांकन के पश्चात मीडिया से बात करते हुए गोपाल यादव ने अपनी जीत का अटूट विश्वास जताया। उन्होंने कहा, "वार्ड की सम्मानित जनता का मुझे अपार स्नेह और समर्थन मिल रहा है। मतदाता इस बार बदलाव और विकास के मूड में हैं। मेरा हमेशा से यह संकल्प रहा है कि समाज के हर वर्ग के लिए बिना किसी भेदभाव के काम करूँ।" उन्होंने आगे कहा कि वार्ड की बुनियादी समस्याएं जैसे सड़क, नाली और जल निकासी ही उनके चुनावी एजेंडे का मुख्य हिस्सा हैं। यदि जनता उन्हें सेवा का अवसर देती है, तो वे वार्ड 22 को एक आदर्श वार्ड के रूप में विकसित करेंगे। इस नामांकन रैली और शक्ति प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से मनीष यादव, गोलू यादव, गोपाल यादव, कैलाश यादव, कुंदन गोंड, मनोज कुमार, दिलीप यादव सहित सैकड़ों की संख्या में समर्थक और वार्ड के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। गोपाल यादव के चुनावी मैदान में उतरने और आज के भारी जनसमर्थन के बाद वार्ड संख्या 22 का चुनावी मुकाबला अब और भी कड़ा हो गया है।

इनडोर स्कीइंग रिजॉर्ट में कृत्रिम बर्फ का इस्तेमाल किया जाता है। हाल ही में चीन के शंघाई में दुनिया का सबसे बड़ा इनडोर स्कीइंग रिजॉर्ट बनाया गया है। इस रिजॉर्ट का नाम एल स्नो इनडोर स्कीइंग थीम रिजॉर्ट है।

चीनः दुनिया का सबसे बड़ा इनडोर स्कीइंग रिजॉर्ट, 33 मशीनें बनाती हैं बर्फ

सदियों में अक्सर पर्यटक बर्फीले स इलाकों में स्कीइंग का आनंद लेने जाते हैं। लेकिन अब नई तकनीकों के आने से इनडोर स्कीइंग रिजॉर्ट भी बनने लगे हैं। इनडोर स्कीइंग रिजॉर्ट में कृत्रिम बर्फ का इस्तेमाल किया जाता है। हाल ही में चीन के शंघाई में दुनिया का सबसे बड़ा इनडोर स्कीइंग रिजॉर्ट बनाया गया है।

60 मीटर की ऊंचाई से कर सकते हैं स्कीइंग

यह रिजॉर्ट करीब 90 हजार वर्ग मीटर में फैला हुआ है। अगर इस रिजॉर्ट में बनीं दुकाने, होटल्स, वॉटर पार्क जैसी अन्य सुविधाओं को शामिल कर लिया जाए, तो यह रिजॉर्ट साढ़े तीन लाख वर्गमीटर में फैला हुआ है। पर्यटकों के लिए रिजॉर्ट में 60 मीटर की ऊंचाई से नीचे की ओर स्कीइंग करने की सुविधा है। यहां प्रतिव्यक्ति 4 घंटे का किराया करीब 5 हजार रुपए के आसपास है।

स्नोलैंड ट्रेन व केबल कार भी

यहां स्कीइंग करने के लिए तीन स्की ट्रैक बनाए गए हैं, जिनकी लंबाई करीब 1200 मीटर है। इस अनोखे रिजॉर्ट में स्नोलैंड ट्रेन, क्लॉक टॉवर ड्रॉप और स्नो माउंटेन केबल कार भी चलती है। पर्यटक यहां बनों होटलों के कमरों से भी स्कीइंग कर सकते हैं। यहां तीन होटल भी है। साथ ही रिजॉर्ट में ही एक वॉटर पार्क भी बना है।

सोलर पैनलों से बनती है बिजली

रिजॉर्ट, के अधिकारी यिन कांग बताते हैं कि रिजॉर्ट को ठंडा रखने के लिए यहां 72 कूलिंग मशीन लगी हैं, जो अंदर का तापमान इतना कम करती है कि बर्फ जमने लगती है। साथ ही 33 मशीनें बर्फ बनाने का काम करती हैं। रिजॉर्ट में छत के तीन चौथाई हिस्से पर सोलर पैनल लगाए गए हैं। वे पर्यावरण बचाने के साथ ही स्वयं ही बिजली बना रहे हैं।

बर्फ कम हो रही इसलिए इनडोर स्नो रिजॉर्ट बढ़ रहे

चीन ने पिछले कुछ वर्षों में कई इनडोर रिजॉर्ट विकसित किए हैं। डेक्स यू कंसल्टिंग संगठन के मुताबिक दुनिया के 10 सबसे बड़े इनडोर स्कीइंग रिजॉर्ट में से 5 चीन में हैं। 2022 में हुए विंटर ओलिंपिक ने चीन में बर्फ और स्नो पर्यटन को बढ़ावा दिया है। चीन का स्कीइंग पर्यटन को बढ़ावा देने कारण जलवायु परिवर्तन है। दरअसल चीन के उत्तरी राज्यों में बर्फ कम हो रही है, जिससे लोग स्कीइंग में दिलचस्पी नहीं दिखा पा रहे है। इस तरह के इनडोर रिजॉर्ट बनाने से लोगों में स्कीइंग के प्रति उत्साह बना रहेगा।

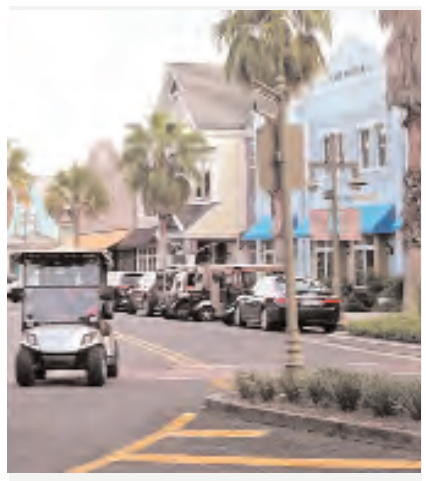

फ्लोरिडा का द विलेजेस यहां सिर्फ रिटायर्ड ही रह सकते हैं

अमेरिका के फ्लोरिडा में एक अनोखा गांव अखा है। इस गांव का नाम द विलेजेस है। गाँव की खास बात यह है कि यहां सिर्फ 55 साल से अधिक उम्र के रिटायर्ड लोग ही रहते हैं।

यहां लगभग 1 लाख लोग निवास करते हैं, जो इसे दुनिया के सबसे बड़े रिटायरमेंट समुदायों में से एक बनाता है। इस गांव में बुजुर्गों के घरों के साथ ही स्विमिंग पूल्स, थिएटर्स, गोल्फ कोर्स और शॉपिंग सेंटर जैसी तमाम सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां 54 गोल्फ कोर्स, 70 पुल्स और 3 हजार सोशल क्लब्स हैं। सभी बुजुर्ग आपसी मेलजोल के साथ जीवन को उत्सव की तरह मनाते हुए रहते हैं।

55+ उम्र वाले ही स्थायी रहवासी

यह गांव 30 हजार एकड़ में फैला है। 55 साल या उससे अधिक उम्र के लोग स्थायी रूप से रह सकते हैं। युवा लोग यहां केवल विजिटर के तौर पर आ सकते हैं। इस रिटायर्ड कम्युनिटी का निर्माण 1980 के दशक में शुरू हुआ था।

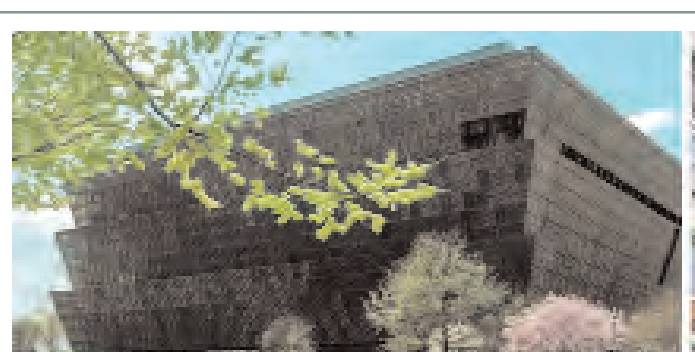

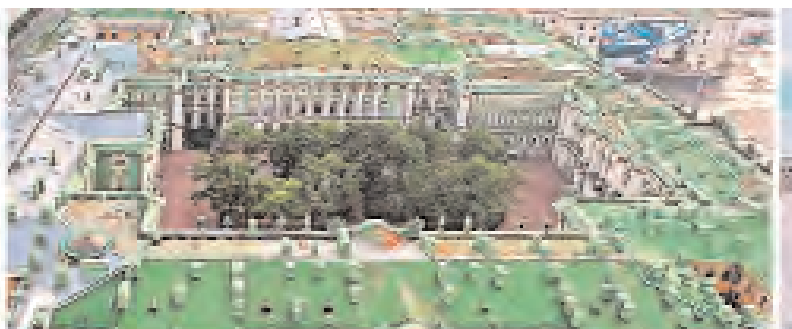

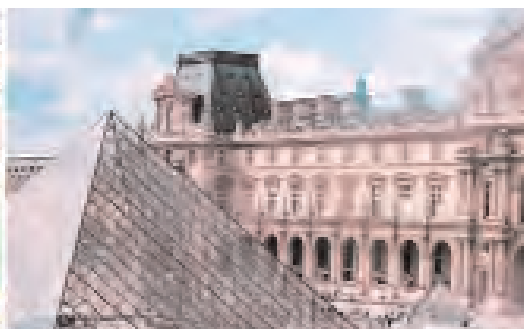

म्यूजियम किसी भी देश की संस्कृति को संरक्षित करते हैं। आज हम जानेंगे दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालयों के बारे में। इनमें कोई आकार में बड़ा है, तो किसी के पास संग्रहालयों का सबसे बड़ा समूह है। वहीं कहीं पर सबसे ज्यादा वस्तुएं रखी हुई हैं।

ये हैं दुनिया के बड़े म्यूजियम कहीं 30 लाख कलाकृतियां तो कोई 60 हजार वर्गफीट में फैला

अमेरिका का स्मिथसोनियन संग्रहालय

अमेरिका में स्थित स्मिथसोनियन संग्रहालय दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालयों का समूह है। इसके कुल 19 संग्रहालय हैं। यहां आपको इतिहास से लेकर अंतरिक्ष के भविष्य के बारे में जानने को मिलेगा। साथ ही इस संग्रहालय में 21 लाइब्रेरी और 14 अनुसंधान केंद्र भी हैं। इस म्यूजियम की स्थापना 1846 में जेम्स स्मिथसन ने की थी। म्यूजियम अपने अनुसंधान के लिए भी पूरी दुनिया में मशहूर है। संग्रहालय एक बड़ा प्राणी उद्यान भी चलाता है। यहां आने वाले आगंतुकों से संग्रहालय कोई चार्ज नहीं लेता है।

रूस के पीटर्सबर्ग में स्थित स्टेट हर्मिटेज म्यूजियम

रूस के दूसरे बड़े शहर सेंट पीटर्सबर्ग में स्थित हर्मिटेज म्यूजियम में सबसे ज्यादा वस्तुओं का संग्रह है। इस संग्रहालय में करीब 30 लाख से अधिक कलाकृतियां रखी हुई हैं, जो पाषाण युग से लेकर 20 वीं शताब्दी के प्रारंभ तक की है। 6 मंजिल बाले इस म्यूजियम को 1764 में कैथरीन द ग्रेट ने अपने चित्रों के संग्रह को रखने के लिए बनाया था। म्यूजियम में चूहे क्षति न पहुंचाए इसलिए यहां 50 से ज्यादा बिल्लियों को रखा गया हैं। प्रति/ व्यक्ति इस म्यूजियम का टिकट 435 रुपए हैं।

फ्रांस का मुसी डू लूव्र म्यूजियम

फ्रांस में स्थित मुसी डू लुब म्यूजियम आकार में दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम है। इस म्यूजियम को 1793 में जनता के लिए खोला गया था। उस समय इस म्यूजियम में 537 ड्रॉइंग की प्रदर्शनी लगाई गई थी। ये म्यूजियम 60600 वर्ग फीट में बना हुआ है। इस म्यूजियम की खास बात यह है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम होने के साथ ही सबसे ज्यादा देखा जाने वाला म्यूजियम भी है। 2022 में इस म्यूजियम को 90 लाख से ज्यादा लोग देखने आए थे। इस म्यूजियम में 8 क्यूरेटोरियल विभाग बने हुए हैं, जिनमें 3 लाख 80 हजार से ज्यादा पुरानी वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। इनमें ज्यादातर प्राचीन मूर्तियां पुरातात्विक खोज में मिली हैं। इसी म्यूजियम में दुनिया की सबसे प्रसिद्ध पेंटिंग मोनालिसा और बोनस डी मीलो की पेंटिंग रखी हुई है। कहा जाता है इस म्यूजियम को एक दिन में घूमना संभव नहीं है। म्यूजियम की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। म्यूजियम का टिकट प्रति व्यक्ति 1500 रुपए है।

दुनिया की सबसे बड़ी रहवासी इमारत, 20 हजार लोग रहते हैं

आमतौर पर हम सुनते हैं कि किसी गांव या कस्बे की आबादी 20 हजार होगी। लेकिन चीन के हांगझू प्रांत के कियांगजियांग शहर में एक ऐसी इमारत है, जिसमें 20 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं। इस इमारत का नाम रिजेंट इंटरनेशनल बिल्डिंग है। इस बिल्डिंग को दुनिया की सबसे बड़ी रहवासी इमारत माना जाता है। इस बिल्डिंग में लगभग 5 हजार अपार्टमेंट हैं। इमारत की ऊंचाई करीब 675 फीट है और इसे अंग्रेजी के एस आकार में बनाया गया है।

रहवासी सेल्फ कंटेंड कम्युनिटी का है हिस्सा

चीन की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस इमारत को होटल के हिसाब से डिजाइन किया गया था। लेकिन बाद में इसे रिहायशी अपार्टमेंट में बदल दिया गया। इमारत को इसलिए भी खास माना जाता है, क्योंकि यहां रहने वाले लोगों को रोजमर्रा की जरूरत की सभी सुविधाएं यहीं मिल जाती हैं। इमारत के अंदर ही फुड कोर्ट, स्विमिंग पूल, किराना स्टोर, सैलून, कैफे उपलब्ध है। इसलिए यहां रहने वालों को सेल्फ कंटेंड कम्युनिटी कहा जाता है। अब यह इमारत एक पर्यटन स्थल के रूप में भी उभर रही है।

बड़ी संख्या में युवा पेशेवर रहते हैं इस इमारत में सिंगापुर में स्थित दुनिया के दूसरे सात सितारा होटल की डिजाइनर एलिसिया लू ने इस बिल्डिंग को डिजाइन किया है। इस विल्डिंग का उद्घाटन 2013 में हुआ था। यहां रहने वाले अधिकांश निवासी युवा पेशेवर हैं, जिन्होंने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है। चीन की समाचार एजेंसी सिना के मुताबिक यहां बिना खिड़कियों वाले छोटे अपार्टमेंट 18 हजार रुपए प्रतिमाह के किराये पर मिल जाते हैं। वहीं बालकनी वाले अपार्टमेंट 46 हजार रुपए प्रतिमाह के रेट पर किराये पर मिलते हैं। इमारत में 39 फ्लोर हैं। साथ ही इमारत करीबन 14 लाख वर्गमीटर में फैली हुई है। इस इमारत की क्षमता करीब 30 हजार लोगों के ठहराने की है।

ट्रैफिक लोड कम कर रही ये इमारत

इस इमारत से शहर में यातायात दबाव को कम करने में भी मदद मिली है। इमारत में ही रहवासियों को आवश्यक सेवाएं मिलने की वजह से रहवासियों की लंबी दूरी तक गाड़ी चलाने की जरूरत नहीं होती है। ब्रॉड ग्रुप कंपनी के अनुमान है कि इस इमारत की वजह से 2 हजार गाड़ियां सड़कों पर कम आती हैं। इससे ट्रैफिक और प्रदूषण कम हो रहा है। इमारत में बिजली के लिए सौर पैनल से चलते वाले हीटिंग वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम लगे हैं, जो कार्बन उत्सर्जन की कम करते हैं। इसके अलावा पानी के लिए बिल्डिंग में रेन वॉटर हॉर्वेस्टिंग और ग्रेवाटर रीसाइक्लिंग की व्यवस्था भी गई है।

संक्षिप्त समाचार

हत्याकांड में शामिल 4 नाबालिगों को किया गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। पटना के मसौढ़ी में युवक रोहित कुमार की चाकू मारकर हत्या की गई थी। मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। प्रेम-प्रसंग को लेकर वारदात हुई है। जिसमें पुलिस ने 4 नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने बताया कि घटना 31 जनवरी को मसौढ़ी बाजार स्थित सामुदायिक भवन के पास हुई थी। कुछ युवकों ने छात्र रोहित कुमार को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घायल रोहित कुमार को तुरंत एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद रोहित के पिता गिरिजा कुमार ने मसौढ़ी थाने में 11 युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए 4 नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि सभी छात्र मसौढ़ी के एक ही कोचिंग संस्थान में पढ़ते थे। प्रेम-प्रसंग को लेकर छात्रों के बीच आपसी विवाद हुआ था, जिसके बाद रोहित कुमार को चाकू मारकर घायल कर दिया गया था।

पटना में नए विधायक फ्लैट परिसर में शॉर्ट-सर्किट

पटना, एजेंसी। पटना के वीरचंद पटेल मार्ग स्थित नवनिर्मित विधायक फ्लैट परिसर में एल एंड टी कंपनी के केबल में अचानक आग लग गई। तारों में आग लगते ही तेज चिंगारी निकलने लगी। पटाखें जैसे आवाजें उठने लगी। जिससे पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के वक्त परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों ने चिंगारी देखी। हालात की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने तुरंत वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी, समय रहते प्रशासन हरकत में आ गया। आग लगने की जानकारी मिलते ही बिजली विभाग ने एहतियातन पूरे इलाके की बिजली काट दी, ताकि किसी तरह का बड़ा नुकसान न हो। बताया गया कि केबल के कवर तार में आग लगी थी, जिससे शॉर्ट-सर्किट हो गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड ने स्थिति को तुरंत नियंत्रण में लिया, जबकि बिजली विभाग के इंजीनियरों ने क्षतिग्रस्त केबल को हटाने का काम शुरू किया। विद्युत विभाग ने पुराने जले हुए केबल को हटाकर नया केबल लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा मानकों की जांच के बाद ही बिजली आपूर्ति पूरी तरह बहाल की जाएगी। घटना में किसी के घायल होने या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन अचानक हुई इस घटना से फ्लैट परिसर में रहने वाले लोगों में डर का माहौल जरूर बन गया। समय पर की गई कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया।

63 लाख को फाइलेरिया की दवा खिलाने का लक्ष्य-सीएस

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के नव नियुक्त सिविल सर्जन (सीएस) डॉ. दिलीप कुमार ने पदभार ग्रहण करने के पहले ही दिन सक्रियता दिखाई। सोमवार को उन्होंने राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत आयोजित एक मीडिया कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के सहयोग से आयोजित की गई थी, जिसका उद्घाटन डॉ. कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सीएस डॉ. दिलीप कुमार ने स्पष्ट किया कि जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई स्तरों पर बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि पदभार संभाले अभी 24 घंटे भी नहीं हुए हैं, लेकिन इतने कम समय में ही उन्हें कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी मिली है। इस संबंध में वे जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर आवश्यक चर्चा भी कर चुके हैं। सीएस ने बताया कि जिले में कुल 63 लाख पात्र व्यक्तियों को फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी से अभियान की सफलता के लिए सर्वजन दवा सेवन करने की अपील की। इस दवा में डीईसी और एल्बेंडाजोल शामिल हैं, जो हाथी पांव और फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि दवा का सेवन आशा और स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में उनके सामने ही किया जाए। कार्यशाला में बताया गया कि सीफार के सहयोग से जिले में सीएचओ लीड रोगी हितधारक मंच का गठन किया गया है। यह मंच फाइलेरिया सहित अन्य बीमारियों के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस मौके पर मधुबन प्रखंड के जितौरा निवासी सीएचओ लीड पीएसपी सदस्य सह स्वयंसेवक जयशंकर यादव को सीएस डॉ. दिलीप कुमार और एसीएमओ एसएन सत्यर्थी द्वारा विकलांगता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सीएस ने आगामी फाइलेरिया उन्मूलन 'महा-अभियान' की जानकारी दी, जो 11 फरवरी को चलाया जाएगा। इसके तहत 10 से 24 फरवरी तक आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर दवा खिलाएंगी। वहीं, 25 से 27 फरवरी तक स्कूलों में बूथ लगाकर बच्चों को दवा दी जाएगी। इस महा-अभियान के लिए जिले में 3,166 टीमें और 316 पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे।

सस्ते मकान और 5 नए एक्सप्रेस-वे देगी बिहार सरकार,

विधानसभा में 3.47 लाख करोड़ का बजट पेश

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए नीतीश सरकार ने विकास की रफ्तार और तेज करने का संकेत दिया। वित्त मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने सदन में कुल 3 लाख 47 हजार 589 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया। यह बजट चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के 3.17 लाख करोड़ रुपये से काफी बड़ा है। बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का स्पष्ट लक्ष्य बिहार को देश के विकसित राज्यों की श्रेणी में लाना है।

बजट सत्र के दूसरे दिन सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित रहने के बाद दोबारा शुरू हुई। इसके बाद वित्त मंत्री लाल रंग का बैग लेकर विधानसभा पहुंचे और बजट भाषण पढ़ना शुरू किया। बजट भाषण के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि बिहार ने बीते वर्षों में विकास की नई दिशा तय की है।

बजट में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सस्ते आवास की योजना को अहम स्थान दिया गया है। सरकार का मानना है कि किफायती मकान उपलब्ध होने से निम्न और मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी। इससे न सिर्फ लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा, बल्कि निर्माण क्षेत्र को भी मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

बजट में राज्य को बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार ने 5 नए एक्सप्रेस-वे के निर्माण का ऐलान किया है। इससे यातायात व्यवस्था सुगम होगी, यात्रा का समय कम होगा और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। एक्सप्रेस-वे को विकास की रीढ़ बताते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इससे बिहार की आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी।

वित्त मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने बजट भाषण में बिहार के विकास मॉडल को पंचतत्व से जोड़ा। उन्होंने कहा कि ज्ञान, ईमान, विज्ञान, अरमान और सम्मान के आधार पर राज्य की योजनाएं तैयार की जा रही हैं। शिक्षा, तकनीक, नवाचार और सामाजिक न्याय को साथ लेकर चलना सरकार की प्राथमिकता है।

बजट में चौथे कृषि रोडमैप के जरिए किसानों की आय बढ़ाने और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने की बात कही गई है। उद्योगों के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, स्टार्टअप को प्रोत्साहन और हाट-बाजार के सशक्तीकरण की योजनाएं भी शामिल हैं। सरकार का दावा है कि इन प्रयासों से युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट केवल खर्च का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि विकसित बिहार का रोडमैप है। बुनियादी ढांचे, सामाजिक कल्याण और आर्थिक प्रगति के संतुलन के साथ सरकार आगे बढ़ रही है। बजट पेश होने के बाद सत्ता पक्ष ने इसे ऐतिहासिक बताया, जबकि विपक्ष ने इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल उठाने के संकेत दिए।

घर में टीवी देख रहे थे परिवार के सदस्य

किसी ने 'जान लेने की नीयत' से आंगन में फेंका विस्फोटक

बगहा, एजेंसी। बिहार के बगहा में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है। मामला चौतरवा थाना क्षेत्र के अहिरौलिया वृत्ति टोला गांव का है। जहां नीरज राव (पिता हरिशंकर राव) के घर पर अज्ञात लोगों ने एक झोले में रखकर विस्फोटक फेंक दिया। इस घटना के समय घर के सभी सदस्य टीवी देख रहे थे। अचानक झोला फेंके जाने से घर में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ है।

परिजनों का कहना है कि इससे पहले भी उनके घर पर कई बार ईंट-पत्थर और शौचालय जैसी चीजें फेंकी जा चुकी हैं। परिवार का आरोप है कि वे लगातार प्रताड़ना झेल रहे हैं। नीरज राव ने बताया कि पिता हरिशंकर राव पूर्व में सहारा इंडिया में एजेंट के रूप में कार्यरत थे। कंपनी के डिफॉल्टर होने के बाद कई लोगों के पैसे डूब गए। जिसके चलते उन्हें और उनके परिवार को आए दिन परेशान किया जा रहा है।

बगहा एसपी रामानंद कौशल ने बताया कि चौतरवा थाना को रविवार रात साढ़े दस बजे के आसपास सूचना मिली कि अहिरौलिया गांव स्थित नीरज राहुल के घर में किसी ने विस्फोटक फेंक दिया है। सूचना मिलने के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पाया कि एक प्लास्टिक के झोले में तीन विस्फोटक और 2 डेटोनेटर फेंका हुआ मिला। फिलहाल मामले की छानबीन की जा रही है। 'सूचना के बाद स्थानीय थाने की टीम आई तो देखा कि कोई एक्सप्लोसिव है, जोकि 3 विस्फोटक पदार्थ और 3 डेटोनेटर फेंका हुआ था प्लास्टिक में रखकर। कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है।

कांग्रेस में नेता चयन का सस्पेंस बरकरार, फिर होगी बैठक

पटना, एजेंसी। पटना के एक होटल में आज कांग्रेस की बड़ी बैठक हुई है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू सहित बिहार के सभी 6 विधायक मौजूद रहे। कल बजट जारी होने के बाद सरकार को किस तरीके से घेरना है इस पर रणनीति बनी है। विधायक दल के नेता को लेकर अंतिम मुहर लगनी थी, पर वो नहीं लगी। विधायक दल के नेता को लेकर आगे फिर मीटिंग होगी। पार्टी के 6 विधायकों के बीच इस पर आपस में सहमति नहीं बन पाने के कारण अब तक यह मामला अटका हुआ है। सूत्रों के हवाले से सभी 6 विधायक को सदन में तेजस्वी के साथ रहने को कहा गया है। महागठबंधन की एकजुटता को दिखाने की बात कही गई है। कल शाम 5:00 बजे महागठबंधन की तेजस्वी आवास पर बैठक होगी। महागठबंधन के सभी विधायक इसमें मौजूद रहेंगे। विधानसभा चुनाव परिणाम के 2 महीने बाद भी कांग्रेस प्रदेश में विधायक दल का नेता नहीं चुन पाई है। इस बीच विधानसभा का एक सत्र बीत चुका है और आज से बजट सत्र शुरू है। 23 जनवरी को दिल्ली में बिहार कांग्रेस की बड़ी बैठक थी। ऐसे में दिल्ली तलब किए गए विधायकों की मौजूदगी में आलाकमान बिहार में विधायक दल के नेता पर अंतिम मुहर लगाने की बात थी। मगर तब भी बात नहीं बनी। प्रदेश नेतृत्व की ओर से सदाकत आश्रम में बुलाई गई बैठकों में कई विधायक मौजूद नहीं रहे थे। उनकी गैरमौजूदगी के बाद अब दिल्ली में क्राइसिस मैनेजमेंट की कवायद की गई है। मनरेगा आंदोलन के लिए बुलाई गई बैठक में कांग्रेस के 2 विधायक मौजूद नहीं थे।

बिहार में मेगा जॉब कैंप, 1200 से ज्यादा होगी बहाली

युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग की ओर से नए साल का सबसे बड़ा मेगा रोजगार मेला

मुंगेर, एजेंसी। बिहार के मुंगेर जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग की ओर से नए साल का सबसे बड़ा मेगा रोजगार मेला 6 फरवरी 2026 को आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन शहर के पोलो मैदान में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। जिले के साथ-साथ आसपास के जिलों के युवाओं में भी इस मेले को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

स्थानीय स्तर पर रोजगार पर फोकसः प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेश ने बताया कि यह रोजगार मेला पूरी तरह निशुल्क है। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं को उनके ही जिले में रोजगार उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें काम की तलाश में अन्य राज्यों या शहरों की ओर पलायन न करना पड़े। मेले के माध्यम से 1200 से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

20 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगीः रोजगार मेले में 20 से अधिक निजी क्षेत्र की नामी कंपनियां हिस्सा लेंगी। ये कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, सिक्योरिटी, फाइनेंस और सर्विस सेक्टर से जुड़ी होंगी। इंस्टा कार्ड, ब्लिंकिट, टाटा मोटर्स, सुजुकी, एमआरएफ, एसआईएस, फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस, नव भारत और शिवशक्ति जैसी 15 से ज्यादा प्रमुख कंपनियां युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान करेंगी।

आठवीं पास से उच्च शिक्षित तक के लिए मौकाः यह मेला सभी योग्यताओं के युवाओं के लिए खुला है। आठवीं पास से लेकर उच्च शिक्षित बेरोजगार युवा इसमें भाग ले सकते हैं। चयन प्रक्रिया योग्यता और साक्षात्कार के आधार पर मौके पर ही पूरी की जाएगी। कुछ पदों के लिए उसी दिन ऑफर लेटर भी जारी किए जा सकते हैं।

देश-विदेश की नौकरियों के अवसर उपलब्धः प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेश ने बताया कि मेले में केवल जिला या राज्य स्तर की नौकरियां ही नहीं, बल्कि देश और विदेश तक की नौकरियों के अवसर भी उपलब्ध रहेंगे। इससे युवाओं को विविध क्षेत्रों में बेहतर करियर विकल्प मिल सकेंगे।

युवाओं के लिए महत्वपूर्ण सलाहः युवाओं से अपील की गई है कि वे अपने सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे शैक्षणिक प्रमाण पत्र, सीवी, आधार कार्ड या अन्य पहचान पत्र लेकर समय पर पोलो मैदान पहुंचें। इससे चयन प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सकेगी और किसी तरह की असुविधा नहीं होगी।

बिहार में भारत-नेपाल सीमा पर जाली नोट फैक्ट्री का भंडाफोड़,

मास्टरमाइंड राकेश सिंह समेत 10 तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी जिले में भारत-नेपाल सीमा पर पुलिस ने जाली नोटों के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस का कहना है कि नेपाल में आगामी चुनावों में मतदाताओं को लुभाने के उद्देश्य से भारतीय और नेपाली मुद्रा के जाली नोट छापे जा रहे थे। हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में कुल 10 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

गुप्त सूचना पर शुरू हुई कार्रवाईः रक्सौल एसडीपीओ मनीष आनंद ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल के रास्ते रक्सौल क्षेत्र में भारतीय और नेपाली जाली नोटों की डील होने वाली है। इस आधार पर हरैया थाने में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बौधी माई स्थान के पास दो युवकों को बाइक पर सवार पाकर रोका गया और तलाशी में उनके पास से 18,500 रुपये मूल्य के भारतीय जाली नोट बरामद हुए।

पूछताछ से खुलासा और छापेमारीः दोनों आरोपियों की पूछताछ में पता चला कि वे सीतामढ़ी जिले के मेजरगंज क्षेत्र में जाली नोटों के कारोबार से जुड़े हैं। आरोपियों की निशानदेही पर डीआईओ और एसएसबी की मदद से मेजरगंज में छापेमारी की गई। इस दौरान अलग-अलग स्थानों से 25 लाख रुपये मूल्य के नेपाली जाली नोट के साथ आठ अन्य तस्कर गिरफ्तार किए गए। बरामदगी में एक कार, बाइक और केमिकल भी शामिल हैं।

गिरोह का मास्टरमाइंड राकेश सिंहः पुलिस जांच में सामने आया कि इस गिरोह का मास्टरमाइंड राकेश सिंह है, जो हाल ही में जेल से रिहा हुआ था। राकेश सिंह ने जेल में रहते हुए भी गिरोह का संचालन जारी रखा था। इससे पहले जाली नोट मामले में एसटीएफ टीम पर गोली चलाने के आरोप में वह 17 वर्ष तक जेल में रहा था। गिरोह में 20 से अधिक सदस्य शामिल हैं, जिनमें से अब तक 10 को पकड़ा गया है।

आरोपियों का आपराधिक इतिहासः गिरफ्तार आरोपियों में से मो। असलम ने पूछताछ में बताया कि वह पहले भी जाली नोट तस्करी के आरोप में एक वर्ष जेल में रह चुका है। गिरोह के सदस्य पिछले एक वर्ष से सीतामढ़ी के मेजरगंज से नेपाल में जाली नोटों की तस्करी कर रहे थे। यह उनकी पहली बड़ी खेप थी, जिसमें वे पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

गिरफ्तार आरोपियों की सूचीः हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान ने इस गिरोह का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें तिलक बहादुर थिंग (30 वर्ष, नेपाल), सरोज कुमार (31 वर्ष, नेपाल), दिलीप कुमार सिंह (मधुबनी), श्रीदेव महतो (नेपाल), रौशन कुमार (सीतामढ़ी), राकेश सिंह (सीतामढ़ी), साहेब कुमार उर्फ लाल (सीतामढ़ी), साजन कुमार (नेपाल), विकास कुमार पटेल (सीतामढ़ी), मो। असलम (सीतामढ़ी) शामिल है।

जेपीयू स्नातक प्रथम सेमेस्टर के फॉर्म भरने की तिथि जारी

छपरा, एजेंसी। छपरा स्थित जयप्रकाश विश्वविद्यालय (जेपीयू) ने स्नातक सीबीसीएस सत्र 2025-29 के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के लिए फॉर्म भरने की तिथियां घोषित कर दी हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, सभी संबद्ध महाविद्यालयों में 5 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक परीक्षा फॉर्म भरे जाएंगे। छात्रों को निर्धारित तिथि के भीतर ही आवेदन करना अनिवार्य होगा।

परीक्षा फॉर्म भरने के लिए 600 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। यह शुल्क छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से सीधे जयप्रकाश विश्वविद्यालय के खाते में जमा करना होगा। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के बाद किसी भी छात्र को फॉर्म भरने का दोबारा मौका नहीं दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा फॉर्म से संबंधित सभी विस्तृत दिशा-निर्देश अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए हैं। छात्रों को सलाह दी गई है कि वे फॉर्म भरने से पहले वेबसाइट पर उपलब्ध नियमों और निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचा जा सके।

परीक्षा विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि फॉर्म भरने से पहले छात्र अपना पंजीयन प्रमाण पत्र, अंक प्रमाण पत्र और प्रवेश पत्र की छायाप्रति संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य से अभिप्रमाणित करा लें। यह प्रक्रिया अनिवार्य है।

मुंगेर में ऑटो चालकों के विवाद में गोलीबारी:एक महिला घायल, आरोपी ऑटो चालक अरेस्ट

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर के सफियासराय थाना क्षेत्र के प्रेम टोला फरदा गांव में सोमवार शाम करीब 5 बजे दो पड़ोसी परिवारों के बीच हुए विवाद में गोलीबारी हुई। इस घटना में बीच-बचाव करने आई 60 वर्षीय वंदना देवी के दाहिने जांघ में गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने तुरंत वंदना देवी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद, डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बेगूसराय रेफर कर दिया। परिजन उन्हें बेगूसराय ले गए हैं।

घायल वंदना देवी के भतीजे सुगन यादव ने सदर अस्पताल में बताया कि विवाद ऑटो चलाने को लेकर शुरू हुआ था। सोमवार दोपहर करीब 2 बजे सूर्यगढ़ा बाजार में उनके पड़ोसी ऑटो चालक मनु यादव ने उनकी ऑटो में टक्कर मार दी थी। इस पर दोनों के बीच विवाद हुआ और मनु यादव ने अपने सहयोगियों के साथ सुगन से मारपीट की।

सुगन यादव के अनुसार, इस घटना के बाद वह अपने गांव लौट आए। शाम को नशे में धुत मनु यादव उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए उनके घर पहुंचा। जब परिवार के अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, तो मनु यादव ने सुगन के दाहिने हाथ पर लोहे के सरिये से वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। इसके बाद मनु यादव ने हथियार निकालकर सुगन पर फायरिंग कर दी। हालांकि, गोली सुगन की बड़ी मां वंदना देवी के दाहिने जांघ में जा लगी, जो बीच-बचाव करने सामने आई थीं। घटना के तुरंत बाद, सुगन के परिवार के सदस्यों ने मनु यादव को पकड़ लिया और उसे सदर अस्पताल ले जाकर स्थानीय कोतवाली थाना पुलिस के हवाले कर दिया।

मनु गांव के रंजीत मंडल का ऑटो भाड़ा में चलाता था, जब मारपीट और गाली गलौज की घटना हुई तो रंजीत मंडल ने उसका ऑटो छीन लिया जिसको मनु ने धमकी देते हुए कहा की तुम्हे गोली मार देंगे। उन्होंने कहा मनु प्रदेश में मजदूरी का काम करता है और कुछ दिन पहले गांव आया था। वही नशे में धुत गिरफ्तार युबक ने बताया की हम उड़ीसा में मजदूरी का काम करते है और रविवार को अपने गांव आये थे। वही सोमवार की दोपहर पड़ोसी सुगन यादव का परिवार ने हमारे परिवार के साथ गाली गलौज किया था और हमलोगों के द्वारा समझाने के बाद भी वे लोग नहीं माने।

उन्होंने कहा की दोनों परिवार के बीच विवाद हुआ इस दौरान गोली किसने चलायी मुझे मालुम नहीं है। वही जब मनु से पुलिस ने पूछा की तुम नशे में क्यों हो तो उसने बताया की वह हावड़ा से शराब लेकर आया था और घर में पिया था। उन्होंने कहा की तीन साल से उड़ीसा में मजदूरी का काम करते हैं।

उन्होंने अपने बचाव में कहा कि हमारे ऊपर जो भी आरोप लगाया जा रहा है वह गलत है। आरोपी मनु ने सुगन यादव यादव पर आरोप लगाते हुए कहा कि हमारे साथ उनलोगों ने मारपीट के दौरान मेरा तीस हजार का मोबाईल गायब कर दिया है।

वही घटना के संबंध में सफियासराय थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया की सूर्यगढ़ा बाजार में मनु यादव और सुगन यादव के बीच विवाद हुआ था। वही यह विवाद घर तक पहुंचा जहां दोनों पड़ोसी के बीच मारपीट हुई। जिसमें एक बुजुर्ग महिला को गोली लगी है। उन्होंने कहा इस मामले में एक व्यक्ति मनु यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित पक्ष द्वारा अब तक आवेदन नहीं मिला है। पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है।

विचार-मंथन

संपादकीय

क्या संघीय ढांचे के लिए खतरा है भाषा का विवाद?

देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि किसी मसले पर असहमति या विवाद की स्थिति है, तो उसे संवाद और सौहार्द के सहारे हल किया जाए और सहमति की हर संभावना को मजबूत किया जाए। मगर विडंबना यह है कि कई बार कुछ मुद्दों को इस हद तक संवेदनशील स्वरूप दे दिया जाता है कि उसके बाद विवाद नाहक ही जटिल होता चला जाता है।गौरतलब है कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम पार्टी ने चेन्नई में रविवार को 'भाषा शहीद दिवस' मनाया और इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन ने हिंदी भाषा पर बहस को एक बार फिर हवा दे दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि 'न तब, न अभी, न ही कभी हिंदी को यहां जगह मिलेगी।' इस मसले पर अतीत में कैसे मत-विरोध रहे हैं और कैसे यह एक समय हिंसक आंदोलन का कारण बना था, यह जानते हुए भी अगर आज एक बार फिर उसी तेवर में विवाद को तूल दिया जाता है, तो इसे किस रूप में देखा जाएगा? संवाद के बजाय आक्रामकता का सहारा लेकर किस समस्या का स्थायी हल निकाला जा सकता है?देश की संघीय भावना विविधता के सौंदर्य से ही शक्ति ग्रहण करती है। अलग-अलग भाषाएं इसका एक सबसे अहम हिस्सा हैं। हिंदी को देश को जोड़ने वाली एक भाषा की सबसे महत्त्वपूर्ण कड़ी के तौर पर देखा जाता है, तो इसके अपने आधार हैं। मगर इसमें कहीं भी तमिल या देश की किसी भी अन्य भाषा की अहमियत की अनदेखी करने या खुद को उन पर थोपे जाने का आग्रह नहीं है।हैरानी की बात यह है कि किसी भाषा को नुकसान पहुंचाए बिना कभी सिर्फ हिंदी पढ़ाने की बात की जाती है, तो उसे थोपने के तौर पर देख लिया जाता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का यही मानना है कि केंद्र सरकार राज्य में हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। उनकी इस बात से शायद ही किसी को असहमति होगी कि तमिलनाडु अपनी भाषा से जीवनधारा की तरह प्यार करता है।मगर क्या किसी भी भाषा से प्यार को दूसरी भाषा के खिलाफ संघर्ष या टकराव का कारण बनना चाहिए?

भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका।

शिक्षा में समता या नई असमानता: यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

(ललित गर्ग)

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को 'समता', 'समान अवसर' और 'समावेशी शिक्षा' की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्ट्या यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकूएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है। शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया,यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए। यह समय है कि भावनाओं और राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक ऐसी नीति बनाई जाए, जो वास्तव में समान अवसर सुनिश्चित करे, लेकिन बिना किसी नए विभाजन को जन्म दिए। शिक्षा में सुधार का अर्थ समाज को आगे ले जाना है, न कि पुराने घावों को फिर से कुरेदना। देश को ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जो प्रतिभा को जाति से ऊपर रखे, अवसर को पहचान से मुक्त करे और परिसरों को संघर्ष का नहीं, संवाद का केंद्र बनाए। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक उसी दिशा में एक संकेत है। अब यह सरकार और यूजीसी की जिम्मेदारी है कि वे इस संकेत को समझें, आत्मावलोकन करें और ऐसे नियम गढ़ें जो वास्तव में भारत की समावेशी, संतुलित और भविष्यद्रष्टा संरचना के अनुरूप हों। यदि इस अवसर को भी राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ा दिया गया, तो यह केवल एक नीति की विफलता नहीं होगी, बल्कि उस विश्वास की भी हार होगी, जो जनता ने शिक्षा सुधारों से जोड़ रखा है।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

तेजाब पर रोक, फिर भी हमले जारी?

जब खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक है, तो फिर आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की इस तक पहुंच कैसे संभव हो पा रही है।तेजाब से हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, बल्कि गहरा मानसिक और भावनात्मक आघात भी पहुंचता है। कई बार पीड़ित महिलाओं को अवसाद और सामाजिक अलगाव का सामना भी करना पड़ता है, जो उनके लिए जिंदगी भर का दर्द बन जाता है। सवाल है कि इस तरह के हमलों पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? साथ ही पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय मिल रहा है या नहीं, उनके पुनर्वास के लिए सरकारी योजनाओं की स्थिति क्या है और पीड़ितों को उनका लाभ मिल पा रहा है या नहीं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनको लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी चिंतित है।यही वजह है कि मंगलवार को शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से तेजाब हमलों से संबंधित मामलों का वर्ष वार ब्योरा, अदालतों में उनकी स्थिति तथा पीड़ितों की मदद के लिए पुनर्वास उपायों का विस्तृत विवरण देने को कहा है। साथ ही केंद्र सरकार से संबंधित कानून में बदलाव पर विचार करने को भी कहा है, ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2013 में खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक लगा दी थी। इसके बाद तेजाब से हमले की घटनाओं में थोड़ी कमी देखी गई, मगर पिछले कुछ वर्षों से यह आंकड़ा फिर बढ़ने लगा है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017 में तेजाब हमलों के 244 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2021 में ऐसे 176 मामले सामने आए। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा बढ़कर 207 हो गया।ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण है कि जब खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक है।

आवश्यक है जातिविहीन समाज की नवीन संरचना

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

देश को अस्थिर करने के लिए विदेशी ताकतों ने एक बार फिर प्रयास किया। यूजीसी के नये नियमों के माध्यम से जातिगत संघर्ष की स्थितियां पैदा कर दी। समूचे देश में आन्तरिक कलह का शंखनाद हो उठा। नेपाल, बांगलादेश जैसे देशों में भी इसी तरह से सरकार का तख्ता पलट करवाने की सफल कोशिशें की जा चुकीं हैं। देश के मीरजाफरों को चिन्हित करके उन्हें भौतिक सुविधाओं, संसाधनों और उज्जवल भविष्य की मृगतृष्णा के पीछे दौडा जाता रहा है। इस सोच से जकडे लोग अब मीरजाफर की तात्कालिक घटनाओं और उनकी कष्टप्रद परिणति को नजरंदाज करके अपने आकाओं की गुलामी करने में ही अपना, परिवार का और स्वजनों का भला देखने लगे हैं। इन भितरघाती मीरजाफरों की संख्या में निरंतर इजाफा होता जा रहा है। विदेशी खुफिया एजेन्सियों से लेकर डीपस्टेट के संचालकों तक ने भारत के कोने-कोने में अपने स्लीपर सेल तैयार कर रखे हैं। अभी तक विपक्ष के लोगों पर ही मीरजाफर होने के आरोप लगते रहे हैं परन्तु इस बार तो सत्ता पक्ष के भितरघातियों ने ही अपने गोरे आकाओं के इशारे पर देश का वातावरण रक्तरंजित करने हेतु आधार तैयार करने में कोई कोर कसर नहीं छोडी है। हालातों की समीक्षा करने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत के अन्दर सभी प्रमुख क्षेत्रों में भितरघातियों की एक बडी संख्या मौजूद है जो अवसर मिलते ही राष्ट्र को गुलामी की बेडियों में जकडने हेतु चलाये जा रहे सीमापार के षडयंत्रों को अमली जामा पहनाने में जुट जाते हैं। विकास के पथ पर सरपट दौड रहे देश को आन्तरिक संघर्ष की आग में झौंकने हेतु जातिगत मुद्दे की आंधी चलाई गयी। उच्च शिक्षा में समानता लाने के दांत दिखाकर हाथी ने अन्दर के षडयंत्रकारी दांतों से देश को चबाने की शुरूआत कर दी है जिसे फिलहाल न्यायालय ने टाल दिया है मगर वह समाप्त नहीं हुआ है। इधर खाई उधर कुंआ जैसी स्थिति सुरसा का मुंह बनकर जस की तस खडी है। शंकाओं को बादल मडरा रहे हैं। शक्ति संकलन के प्रयास किये जा रहे हैं। जोर आजमाइस के दावपेंचों के प्रशिक्षण निरंतर चल रहे हैं। आतंक की नई परिभाषायें गढी जा रहीं हैं। हकीकत तो यह है कि पडोसी देशों की तर्ज पर जेन-जी को मोहरा बनाकर भारत की तेजी से बढती साख को तार-तार करने वाले अब इंशा अल्लाह के नारे नहीं लगवा रहे हैं बल्कि राम-राम और राधे-राधे में भेद पैदा करवाने के बाद अब भगवान और भीम के बीच खाई तैयार करने में जुट गये हैं। साम्प्रदायिक मुद्दे पर लडे गये बिहार चुनाव के परिणामों को देखते हुए निकट भविष्य में होने वाले चुनावों के लिए जातिगत मुद्दों को हवा देने का काम शुरू हो गया है ताकि बटेंगे तो कटेंगे, जैसे नारों को निष्क्रिय किया जा सके। जातिगत संगठनों को सक्रिय करके वंशवाद की निष्ठा को तीव्रतम करने की कोशिशें होने लगीं हैं। सवर्ण बनाम अन्य की स्थितियां पैदा की गईं। दूसरी ओर प्रयागराज में कथित शंकराचार्य और वहां पर तैनात कुछ खास अधिकारियों के मध्य अनावश्यक विवाद पैदा करवाकर एक नयी समस्या को जन्म दे दिया गया ताकि सनातन परम्परा, हिन्दू व्यवस्था और शाश्वत दर्शन को अपभ्रंश की गई किताबों के माध्यम से एक बार पुनः विकृत किया जा सके। हालात यहां तक पहुंच गये हैं कि चौराहों से लेकर चौपालों तक केवल और केवल सनातन के स्वरूप, उसके सिद्धान्त और वर्तमान मान्यताओं पर ही चर्चा होने लगी है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5993

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5992

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन घर में उपयोग होने वाली वस्तुओं में वृद्धि होगी। नौकरी में अधीनस्थ कर्मचारी या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव पैदा हो सकता है। इस समय आपको रुपए-पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतनी होगी। ससुराल पक्ष से भी आपको लाभ मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि, वाहन के प्रयोग में आपको सावधानी रखनी होगी।

वृष
आज आपका मन शांत बना रहेगा। अष्टम भाव में बुध से व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस दौरान किसी प्रकार का उपहार व सम्मान भी मिल सकता है। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके स्वभाव एवं वर्चस्व में वृद्धि होगी। हालांकि, ससुराल पक्ष से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता है। वहीं, मित्रों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

मिथुन
आज जीविका के क्षेत्र में चल रहे आपके प्रयास फलीभूत होंगे। इस दौरान आपको राजनीतिक सहयोग भी मिलेगा। हालांकि, स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी विवाद से दूरी बनाकर रखना आपके हित में होगा।

तुला
आज का दिन शुभ व्यय में बढ़ोतरी होगी। इससे आपका मान-सम्मान और कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपने कार्यों में सफलता मिलेगी। हालांकि, आपको अपने खान-पान में संयम रखना होगा। इसके साथ ही अनावश्यक खर्चों को भी कंट्रोल करना होगा। विरोधियों पर आपको जीत मिलेगी।

वृश्चिक
आज एकादश भाव में चन्द्रमा के प्रभाव से राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आपको शासन और सत्ता का पूरा सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही कुछ लोगों के पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखेंगे तो आपके लिए लाभकारी रहेगा। स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना होगा।

धनु
आज बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की प्रबल संभावना है। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। व्यापार बढ़ने की सोच रहे हैं तो यह समय आपके लिए उत्तम रहेगा। खान-पान पर संयम रखें। ससुराल पक्ष से भी किसी तरह का लाभ मिल सकता है। हालांकि, झगड़े और विवाद से खुद को दूर रखें।

कर्क
आज आपके कोष में वृद्धि का संकेत दे रहा है। ऐसे में आपका दांपत्य जीवन सुखमय बना रहेगा। इस दौरान धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि की प्रबल संभावना है। हालांकि, किसी शारीरिक व मानसिक समस्या से आपकी परेशानी बढ़ सकती है। छात्रों को सफलता मिलेगी और परीक्षा की दिशा में किया गया प्रयास सार्थक होगा।

सिंह
आज का दिन घर में प्रभाव और प्रताप को बढ़ाने वाले हैं। ऐसे में रोजी और रोजगार की दिशा में आपको सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। इस दौरान आप दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। कोई रुका हुआ कार्य इस सहयोग से पूरा करने में सफल रहेंगे। यात्रा की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। लंबे समय बाद किसी प्रियजन से भेंट संभव है।

कन्या
आज का दिन आपके लिए आर्थिक दिशा में सफलता दिलाने वाला रहेगा। वाणी की सौम्यता के कारण आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वहीं, ससुराल पक्ष से लाभ मिलता हुआ दिख रहा है। हालांकि, स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सचेत रहना होगा। फिलहाल अपने खान-पान में संयम बरतें।

मकर
आज पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। घर-परिवार के वरिष्ठ लोगों का आपको सहयोग मिलेगा। इसके अलावा शासन और सत्ता के सहयोग से कोई रुका हुआ कार्य पूरा हो जाएगा। हालांकि, आपको थोड़ा सतर्क भी रहना होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने व चोरी की संभावना दिख रही है। फिलहाल अपनी फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

कुंभ
आज आपकी व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा अधिक सचेत रहना होगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपको मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आपको अपने विरोधियों पर जीत मिलेगी। स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना होगा। वाणी पर संयम रखने से रिश्तों में मधुरता आएगी।

मीन
आज का दिन सुख और मित्र का भाव वाला है। इसके शुभ प्रभाव से आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। रोजगार के क्षेत्र में चल रहे प्रयास सफल रहेंगे। राजनीतिक सहयोग से भी आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना होगा। वाणी पर संयम रखने से रिश्तों में मधुरता आएगी।

वर्ग पहेली 5993

1	2		3	4	■	5	6
7			■	8			
9		10		■	■	11	
	■		■	12		■	■
13	14		15		■	16	17
18		■	19		20		
■	21			■	22		
23		■	24			■	■

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत की इस प्रथम महिला आई.पी.एस.अधिकारी का जन्मदिवस है (09 जून 1949)(5)
5. सिर के बाल झड़ने का रोग (2)
7. संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
8. गानवृंद, गायक दल (5)
9. वर्षा के समान गिरना, क्रुद्ध होना (4)
11. अव्यक्त मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
12. गेंहू, जौ आदि पौधे के डंठलों के छोटे टुकडे जो पशु भोजन के रूप में इस्ते माल होती है (2)
13. डायरी जिसमें दैनिक कार्यों का विवरण लिखा जाता है (5)
16. उम्मीद, वस्तु आदि पाने का अल्पनिश्चय (2)
18. मथुरापति कंस के मल्ल का एक नाम, भाला (3)
19. ख्वाहिशमंद, इच्छा रखने वाला (5)
21. पगश्रृंगार, पायजेब (3)
22. पुनीता, पवित्रा (3)
23. दृश्य (2)
24. व्यतीत होना, फल (3)

ऊपर से नीचे
1. पुस्तक विक्रेता को यह भी कहा जाता है (3)
2. दौड़ने वाला (अंग्रेजी)(3)
3. पराया, गैर आदमी, अनजान (3)
4. दयनीय दशा या अवस्था वाला (2)
5. यह नदी गंगा की सहायक नदी है (3)
6. महान, पूज्य, मोहतरम (3)
10. अंदर भरना, गुंजाईश होना (3)
12. भूकंप, जलजला, भूडोल (3)
16. कलेवा, नाश्ता (4)
15. स्वार्थी, खुदगर्ज (4)
16. आने वाला, भविष्य में होने वाला (3)
17. दुर्गा, माता सरस्वती का एक नाम (3)
20. प्रवाहित होना, जल प्रवाह होना (3)

वर्ग पहेली 5992 का हल

ऑ	ल	इं	डि	या	रे	डि	यो
स्क	■	त	■	क	ज	■	ग
र	म	जा	न	■	गा	ज	■
■	ह	म	■	व	री	य	ता
त	त्व	■	अ	ली	■	कि	ला
■	पू	ज	क	■	■	श	ब
पू	र्ण	■	ब	लि	दा	न	■
जा	■	मौ	र	■	वा	■	सा

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

ओ रोमियो के लिए एविनाश तिवारी ने सीखे फ्लेमेंको मूव्स

लैला मजनू की दर्दभरी शिद्दत हो, मडगांव एक्सप्रेस की कॉमिक टाइमिंग, खाकी- द बिहार चैप्टर की सख़्ती या द मेहता बॉयज़ का ड्रामा ङ्क एविनाश तिवारी ने अपने काम से हर बार ये साबित किया है कि वो इमोशन्स और रेंज के खिलाड़ी हैं. उनकी परफॉर्मेंस हमेशा गहराई और असर के लिए सराही गई है. लेकिन इस बार जो सामने आया, वो थोड़ा हटकर है। विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म ओ रोमियो की तैयारी में एविनाश ने फ्लेमेंको डांस को भी अपना हथियार बनाया। हाल ही में एविनाश ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो फ्लेमेंको डांस करते नज़र आ रहे हैं. इसी आर्ट फॉर्म के ज़रिए उन्होंने अपने किरदार जलाल को गढ़ा है, जो फिल्म में एक माटाडोर और एंटैगनिस्ट है। जलाल की खतरनाक मौजूदगी सिर्फ हिंसा से नहीं, बल्कि कंट्रोल और ठहराव से आती है। वीडियो में एविनाश की सीधी खड़ी देह, तेज़ फुटवर्क और भीतर दबा तनाव साफ महसूस होता है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, स्पेन जाने से पहले। भाषा सीखने से पहले। शरीर पहले ही सब जानता था। ओ रोमियो की तैयारी की एक झलक। फिल्म में फ्लेमेंको का हिस्सा भले ही छोटा हो, लेकिन उसकी तैयारी बिल्कुल भी छोटी नहीं थी। एक अहम सीन के लिए एविनाश ने स्क्रीन पर फ्लेमेंको किया, हालांकि वो सीन फिल्म में रहेगा या नहीं, ये अभी देखना बाकी है। इस ट्रेनिंग का मकसद था माटाडोर की बॉडी लैंग्वेज को समझना ङ्क जलाल कैसे ज़मीन पर टिककर खड़ा होता है। कैसे सोच-समझकर आगे बढ़ता है और कैसे ख़ामोशी में भी खतरा बनाए रखता है। इतना तो साफ है कि डांस-ड्रिवन फिल्मों में भी एविनाश की ज़बरदस्त संभावना है, जो उनकी वर्सेटिलिटी की एक और झलक देती है। ओ रोमियो में अपने इस फियरस और ट्रांसफॉर्मेटिव रोल को लेकर पहले से ही चर्चा में बने एविनाश के पास आगे इम्तियाज़ अली की ओ साथी रे और प्रशांत झा की गिन्नी वेड्स सनी 2 भी हैं। ये सब मिलकर उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और एक्साइटिंग एक्टर्स में और मज़बूती से खड़ा करता है।

साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया उसके लिए मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं

अभिनेत्री श्रिया सरन अपकमिंग फिल्म दृश्यम 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। उत्तराखंड में जन्मी और हिंदी बोलने वाले परिवार में पली-बढ़ी अभिनेत्री ने साउथ इंडियन सिनेमा में काम किया। उन्होंने साउथ की फिल्मों में तब काम किया जब उन्हें तमिल और तेलुगु बोलना नहीं आता था। 25 साल के अपने करियर में श्रिया ने हिंदी सिनेमा में भी काम किया है। श्रेया ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस कहे जाने पर अपनी बात रखी है।

श्रिया सरन ने अपनी जिंदगी में हुए कई बदलावों को लेकर कहा मेरा जन्म हरिद्वार में हुआ था। मैं अपनी जिंदगी के 17 साल वहीं रही। फिर मैं दिल्ली आ गई, ताकि कथक सीख सकूं। फिर मैंने 17 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। यह मेरे परिवार के लिए एक बहुत बड़ा कदम था। मेरे पापा इंजीनियर हैं, मां अध्यापक हैं।

साउथ में सीखी ये चीजें

श्रिया सरन का मानना है कि शुरुआती वर्षों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा क्योंकि मैं दिल्ली में एक छोटे शहर की लड़की थी, साउथ में जाना और काम करना मेरे लिए हैरान करने वाला था। वहां से जब मैं सेट पर गई, नई भाषाएं सीखी, यह सब, मुझे लगता है कि इसने मुझे जिंदगी के लिए सच में तैयार किया। साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया है, उससे मैं सच में खुद को खुशनसीब मानती हूं। मेरा दिल साउथ इंडियन है।

आप जो मानते हैं आप वही हैं

साउथ इंडियन कहे जाने पर अभिनेत्री ने कहा मैंने जो चीजें सीखीं, उनमें से एक यह है कि आप वही हैं जो आप खुद को मानते हैं। अगर आप बढ़ते रहते हैं और सीखते रहते हैं और जिंदगी को आपको चीजें सिखाने देते हैं, तो आप उसे बेहतर तरीके से जीना शुरू कर देते हैं।

श्रिया सरन का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि श्रिया सरन ने 2001 में तेलुगु फिल्म इष्टम से डेब्यू किया। वह छत्रपति, शिवाजी, पोक्किरी राजा और मनम जैसी कई तमिल और तेलुगु फिल्मों में नजर आईं। इसके साथ ही, उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी अपनी लगातार मौजूदगी बनाए रखी है, खासकर दृश्यम फ्रेंचाइजी में। श्रिया सरन 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई सीरीज स्पेस जेन- चंद्रयान में नजर आ रही हैं। वह इस साल के आखिर में दृश्यम 3 में बड़े पर्दे पर भी वापसी करेंगी।

हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में नज़र आने वाले हैं पुलकित

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था। वह कहते हैं, यह प्रक्रिया बेहद इंटेंस रही है, लेकिन उतनी ही एडिक्टिव भी। बता दें कि पुलकित को इस किरदार की तैयारी के लिए कड़ी फिज़िकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा, साथ ही भावनात्मक स्तर पर भी खुद को पूरी तरह झोंकना पड़ा। एक बॉक्सर की भूमिका निभाना उनके लिए कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर खुद को नए सिरे से खोजने जैसा है। पुलकित यह भी कहते हैं, अगर अभिनेता सेफ खेलते रहें, तो उनकी ग्रोथ रुक जाती है और सब कुछ फॉर्मूला बन जाता है। अब हम इसके लिए तो अभिनेता नहीं बने है न। उनके अनुसार, खुद को चुनौती देना न सिर्फ कलाकार के विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि दर्शकों को कुछ नया देने के लिए भी ज़रूरी है। बीते सालों में पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता और प्रयोग के जरिए एक अलग पहचान बनाई है,फिर चाहे वह हल्की-फुल्की एंटरटेनर फिल्में हों, गंभीर हों या परफॉर्मेंस-ड्रिवन रोल्स हों। रही बात ग्लोरी की तो इस फिल्म का किरदार उनके करियर में एक मजबूत परत जोड़ता है। यह एक ऐसा किरदार है, जो अनुशासन, संवेदनशीलता और सच्ची भावनात्मक ईमानदारी की मांग करता है। फिलहाल ग्लोरी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रख रहे पुलकित एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, जो जोखिम उठाने के साथ-साथ खुद को नए रूप में गढ़ने और रचनात्मक महत्वाकांक्षा से भरा है। हालांकि ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में वह न सिर्फ अपने एक लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर रहे हैं, जो हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को लगातार विकसित करता जा रहा है।

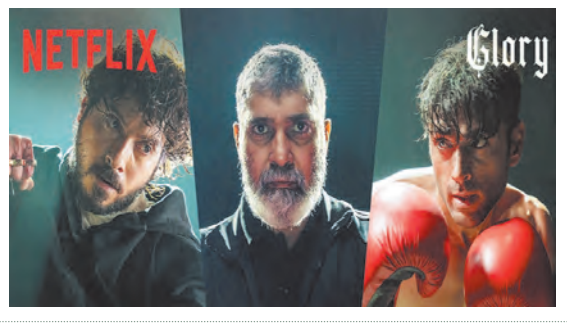

कोहरा 2 से मोना सिंह ने लिया जिंदगी का सबक

अभिनय की दुनिया में किसी किरदार को जीते-जीते कलाकार कई बार खुद को भी नए सिरे से समझने लगते हैं। अभिनेत्री मोना सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। वेब सीरीज कोहरा के दूसरे सीजन पर काम करते हुए मोना ने जिंदगी से जुड़ी कई अहम सीख हासिल की। इसे लेकर उन्होंने खुलकर बात की। मोना सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कोहरा का दूसरा सीजन मेरे लिए सिर्फ एक नई भूमिका नहीं थी, बल्कि यह मेरे निजी जीवन से भी गहराई से जुड़ गया। इस कहानी ने मुझे यह समझने में मदद की कि इंसान कितना संवेदनशील होता है और कैसे हर कोई अपनी-अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ रहा होता है। इस सीरीज पर काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि हर चीज पर नियंत्रण रखना न तो संभव है और न ही जरूरी। मोना ने कहा, इस सीरीज से मुझे सबसे बड़ा सबक यह मिला कि जिंदगी में कई बार चीजों को छोड़ देना ही सही रास्ता होता है। जिन बातों, हालातों या भावनाओं का अब कोई मतलब नहीं रह जाता, उन्हें पकड़े रहना खुद को दुख देने जैसा है। हालात जैसे भी हों, उन्हें स्वीकार करना और आगे बढ़ जाना ही मानसिक शांति की कुंजी है। यही सीख मेरे लिए इस सीरीज की सबसे बड़ी देन बन गई।

कोहरा 2 में मोना सिंह की एंट्री कहानी को एक नया मोड़ देती है। इस बार दर्शकों को एक और गहरी, अंधेरी और रहस्यमयी कहानी देखने को मिलेगी। मोना के साथ इस सीजन में बरुन सोबती और रणविजय सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गरूंडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गरूंडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है।

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद क्या करने वाले हैं अरिजीत सिंह? अनुराग बसु ने दी बड़ी हिंट

मौजूदा वक्त के सबसे पसंदीदा और सुपरहिट सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के अपने फैसले से हर किसी को हैरान कर दिया है। इस घोषणा के बाद से अरिजीत सिंह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। कई प्रशंसक इसके पीछे का कारण जानने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, अरिजीत संगीत बनाना जारी रखेंगे। लेकिन अरिजीत सिंह आगे क्या करेंगे, इसको लेकर अब निर्देशक अनुराग बसु ने एक बड़ी हिंट दी है। अनुराग की कई फिल्मों में अरिजीत ने गाने गाए हैं। जानिए अनुराग बसु ने अरिजीत सिंह के फ्यूचर प्लान को लेकर क्या कुछ बताया?

अरिजीत के फैसले का अनुराग को था पहले से ही अंदाजा

अनुराग बसु और अरिजीत सिंह के बीच गहरी दोस्ती है। ऐसे में जब अनुराग बसु से अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के फैसले के बारे में पूछा गया तो निर्देशक ने कोई हैरानी नहीं जताई। बल्कि उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही इसका अंदाजा था। बीबीसी हिंदी से बातचीत में अनुराग बसु ने कहा कि अरिजीत सिंह के फैसले से दुनिया सदमे में थी, लेकिन मुझे जरा भी हैरानी या झटका नहीं लगा। मैं अरिजीत को लंबे समय से जानता हूं और मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं और सिंगिंग के अलावा भी बहुत कुछ करना चाहते हैं।

फिल्म मेकिंग की अरिजीत को है काफी जानकारी

अनुराग बसु ने आगे बताया कि उन्हें अरिजीत सिंह के फिल्म निर्माण के प्रति जुनून के बारे में पता था। निर्देशक ने कहा कि उन्होंने मुझसे 'बर्फी' में मेरा असिस्टेंट बनने के लिए कहा था। उन्हें फिल्म मेकिंग की काफी गहरी जानकारी है। इसके अलावा अरिजीत बच्चों के लिए एक स्कूल खोलना और उनके साथ समय बिताना भी पसंद करते हैं। उनकी कई योजनाएं हैं।

अरिजीत ने शुरू कर दी पहली फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा एक सूत्र ने उसी पोर्टल को बताया कि अरिजीत ने अपनी पहली हिंदी फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में हैं। शूटिंग फिलहाल शांति निकेतन में चल रही है। फिल्म की स्क्रिप्ट अरिजीत और उनकी पत्नी कोयल सिंह ने लिखी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दी प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की जानकारी

अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये घोषणा की कि वो अब प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वो संगीत बनाना जारी रखेंगे, सिर्फ प्लेबैक सिंगर के रूप में अब कोई काम नहीं करेंगे। अरिजीत ने हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और अन्य भाषाओं में कई गाने गाए हैं। उन्हें बेस्ट प्लेबैक सिंगर के लिए (पुरुष) के लिए 8 फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं। अब प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गायक आगे क्या करने वाले हैं।

यात्रियों से भरी हिमाचल की बस उत्तराखंड में खाई में गिरी

शिमला/देहरादून, एजेंसी। शिमला जिले के चौपाल उपमंडल से सिरमौर जिला के पांवटा साहिब जा रही हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की एक बस उत्तराखंड में दुर्घटना का शिकार हो गई। यह हादसा सुबह उत्तराखंड के कालसी क्षेत्र अंतर्गत कुआनु, मीनाक रोड पर हुआ, जब बस एक अन्य वाहन को पास देते समय अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 31 अन्य यात्री घायल बताए जा रहे हैं। हिमाचल व उत्तराखंड के सीमावर्ती इलाके में हादसा हुआ है।

दुर्घटनाग्रस्त बस एचआरटीसी के नेरवा डिपो की थी, जिसका नंबर एचपी-66ए-2588 है। बस में कुल 34 यात्री सवार थे। बस चौपाल से पांवटा साहिब के लिए निर्धारित समय पर रवाना हुई थी। इसमें चालक दिनेश शर्मा और परिचालक जगदीश चंद तैनात थे। एचआरटीसी के एक अधिकारी ने हादसे की पुष्टि की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सड़क संकरी होने के कारण बस को सामने से आ रहे वाहन को पास देने की कोशिश की जा रही थी।

इसी दौरान चालक बस पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम देहरादून द्वारा संबंधित एजेंसियों को अवगत कराया गया। इसके बाद उत्तराखंड राज्य आपदा प्रतिवादन बल को अलर्ट किया गया। सेनानायक एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी के निर्देश पर पोस्ट डाकपत्थर, चकराता, मोरी और त्यूणी से एसडीआरएफ की टीमें तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना की गईं। एसडीआरएफ, उत्तराखंड पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। गहरी खाई होने और दुर्गम क्षेत्र के कारण रेस्क्यू कार्य में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। घायलों को खाई से निकालकर एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। एचआरटीसी की ओर से भी अधिकारियों की एक टीम मौके के लिए रवाना कर दी गई है ताकि घायलों और मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता दी जा सके। परिचालक जगदीश चंद से दूरभाष पर हुई बातचीत में बताया गया कि हादसे के समय बस में करीब 31 से 34 यात्री सवार थे। फिलहाल मृतकों की पहचान और उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया जारी है। प्रशासन ने कहा है कि हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ठाणे की 18 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, दो लोग झुलसे; 70 को बचाया गया

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे में तड़के सुबह एक 18 मंजिला इमारत आग की चपेट में आ गई। आग की लपटों के बीच 70 से ज्यादा लोग अंदर फंस गए, जिन्हें रेस्क्यू किया गया। पुलिस के अनुसार, इस घटना में 2 लोग घायल हैं। ये घटना ठाणे के शास्त्री नगर स्थित मिलान हिल का है। आज (मंगलवार) सुबह लगभग 4 बजे बिजली की पाइप से चिंगारी उठी और पलक झपकते ही पूरी बिल्डिंग आग की चपेट में आ गई। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन ताडवी के अनुसार, हमें सुबह 4.14 बजे आग लगने की सूचना मिली। आग

10वीं और 13वीं मंजिल के बीच में स्थित बिजली की पाइप में लगी थी, जिससे इमारत के अंदर भारी धुआं भर गया था। यासीन ने बताया कि धुएं के कारण लगभग 70 से ज्यादा लोग अंदर फंस गए थे। दमकल कर्मियों और रेस्क्यू टीम ने मिलकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। हालांकि, इस घटना में 62 वर्षीय और 74 वर्षीय दो लोग बुरी तरह से झुलस गए। दोनों घायलों को निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारी के अनुसार, दमकल कर्मियों ने सुबह लगभग 5.30 बजे तक आग पर काबू पा लिया था। आग लगने का सटीक कारण अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

गुरुग्राम में संदिग्ध हालात में 14वीं मंजिल से गिरकर बच्चे की मौत

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम सेक्टर-69 स्थित ट्यूलिप वॉलेट सोसाइटी में 14वीं मंजिल से गिरकर 13 साल के एक बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक आरव घटनास्थल से करीब ढाई किलोमीटर दूर सेक्टर-70ए स्थित बीपीटीपी एस्टेयर गार्डन सोसाइटी में रहता था। वह टावर पर से खुद कूदा या घटना के पीछे कोई और वजह है, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। आरव घर का इकलौता बेटा था। पुलिस ने आरव का मोबाइल जब्त कर लिया है। घटना रविवार शाम करीब 4 बजकर 20 मिनट की है। बीपीटीपी एस्टेयर गार्डन सोसाइटी की पहली मंजिल पर रहने वाला 13 साल का आरव शाम करीब 4 बजे अपनी सोसाइटी से निकला था। थोड़ी देर में वह सेक्टर-69 स्थित ट्यूलिप वॉलेट सोसाइटी में पहुंच गया। बताया जा रहा है कि सोसाइटी में प्रवेश के बाद यह टावर नंबर बी-11 की लिफ्ट में गया। वहां से छत पर चला गया। फिर कुछ नीचे गिरने की आवाज होने पर सुरक्षाकर्मियों ने जाकर देखा तो पाया कि एक बच्चा जमीन पर लहूलुहान हालत में पड़ा था। सुरक्षाकर्मियों ने आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दी और एंबुलेंस बुलाई गई। जांच में पता चला कि यह बच्चा इस सोसाइटी का नहीं था। बाद में परिजनों ने मृतक बच्चे की पहचान आरव के रूप में की। सोमवार शाम को बच्चे का दाह संस्कार किया गया। आरव के पिता अतुल सक्सेना एक टेलीकॉम कंपनी में काम करते हैं, जबकि उसकी मां चैतन्य टेक्नो स्कूल में टीचर हैं। आरव सेंट एंजेल स्कूल में पढ़ता था। उसकी मौसी की बेटी भी इस स्कूल में उसके साथ जाती है। स्थानीय निवासी के मुताबिक, जब आरव घर से निकला, जो उसके माता-पिता फ्लैट में थे। परिजनों ने समझा कि आरव खेलने के लिए बाहर जा रहा है। आरव अपना मोबाइल घर छोड़कर गया था। जब आरव बीपीटीपी सोसाइटी से बाहर निकल रहा था तो बार-बार पीछे मुड़कर देख रहा था।

गुरुग्राम की 6 मुख्य सड़कों पर बनेंगे सर्विस रोड, 3 के लिए निकाले गए टेंडर

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने मिलेनियम सिटी की 6 मुख्य सड़कों पर यातायात को व्यवस्थित करने के लिए सर्विस रोड के निर्माण की योजना तैयार की है। इस सिलसिले में तीन मुख्य सड़कों पर सर्विस रोड निर्माण के लिए टेंडर भी जारी कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि सर्विस रोड के बनने के बाद मुख्य सड़कों पर यातायात दबाव कम हो जाएगा। जीएमडीए ने सेक्टर-51-57, सेक्टर-52-57, सेक्टर-51-52 को विभाजित करने वाली करीब साढ़े सात किमी लंबी सड़कों पर सर्विस रोड के निर्माण और मरम्मत की योजना बनाई है। इसके ऊपर 19.83 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सर्विस रोड की लंबाई करीब साढ़े 7 किमी है। चार फरवरी को इन तीनों सर्विस रोड के निर्माण और मरम्मत को लेकर टेंडर खोला जाएगा। सर्विस रोड के निर्माण के साथ-साथ हरित क्षेत्र को नीचे किया जाएगा। पैदल यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर फुटपाथ का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा जीएमडीए की तरफ से सेक्टर-30-31, सेक्टर-49-50 और आरडी सिटी से लेकर सोहना रोड

तक जा रही मुख्य सड़क पर सर्विस रोड का निर्माण करने की योजना तैयार की जा रही है। इनमें से दो सड़कों पर सर्विस रोड का आधा अधूरा निर्माण है। अतिक्रमण की वजह से सर्विस रोड का निर्माण नहीं हो सका है।

जीएमडीए के मुताबिक सेक्टर-एक से लेकर सेक्टर-80 तक 100 किमी लंबी सड़कों पर थर्मोप्लास्टिक पेंट से लेन डिवाइडिंग की जाएगी। जेब्रा क्रॉसिंग का इंतजाम किया जाएगा। सड़क सुरक्षा चिन्हों को तैयार किया जाएगा। इस सिलसिले में जीएमडीए ने एक कंपनी के साथ अनुबंध किया है। लेन डिवाइडिंग होने के बाद वाहन निर्धारित लेन में चलेंगे।

जीएमडीए की तरफ से करीब एक किमी लंबे दौलताबाद रेलवे ओवर ब्रिज की मरम्मत की जाएगी। इस सिलसिले में टेंडर जारी किया है। रेलवे स्टेशन को जोड़ रही सड़कों में सुधार करने की दिशा में इस टेंडर को जारी किया है। बता दें कि कुछ दिन पहले शहरी विकास के प्रधान सलाहकार डीएस ढेसी ने बैठक करके दिशा-निर्देश जारी किए थे।

अमित गोदारा, कार्यकारी अभियंता, जीएमडीए, ''मुख्य सड़कों पर सफर को सुरक्षित करने के उद्देश्य से सर्विस रोड का निर्माण किया जाएगा। जहां पर सर्विस रोड है, वहां मरम्मत की जाएगी। जेब्रा क्रॉसिंग, लेन डिवाइडिंग का इंतजाम किया जाएगा।''

जीएमडीए के टाउन प्लानर्स को गुरुग्राम की 7 मुख्य सड़कों पर मिलीं खामियां

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के नगर योजनाकारों को मिलेनियम सिटी की सात मुख्य सड़कों पर निरीक्षण में खामियां मिलीं हैं। इन खामियों के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ उनकी तरफ से यातायात सफर को सुरक्षित करने के लिए सुझाव दिए हैं। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्वजीत चौधरी ने कार्यकारी अभियंताओं को इन खामियों को दूर करने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीसी मीणा ने वरिष्ठ नगर योजनाकार वेद प्रकाश सहरावत, धर्मबीर खत्री और जिला नगर योजनाकार प्रेरणा सिहाग को आदेश जारी किए हैं कि वे सेक्टर-एक से लेकर सेक्टर-115 तक की सभी मुख्य सड़कों का निरीक्षण करें। हर सप्ताह में दो सड़कों के बारे में जानकारी दी जाए कि उनमें क्या कमियां हैं और कैसे उन्हें दुरुस्त किया जा सकता है। वरिष्ठ नगर योजनाकार धर्मबीर खत्री ने सेक्टर-38-39 और सेक्टर-46-47 को विभाजित कर रही मुख्य सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण में पाया कि हरित क्षेत्र और फुटपाथ पर कब्जा है। कई जगहों पर हरित क्षेत्र और फुटपाथ क्षतिग्रस्त अवस्था में हैं। फुटपाथ पर अवैध रूप से वाहनों को खड़ा किया जा रहा है। सड़कों पर अवैध कट बने हुए हैं, जिनकी वजह से हादसा होने का खतरा रहता है। उन्होंने सुझाव दिया कि सेक्टर-46 और 47 की मुख्य सड़क से बख्तावर चौक की तरफ की मुख्य सड़क को ट्रैफिक पुलिस ने बंद किया हुआ है।

दिल्ली से प्रयागराज अब सिर्फ 3 घंटे दूर, बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को मिली रफ्तार

प्रयागराज, एजेंसी। दिल्ली से प्रयागराज और वाराणसी तक बुलेट ट्रेन का सपना अब पूरा होता नजर आ रहा है। वर्ष 2021 में जमीन सर्वे से शुरू हुई यह महत्वाकांक्षी परियोजना अब पांच साल के लक्ष्य के साथ अगले चरण में प्रवेश करती दिख रही है। सोमवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में एनसीआर मुख्यालय व डीआरएम कार्यालय से जुड़कर साफ संकेत दिया कि आने वाले समय में दिल्ली से वाराणसी की दूरी महज साढ़े तीन घंटे में तय की जा सकेगी। दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए प्रयागराज समेत कई जिलों में 2021 में जमीन सर्वे का काम शुरू किया गया था। उस समय स्पष्ट किया गया था कि नई दिल्ली से वाराणसी तक चलने वाली बुलेट ट्रेन मथुरा, आगरा, लखनऊ, अयोध्या और प्रयागराज जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ेगी। सर्वे के दौरान गांवों और किसानों में जमीन को लेकर चर्चाएं तेज हुई थीं। रेल मंत्री ने साफ किया है कि इस कॉरिडोर के लिए डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार की जाएगी। रेल मंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी हाई स्पीड प्रोजेक्ट सरकार की प्राथमिकता में हैं। बुलेट ट्रेन से दिल्ली एक दिन में आना व जाना आसान हो जाएगा। यह कॉरिडोर न केवल कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा देगा, बल्कि कुम्भ और माघ मेला जैसे बड़े आयोजनों के दौरान यातायात के दबाव को भी कम करेगा। इस परियोजना के पूरा होने के बाद प्रयागराज की पहचान केवल धार्मिक और आध्यात्मिक नगरी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह एक आधुनिक हाई स्पीड ट्रांसपोर्ट हब के रूप में भी उभरेगा। अगले पांच वर्षों के भीतर इस परियोजना के धरातल पर उतरने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे उत्तर प्रदेश के विकास को नई रफ्तार मिलेगी। कांफ्रेंस में एनसीआर जीएम नरेंद्र सिंह पाल व सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी तो मंडल में डीआरएम रजनीश अग्रवाल व एडीआरएम दीपक कुमार मौजूद रहे।

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में फिर से फॉर्मूला वन रेस कराने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना सिटी के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट (बीआईसी) में फॉर्मूला-1 रेस कराने की तैयारी तेज हो गई है। जापान समेत कई देशों की कंपनियों ने यहां रेस कराने के लिए इच्छा जाहिर की है। वहीं, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया भी बीआईसी में व्यवस्था परख चुके हैं। बीते महीने केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने यमुना सिटी के सेक्टर-25 स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट का जायजा लिया था। उन्होंने यहां पर व्यवस्थाओं और सुविधाओं को परखा था। उनके भ्रमण का मुख्य कारण बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजनों की अनुमति लेना रहा। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर खराब न होने और यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के रेसिंग आयोजन कराने पर बल दिया। अब खेल मंत्रालय ने यहां दोबारा से रेस कराने की योजना तैयार की है।

बताया जाता है कि अडानी ग्रुप जेपी ग्रुप को खरीदने की दौड़ में है और अगर ऐसा हो गया तो भारत में रेस को वापस लाने की कोशिशों को बल मिलेगा। अब खेल मंत्रालय ने भी इसमें रुचि दिखाई है, तो संभावनाएं और बढ़ गई हैं। बता दें कि बीआईसी में वर्ष 2011 से वर्ष 2013 से कोई फॉर्मूला-1 रेस नहीं हुई। हालांकि, वर्ष 2023 में मोटो जीपी रेस हुई थी, इसे लगातार तीन वर्षों तक आयोजित कराना था, लेकिन कंपनी की धांधली के चलते इस रेस पर भी ब्रेक लगा हुआ है। राह आसान नहीं

= वैसे फॉर्मूला वन को भारत में लाने की राह आसान नहीं है। अभी कैलेंडर में 24 रेस हैं और दुनियाभर के देशों ने इसकी मेजबानी की इच्छा जताई है। एक फॉर्मूला वन रेस के आयोजन में दो करोड़ से छह करोड़ डॉलर सालाना खर्च होते हैं। हालांकि, भारत में हुई तीनों रेस बेहद कामयाब रहीं थीं। जापान की प्रतिष्ठित सुपर फॉर्मूला रेस कराने को लेकर पिछले माह जापान रेस प्रमोशन कॉरपरेरेशन (जीआरसी) का प्रतिनिधिमंडल भी बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट (बीआईसी) का दौरा कर चुका है। यह रोमांचक रेस सिर्फ जापान में होती आई है, जिसे पहली बार भारत में कराने की योजना बन रही है। जापान सुपर फॉर्मूला ने 2023 में अपनी 50वीं वर्षगांठ मनाई थी। यह फॉर्मूला वन जैसी ही प्रतियोगिता है, जो दुनिया भर के बेहतरीन रेसर्स को एक मंच पर लाती है। यमुना सिटी के बीआईसी में पूर्व में दो फॉर्मूला वन रेस का आयोजन हो चुका है। यहां तक वर्ष 2023 में मोटो जीपी जैसे वैश्विक रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ है। यदि अब जापान सुपर फॉर्मूला रेस पर भी अधिकारियों के बीच सहमति बनती है, तो इससे एक ओर भारतीय मोटरस्पोर्ट्स को बड़ा अवसर मिलेगा। साथ ही यमुना सिटी को भी वैश्विक पहचान मिलेगी।

नाबालिग ने मर्सिडीज से दो वाहनों को मारी टक्कर, तीन लोग घायल

मुंबई, एजेंसी। मुंबई की कोस्टल रोड टनल में रात के अंधेरे में तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने टक्कर मार दी। 17 साल के नाबालिग लड़के के हाथों लग्जरी कार अनियंत्रित हो गई और पीछे से एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए, जिसमें एक बुजुर्ग महिला भी शामिल है। हादसा इतना भीषण था कि मर्सिडीज पहले कार से टकराई, फिर उसकी वजह से दूसरी कार भी जा टकराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घायलों में एक परिवार के तीन लोग शामिल हैं, जिनमें एक बुजुर्ग महिला भी है। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, हादसे की वजह तेज रफ्तार और टनल के अंदर कंट्रोल खोना बताया जा रहा है। जांच में सामने आया कि लग्जरी मर्सिडीज कार एक 17 साल का लड़का चला रहा था। वह नाबालिग है। पुलिस का कहना है कि उसने टनल के अंदर गाड़ी पर कंट्रोल खो दिया, जिससे यह सिलसिलेवार टक्कर हुई। कार दक्षिण मुंबई की ओर जा रही थी और काफी तेज चल रही थी। डी बी मार्ग पुलिस ने इस मामले में कार के मालिक, जो अग्रिपाडा इलाके का एक कारोबारी है, उसके खिलाफ केस दर्ज किया है। इसके अलावा कारोबारी की 18 साल की पोती और उस 17 साल के लड़के पर भी केस है, जिसने कार चलाई।

आदिवासी परिवारों के 66 लोगों ने फिर से सनातन धर्म में 'घर वापसी' कर ली

छत्तीसगढ़ में 66 आदिवासियों ने की 'घर वापसी'

कवर्धा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के दमगढ़ गांव में पंडरिया विधानसभा से भाजपा विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से प्रेरित होकर सोमवार को आदिवासी परिवारों के 66 लोगों ने फिर से सनातन धर्म में 'घर वापसी' कर ली। इस मौके पर विधायक भावना बोहरा ने खुद इन लोगों के चरण धोकर 'घर वापसी' कराई।

दमगढ़ गांव में सोमवार को आयोजित आदिवासी गौरव सम्मेलन और सम्मान समारोह में, भाजपा विधायक भावना बोहरा ने 'घर वापसी' करने वाले आदिवासी परिवारों के लोगों का स्वागत किया और पारंपरिक ढंग से चरण धोने के साथ उन्हें सम्मानित किया।

बयान के अनुसार, इस अवसर पर उन्होंने विधायक विकास निधि से वित्त पोषित दो बाइक एम्बुलेंस का भी उद्घाटन किया, ताकि वन क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा सकें। इन बाइक एम्बुलेंस से छिड़पानी और कुई-कुकदुर क्षेत्र सहित दर्जनों दूरदराज और दुर्गम वन गांवों को लाभ होगा। यहां रहने वाले लोग मेडिकल इमरजेंसी के दौरान अस्पतालों तक समय पर पहुंच सकेंगे, जिससे सैकड़ों परिवारों को तुरंत इलाज मिल सकेगा।

विधायक भावना बोहरा के निरंतर प्रयासों के चलते पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी और वन में रहने वाले समुदाय तेजी से अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौट रहे हैं - जो धर्मांतरण में शामिल लोगों के इरादों पर एक करारा प्रहार है।

खास बात यह है कि पहले भी, वन क्षेत्रों में नेउर के आस-पास के गांवों के 115 आदिवासी लोग और कुई-कुकदुर इलाके से 70 लोग विधायक की पहल से अपनी जड़ों की ओर लौट आए थे। इन लगातार कोशिशों ने आदिवासी समुदाय में नई उम्मीद और आत्मविश्वास जगाया है।

आदिवासी समुदाय भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षक

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आदिवासी समुदाय भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षक रहा है। प्रकृति पूजा, लोक देवताओं के प्रति श्रद्धा और समुदाय-केंद्रित जीवन शैली हमारी सनातन विरासत के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व प्रलोभनों के माध्यम से निर्दोष आदिवासी भाई-बहनों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं, लेकिन आदिवासी समाज अब अपनी पहचान और विरासत को पहचान रहा है।

'घर वापसी' दबाव का परिणाम नहीं है, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान की पुष्टि करने का एक स्वैच्छिक निर्णय है, जो भारतीय लोकाचार की रक्षा से निकटता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने विधायक निधि से दो बाइक एम्बुलेंस आदिवासी और वन क्षेत्रों के लोगों की सेवा के लिए समर्पित कीं। दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में जहां सड़क संपर्क सीमित है, बाइक एम्बुलेंस समय पर मेडिकल सहायता पहुंचाने में अत्यंत प्रभावी साबित होंगी। इससे इमरजेंसी में मरीजों तक तेजी से पहुंचा जा सकेगा, जिससे कीमती समय बचेगा।

नोएडा एयरपोर्ट तैयार, इसी महीने मोदी कर सकते हैं उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए अच्छी खबर है। जेवर में बन रहे नोएडा

इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लंबा इंतजार अब खत्म होने वाला है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि एयरपोर्ट पूरी तरह से तैयार है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने इसका उद्घाटन कर सकते हैं।

केंद्रीय बजट पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम योगी ने बताया कि एयरपोर्ट के लिए जरूरी एरोड्रोम लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा, मुझे लगता है कि इस महीने प्रधानमंत्री द्वारा एयरपोर्ट का उद्घाटन कर दिया जाएगा। जहां सीएम योगी फरवरी में उद्घाटन की उम्मीद जता रहे हैं, वहीं परियोजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि डीजीसीए से लाइसेंस मिलना अभी बाकी है, जो सबसे अहम है। नाम न छापने की शर्त पर अधिकारियों ने बताया कि अगर सभी लंबित मुद्दे सुलझ जाते हैं, तो मार्च के अंत तक एयरपोर्ट का उद्घाटन हो सकता है। इस सप्ताह केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू और सुरक्षा एजेंसियों के बीच एक अहम समीक्षा बैठक भी होने वाली है।

एक बार शुरू होने के बाद, यह एनसीआर का दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। इससे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों की भीड़ कम करने में बड़ी मदद मिलेगी। पहले चरण में इस एयरपोर्ट की क्षमता सालाना 1.2 करोड़ (12 मिलियन) यात्रियों को संभालने की है। इसके साथ ही, यह लखनऊ, वाराणसी, कुशीनगर और अयोध्या के बाद उत्तर प्रदेश का पांचवां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन जाएगा। एयरपोर्ट की तैयारियों को परखने के लिए 31 अक्टूबर 2025 को एक कैलिब्रेशन फ्लाइट सफलतापूर्वक लैंड कराई गई थी। एयर इंडिया के विमान ने यहां लैंडिंग की और नेविगेशन सिस्टम की जांच की, जो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था।

हरमनप्रीत, मंधाना और दिव्या '2025 बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन अवार्ड्स' के लिए नामांकित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की महिला विश्व कप 2025 की ऐतिहासिक जीत की सूत्रधार कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और शतरंज की युवा स्टार दिव्या देशमुख को '2025 बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। इनके अलावा पिस्टल निशानेबाजी की उभरती स्टार सुरुचि सिंह और ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ज्योति याराजी भी इस प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार की दावेदार हैं।

बीबीसी की प्रतिक्रिया- महिला खिलाड़ियों के जश्न का मंच - बीबीसी न्यूज की अंतरिम वैश्विक निदेशक फियोना क्रैक ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 'इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' पुरस्कार भारत भर की महिला खिलाड़ियों की एक वर्ष की उपलब्धियों का प्रतीक है।

हरमनप्रीत कौर- विश्व कप जीत की नायिका

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नवंबर 2025 में भारत को आईसीसी महिला विश्व कप का पहला खिताब दिलाया। घरेलू सरजमीं पर खेले गए इस विश्व कप में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 339 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 88 गेंदों में 89 रनों की शानदार पारी खेली। 2017 विश्व कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी 171 रनों की नाबाद पारी आज भी महिला क्रिकेट की महानतम पारियों में गिनी जाती है।

सुरुचि सिंह- निशानेबाजी की नई सनसनी

हरियाणा की 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी में तेजी से पहचान बनाई है। उन्होंने 2024 राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में सात स्वर्ण पदक जीते और 2025 में ब्यूनस आयर्स, लीमा और म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप सीरीज में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक हासिल किए। साथ ही उन्होंने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिला टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीता।

ज्योति याराजी-बाधाओं को पार करती उड़ान

ज्योति याराजी 2024 पेरिस ओलंपिक में 100 मीटर बाधा दौड़ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्होंने 2022 में 13.23 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और कई बार अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। याराजी ने एशियाई खेलों में रजत, विश्व विश्वविद्यालय खेलों में कांस्य और एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर खुद को एशिया की शीर्ष बाधा दौड़ एथलीट के रूप में स्थापित किया।

श्रीलंका के वर्ल्ड कप स्क्वॉड में कामिंडु मेंडिस की वापसी

- इंजर्ड ईशान मलिंगा भी शामिल, धनंजय डी सिल्वा को जगह नहीं; दासुन शनाका कप्तान

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए फाइनल स्क्वॉड रिलीज कर दिया है। इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 खेलने वाले धनंजय डी सिल्वा को बाहर कर कामिंडु मेंडिस की वापसी हो गई। इंजर्ड पेसर ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर दासुन शनाका टीम की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

आउट ऑफ फॉर्म हैं कामिंडु- कामिंडु मेंडिस इंग्लैंड और पाकिस्तान के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज का हिस्सा नहीं थे। वे 2025 में 19.87 के औसत से 159 रन ही बना सके। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 130.32 का ही रहा। वे 12 मुकाबलों में महज 6 ओवर ही बॉलिंग भी कर सके। कामिंडु की खासियत यह है कि वे दोनों हाथों से स्पिन गेंदबाजी कर लेते हैं।

प्लेइंग-11 में आ सकते हैं वेल्लालागे- धनंजय डी सिल्वा को बाहर करने के बाद टीम अब 23 साल के लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर दुनिथ वेल्लालागे को भी प्लेइंग-11 में शामिल कर सकती है। हालांकि, वे श्रीलंका के लिए 6 ही टी-20 खेल सके हैं। वे वनडे टीम में जरूर रेगुलर रहते हैं, लेकिन टी-20 में अपनी जगह फिक्स नहीं कर पाए। वेल्लालागे को फ्रेंचाइजी लीग में जरूर टी-20 खेलने का अनुभव है। उन्होंने एमर्जिंग एशिया कप में श्रीलंका-ए की कप्तानी भी की थी।

पवन रत्नायके को भी जगह- इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में शतक लगाने वाले बैटर पवन रत्नायके को भी वर्ल्ड कप टीम में जगह मिल गई। वे 4 टी-20 में 45 रन ही बना पाए हैं। हालांकि, उनका स्ट्राइक रेट 145 से ज्यादा का रहा। वहीं तेज गेंदबाज प्रमोद मदुषन को बाहर कर दिया।

8 फरवरी को पहला मैच खेलेगी श्रीलंका- श्रीलंका ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान और जिम्बाब्वे के साथ है। टीम ग्रुप स्टेज में अपने सभी मैच होम ग्राउंड पर ही खेलेगी। श्रीलंका 8 फरवरी को आयरलैंड से पहला मैच खेलेगी। टीम 12 फरवरी को ओमान, 16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और 19 फरवरी को जिम्बाब्वे से भिड़ने वाली है। 2 मुकाबले कोलंबो और 2 पल्लेकेले में खेले जाएंगे।

श्रीलंका का स्क्वॉड

दासुन शनाका (कप्तान), पाथुम निसांका, कमिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, चरिथ असलंका, कामिंडु मेंडिस, जनिथ लियानागे, पवन रत्नायके, दुनिथ वेल्लालागे, वनिंदू हसरंगा, महीश तीक्षणा, दुष्मंथा चमीरा, मथीश पथिराना और ईशान मलिंगा।

आज 19 वर्ल्ड कप अजेय भारत की नजर छठे खिताब पर

हरारे (एजेंसी)। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अजेय भारतीय टीम बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की टीम इस मुकाबले में प्रबल दावेदार मानी जा रही है और उसकी नजरें रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने की दिशा में एक और कदम बढ़ाने पर होंगी। भारत -19 वर्ल्ड कप के इतिहास की सबसे सफल टीम है, जिसने 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में खिताब जीता है। अब टीम बुधवार को छठी बार चैंपियन बनने की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी।

अब तक अजेय भारत का दबदबा

भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अब तक खेले गए अपने सभी पांच मुकाबले काफी सहजता से जीते हैं। सुपर सिक्स चरण में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 58 रन से हराना टीम के आत्मविश्वास को और मजबूत करता है।

सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से टक्कर

- **अफगानिस्तान का सफर भी प्रभावशाली -** अफगानिस्तान ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने पांच में से चार मैच जीते, जबकि उसकी इकलौती हार श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट से हुई। हालांकि मौजूदा फॉर्म और टीम संयोजन को देखते हुए नॉकआउट मुकाबले में भारत का पलड़ा भारी नजर आता है।
- **अभिज्ञान, सूर्यवंशी भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज -** विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू भारत के लिए अब तक सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 5 मैचों में 199 रन बनाए हैं, जिसमें 2 अर्धशतक शामिल हैं। ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने भी शानदार फॉर्म दिखाई है। उन्होंने 5 मैचों में 196 रन बनाए हैं और 2 अर्धशतक जड़े हैं। हालांकि टीम प्रबंधन उनसे नॉकआउट मुकाबले में अर्धशतक को शतक में बदलने की उम्मीद करेगा।

टीमें

भारत -19- एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हर्वंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद इनान, उधव मोहन, किशन सिंह

अफगानिस्तान -19- महबूब खान (कप्तान), अज़ीज़ुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोज़ादा, खालिद अहमदज़ई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाज़ई, अब्दुल अज़ीज़, अकील खान, खतिर स्तानिकज़ई, नज़ीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी ओमरज़ई, रूउल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह ज़दरान, ज़ैतुल्लाह शाहीन

स्पिन विभाग में खिलान पटेल की चमक

बाएं हाथ के स्पिनर खिलान पटेल ने भी टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी की है। उन्होंने 5 मैचों में 8 विकेट लेकर विपक्षी टीमों को परेशान किया है। इसके अलावा कप्तान म्हात्रे और विहान मल्होत्रा भी अपनी ऑफ ब्रेक गेंदबाजी से योगदान देने को तैयार हैं।

मैच का समय

यह सेमीफाइनल मुकाबला बुधवार को दोपहर 1:00 बजे (आईएसटी) शुरू होगा।

कप्तान आयुष म्हात्रे पर दोहरी जिम्मेदारी

कप्तान आयुष म्हात्रे ने गेंदबाजी में निरंतरता दिखाई है। उन्होंने 5 मैचों में 6 विकेट लिए हैं, हालांकि बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश बनी हुई है। अब तक उनके नाम 99 रन हैं, जिसमें 53 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा है।

गेंदबाजी में हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश की अगुआई

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के हाथों में है। दोनों ने शुरुआती ओवरों में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः 11-11 विकेट झटके हैं।

विहान मल्होत्रा का ऑलराउंड असर

ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा भारत के लिए एक और अहम खिलाड़ी हैं। उन्होंने 5 मैचों में 172 रन बनाए हैं और टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकमात्र शतक (109 नाबाद) जिम्बाब्वे के खिलाफ जड़ा था।

ओलिंपियन पहलवान ने लग्न में सिर्फ चांदी का सिक्का लिया

दोस्त के पिता की बेटी संग की शादी

झज्जर (एजेंसी)। झज्जर के रहने वाले ओलिंपियन पहलवान दीपक पूनिया आज 3 फरवरी को विवाह के बंधन में बंध गए।

झज्जर शहर के धनखड़ फार्म हाउस में लग्न टीके (तिलक) का कार्यक्रम हुआ। दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि लंच में 500 लीटर देसी घी के अलग-अलग पकवान तैयार किए गए। लग्न में दीपक ने सिर्फ एक रुपए का चांदी का सिक्का लिया। दीपक पूनिया सेना में सूबेदार हैं। वह अपने पिता के दोस्त की बेटी शिवानी के साथ सात फेरे लेंगे। दीपक और शिवानी की 28 सितंबर 2025 को सगाई हुई थी। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी लोग ही शामिल हुए। शिवानी संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रही हैं, उनका आईएएस अफसर बनने का सपना है।

शिवानी के पिता प्रॉपर्टी डीलर, अखाड़े में हुई जान-पहचान- दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि शिवानी के पिता अनूप सिंह प्रॉपर्टी का काम करते हैं। जब दीपक अखाड़े में प्रैक्टिस करने जाता था, वहीं अनूप सिंह से मुलाकात हुई। कई बार मुलाकातें हईं और 2020 में दोस्ती हो गई। जब बेटे के लिए रिश्ते आने लगे तो मैंने अनूप से कहा कि अपना बेटा है, आपकी बेटी है, क्यों न दोस्ती को रिश्तेदारी में बदल लें।

शिवानी बोलीं

दोनों परिवारों की रजामंदी से हुआ रिश्ता

रिंग सेरेमनी के बाद एक इंटरव्यू में शिवानी ने बताया था कि मेरा खेलों से कोई नाता नहीं रहा है। मैं शुरू से ही पढ़ाई में ध्यान रखती आई हूं। अब मेरा लक्ष्य आईएएस अफसर बनने का है। इसके लिए सेल्फ स्टडी कर रही हूं। मेरे पापा दीपक के पिता के साथ 5-6 साल से साथ में काम कर रहे हैं। दोनों परिवारों की रजामंदी से यह रिश्ता हुआ।

वार्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हराया

मुंबई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सोमवार को भारत ए का अमेरिका से नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में सामना हुआ। इस मैच में भारतीय ए टीम ने 38 रनों से शानदार जीत दर्ज की।टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के आगाज में अब चार दिन का समय शेष है। सोमवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए वॉर्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हरा दिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय ए टीम ने नारायण जगदीशन के शतक और आयुष बदोनी के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए। जवाब में अमेरिका की टीम 19.4 ओवर में 10 विकेट पर 200 रन ही बना सकी। भारत के लिए रवि बिश्नोई ने तीन विकेट हासिल किए जबकि खलील अहमद और नमन धीर को एक-एक सफलता प्राप्त हुई।

- ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतते ही अल्काराज का बड़ा फैसला

रॉटरडैम ओपन से हटे

रॉटरडैम (एजेंसी)। नए ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने फरवरी में होने वाले एबीएन एमरो रॉटरडैम ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट आयोजकों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

खिताब बचाने नहीं लौटेंगे अल्काराज- स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी अल्काराज पिछले सीजन में इस एटीपी 500 इनडोर हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के चैंपियन रहे थे। हालांकि, एटीपी वेबसाइट के मुताबिक 9 से 16 फरवरी तक होने वाले इस टूर्नामेंट में वह अपने खिताब की रक्षा नहीं करेंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत के बाद लिया फैसला- 22 वर्षीय अल्काराज ने यह फैसला उस ऐतिहासिक उपलब्धि के ठीक एक दिन बाद लिया, जब उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया। रविवार को खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में उन्होंने नोवाक जोकोविच को चार सेट में हराकर मेलबर्न में अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था।

जश्न में भी दिखे अल्काराज- सोमवार को अल्काराज ने मेलबर्न के रॉयल एग्ज़िबिशन बिल्डिंग में आयोजित एक सेलिब्रेशन फोटोशूट में भी हिस्सा लिया, जहां ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत का जश्न मनाया गया।

भारत को मिली बड़ी जिम्मेदारी

2027 एशियन शूटिंग चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को शूटिंग खेल में एक और बड़ी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी मिली है। एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन (एएससी) घोषणा की है कि भारत 2027 एशियन राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा, जिसमें लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए 8 कोटा स्थान दांव पर होंगे।

दिसंबर 2027 में होगा आयोजन- यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 1 से 10 दिसंबर 2027 तक डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किया जाएगा।

एलए ओलंपिक 2028 के लिए अहम मौका

एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस चैंपियनशिप का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि इसमें एशिया महाद्वीप के लिए 8 ओलंपिक कोटा स्थान आवंटित किए जाएंगे। ये कोटा आमतौर पर राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों को दिए जाते हैं, जबकि ओलंपिक रैंकिंग या यूनिवर्सैलिटी कोटा खिलाड़ियों के नाम पर आवंटित होते हैं।

न्यूज बाइट्स

हंसडीहा लूटकांड में दो अपराधी दबोचे गए

दुमका (नि. सं.)। हंसडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेकन के पास पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हथियार के बल पर लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से लूटी गई मोटरसाइकिल, नकली सोने जैसा आभूषण, 7.65 एमएम का देसी पिस्टल एवं अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 02 फरवरी 2026 को करीब 14:00 बजे पुलिस को सूचना मिली कि हंसडीहा गोपीडीह मुख्य सड़क पर बाइक सवार अपराधियों द्वारा लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित घेराबंदी कर अपराधियों को दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों ने पुलिस के समक्ष अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूट में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाइकिल, अपाचे मोटरसाइकिल, नकली सोने जैसा आभूषण एवं 7.65 एमएम का देसी पिस्टल बरामद किया है। इस संबंध में हंसडीहा थाना में कांड संख्या 09/26 दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान मो. कासिम उर्फ कबीर (37 वर्ष) एवं मो. रस्तम उर्फ कबीर (31 वर्ष) के रूप में की गई है। पुलिस जांच में दोनों के आपराधिक इतिहास भी सामने आए हैं, जिनमें पूर्व के कई संगीन मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई में हंसडीहा एवं सरैयाहाट थाना की संयुक्त पुलिस टीम शामिल रही।

जितपुर में युवाओं के लिए एलएमवी ड्राइविंग प्रशिक्षण

सुंदरपहाड़ी (गोड्डा) (नि. सं.)। कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत सुंदरपहाड़ी स्थित जितपुर खनन परियोजना क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम पहल की गई है। पहली बार यहां लाइट मोटर व्हीकल ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान करना है। यह प्रशिक्षण दक्षता मोटर ड्राइविंग स्कूल, गोड्डा के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। प्रथम बैच के तहत 17 प्रतिभागियों को 21 दिवसीय एलएमवी ड्राइविंग प्रशिक्षण के लिए रवाना किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जितपुर पंचायत की मुखिया मेरी मार्गेट हेंब्रम की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी सहायक सिद्ध होंगे। टेरी माइनिंग के परियोजना प्रमुख रितेश कुमार तिवारी ने बताया कि आगामी चरण में परियोजना प्रभावित परिवारों की महिलाओं को आजीविका से जोड़ने के लिए तीन ई-टोटो उपलब्ध कराए जाने की योजना भी बनाई गई है। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने वाला कदम बताया। मौके पर टेरी माइनिंग लिमिटेड की सीएसआर टीम से अनिरुद्ध दास और संतोष कुमार, जबकि भूमि–राजस्व टीम से सदानंद सिंह, राजू सिंह, सुषमा सोरेन, अजीत झा, अभिषेक, बासुदेव और गायत्री उपस्थित रहे।

दुमका में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मिले आम नागरिक

समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसा

निज संवाददाता | दुमका

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज खिजुरिया स्थित अपने आवास पर मंगलवार को प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए आम नागरिकों से मुलाकात की। इस जन-संवाद के दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री को अपनी विभिन्न समस्याओं और शिकायतों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों की बातों को धैर्यपूर्वक सुना और मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि इन शिकायतों का जल्द से जल्द और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह "गांव की सरकार" है, जिसका मुख्य ध्येय अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की कि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

मुलाकात करने पहुंचे लोगों ने राज्य सरकार की योजनाओं की प्रशंसा की और अपनी समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

नहर एवं सड़क सहित विभिन्न मामलों को लेकर डीसी ने अडानी पावर प्लांट का किया निरीक्षण

निज संवाददाता | गोड्डा

नहर एवं सड़क से संबंधित विभिन्न मामलों को लेकर उपायुक्त अंजली यादव के द्वारा अदानी पावर प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पावर प्लांट परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में नहरों की स्थिति, जल प्रवाह, सड़क निर्माण कार्यों तथा आवागमन से जुड़ी व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने नहर से संबंधित लंबित समस्याओं, जल निकासी, सिंचाई व्यवस्था एवं स्थानीय ग्रामीणों को हो रही असुविधाओं की जानकारी ली।

संबंधित पदाधिकारियों एवं अदानी पावर प्लांट प्रबंधन को निर्देश दिया गया कि नहर से जुड़े सभी मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों एवं आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके साथ ही सड़क से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सड़क की गुणवत्ता, चौड़ाई, मरम्मति कार्य एवं भारी वाहनों के आवागमन से उत्पन्न समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पावर प्लांट से जुड़ी सड़कों को सुचारु, सुरक्षित एवं मानक के अनुरूप रखा जाए, ताकि स्थानीय लोगों के साथ-साथ प्लांट से जुड़े परिवहन कार्यों में भी कोई बाधा उत्पन्न न हो।

उपायुक्त ने कहा कि विकास कार्यों के साथ-साथ स्थानीय जनसमस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित विभागों एवं अदानी पावर प्लांट प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता गोड्डा प्रेमलता मुर्मू, अनुमंडल पदाधिकारी वैद्यनाथ उरांव, संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी, अभियंता, अदानी पावर प्लांट के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गांजा तस्करी का भंडाफोड़, 8.940 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

निज संवाददाता | महागामा (गोड्डा)

मंगलवार को महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि बीते सोमवार को पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि मेहरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत अमजोरा पिरोजपुर गांव निवासी कमल कुमार उर्फ कोको साह एवं राजेश कुमार अपने घर से अवैध गांजा की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम गठित की गई। टीम ने ग्राम अमजोरा पिरोजपुर में दोनों अभियुक्तों के घर पर छापेमारी कर 8.940 किलोग्राम अवैध गांजा सहित गांजा तस्करी में प्रयुक्त कई सामान बरामद किया।

मौके से कमल कुमार उर्फ कोको साह (27 वर्ष) एवं राजेश कुमार (26 वर्ष), दोनों पिता स्व. नंदकिशोर साह, को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में मेहरमा थाना कांड संख्या 18/26 दिनांक 02/02/2026 सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। पूर्व में मेहरमा थाना कांड संख्या 64/2020 में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20/22 के तहत मामला दर्ज है। जप्त सामग्री में 8.940 किलो गांजा, एक मोटरोला एंड्रॉयड मोबाइल, चार नापतौल मशीन, हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल (जेएच-17-आर-4862), पैकिंग पन्नी, परफेक्ट कंपनी के रोल, भूरा व सफेद सेलो टेप शामिल हैं। छापामारी दल में मेहरमा थाना प्रभारी पु०अ०नि० सौरभ कुमार ठाकुर, पु०अ०नि० सत्यदीप, पु०अ०नि० ब्रह्मा सिंह, स०अ०नि० सहदेव प्रसाद सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पीजी नामांकन की तैयारी को लेकर सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में अहम बैठक

निज संवाददाता | दुमका

सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर (पीजी) नामांकन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने को लेकर मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर ने की। इसमें विश्वविद्यालय के सभी स्नातकोत्तर विभागों के विभागाध्यक्षों एवं विभिन्न संकायों के अधिष्ठाताओं ने भाग लिया। बैठक में छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) ने पीजी नामांकन से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के पीजी विभागों में नामांकन के लिए कुल 1527 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि विश्वविद्यालय से संबद्ध पाँच कॉलेजों को मिलाकर कुल 4718 आवेदन आए हैं। आवेदन की स्थिति कॉलेजवार प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि देवघर कॉलेज से 1319, साहेबगंज कॉलेज से 1260, गोड्डा कॉलेज से 572 तथा सत्संग कॉलेज से 40 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि पीजी विभाग दुमका के लिए 1527 आवेदन आए हैं।

डीएसडब्ल्यू ने जानकारी दी कि आगामी 5 फरवरी तक पीजी नामांकन की मेरिट सूची जारी कर दी जाएगी। इसके बाद 6 फरवरी से 21 फरवरी तक संबंधित विभागों एवं कॉलेजों में दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि 22 फरवरी तक नामांकन की समस्त प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और 23 फरवरी से स्नातकोत्तर की कक्षाएं प्रारंभ हो जाएंगी।

बैठक में दुमका स्थित विभिन्न पीजी विभागों में स्वीकृत सीटों एवं प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। गणित, भूगोल, हिंदी, इतिहास, राजनीति विज्ञान और प्राणी विज्ञान जैसे विषयों में अपेक्षाकृत अधिक आवेदन प्राप्त होने की जानकारी दी गई, वहीं कुछ विषयों में आवेदन की संख्या कम रहने पर भी चर्चा हुई। इस दौरान नामांकन प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारु और समयसीमा के भीतर पूरा करने को लेकर विभागों से सुझाव भी लिए गए।

बैठक में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. जैनेंद्र यादव, कुलसचिव डॉ. राजीव रंजन शर्मा, वित्त पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह, सीसीडीसी डॉ. अब्दुस सत्तर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रीना नीलिमा लकड़ा, विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. नीलेश कुमार, सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. टी.पी. सिंह सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक उपस्थित थे। सभी ने पीजी नामांकन प्रक्रिया को सुचारु एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के लिए अपने-अपने सुझाव रखे।

सिदो कान्हू स्कूल में दसवीं के विद्यार्थियों को विदाई

दुमका (नि. सं.)। सिदो कान्हू सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में मंगलवार को कक्षा दसवीं के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन भावनात्मक और उल्लासपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सचिव प्रदीप्त मुखर्जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि दसवीं की बोर्ड परीक्षा विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ होती है, जो उनके भविष्य की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास बनाए रखते हुए बिना किसी मानसिक दबाव के परीक्षा देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने सीबीएसई द्वारा वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा के लिए जारी नई गाइडलाइन्स और दिशा-निर्देशों की जानकारी भी साझा की। विदाई समारोह को यादगार बनाने के लिए कक्षा छठी से नौवीं तक के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

वार्ड 15 से संदीप कुमार जय बमबम ने दाखिल किया नामांकन

समर्थकों के साथ आशीर्वाद यात्रा के बाद पहुंचे समाहरणालय

निज संवाददाता | दुमका

नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत वार्ड संख्या 15 से पार्षद पद के प्रत्याशी समाजसेवी संदीप कुमार 'जय बमबम' ने मंगलवार को समाहरणालय में अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने रिटर्निंग ऑफिसर रंजन यादव, अंचल अधिकारी मसलिया को विधिवत नामांकन प्रपत्र सौंपा।

नामांकन से पूर्व संदीप कुमार 'जय बमबम' ने समर्थकों व शुभचिंतकों के साथ धार्मिक एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रमों की श्रृंखला में भाग लिया। सबसे पहले बाबा गिलानेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की, इसके बाद गांधी मैदान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नगर परिषद के समीप बाबा तिलकामांझी तथा इनडोर स्टेडियम के पास सरदार पटेल चौक पर स्थापित भारतरत्न लोहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

तत्पश्चात कोर्ट परिसर स्थित बजरंगी मंदिर और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में ब्रह्मा बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित कर मुख्य संचालिका बीके जयमाला दीदी से आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे समर्थकों के साथ दुमका समाहरणालय पहुंचे और नामांकन की प्रक्रिया पूरी की।

नामांकन कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में शुभचिंतक एवं समर्थक उपस्थित रहे। इनमें गिलानेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी बबलू पाठक, वार्डवासी निभा झा, कविता चौधरी, राजीव झा, सुनील कुमार सिंह, शशिधर झा, दीपक राउत, रोहित नागशया, टुनटुन तिवारी, शंकर साह, नेनु दा, नीलांचल, भवेश पंजीयारा, विनोद कुमार राउत, कविता देवी, निक्की कुमारी, अंशु राउत, गौतम जय, प्रमोद राउत सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला परिषद सदस्य चिन्ता देवी, पटेल सेवा संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार राउत, सुनैनी देवी, जगदेव राउत, बालमुकुंद राउत, नितिन कुमार जॉनी, मिंटू झा, नंदकिशोर राउत, रजनीकांत राउत, संतोष राउत, रविकांत राउत, सुमित चौधरी, कुंदन कुमार, राकेश रोशन, अजय कुमार समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दुमका और बासुकीनाथ में चुनावी हलचल तेज अध्यक्ष पद के लिए दिग्गजों ने भरा पर्चा

निज संवाददाता | दुमका

नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को लेकर दुमका जिले में चुनावी सरगर्मी चरम पर है। 29 जनवरी से शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया के तहत आज भारी संख्या में प्रत्याशियों ने अपने पर्चे दाखिल किए। दुमका नगर परिषद और बासुकीनाथ नगर पंचायत में अध्यक्ष पद की कुर्सी के लिए दावेदारों की लंबी कतार देखने को मिली।

दुमका नगर परिषद क्षेत्र से अध्यक्ष पद के लिए मंगलवार को अभिषेक चौरसिया, जितेंद्र कुमार सिंह, राधेश्याम वर्मा, अमिता रक्षित, विवेक भारती, रंजीत जायसवाल, प्रेम भारती, उदय कुमार सिंह, मनोज कुमार रजक, अभिनाश दास और केशव कुमार ने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर चुनावी मैदान में ताल ठोक दी है।

वहीं, बासुकीनाथ नगर पंचायत क्षेत्र में भी चुनावी सरगर्मी तेज रही, जहाँ अध्यक्ष पद के लिए मनोरमा देवी ने अपना नामांकन पत्र जमा किया। नामांकन के दौरान निर्वाचन कार्यालय के बाहर समर्थकों की भारी भीड़ देखी गई। प्रशासन द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं ताकि नामांकन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय में इग्नू नामांकन को लेकर जागरूकता बैठक आयोजित, 15 फरवरी तक

निज संवाददाता | दुमका

मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय, रानीश्वर स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र 87019 की ओर से जनवरी 2026 सत्र में नामांकन एवं री-रजिस्ट्रेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक प्रमोशनल बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य नव कुमार पाल ने की। इस अवसर पर सेमेस्टर पांच के छात्र-छात्राओं को इग्नू द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, उनकी उपयोगिता और भविष्य की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में परामर्शदाता के रूप में डॉ. हिमांशु कुमार सिंह, डॉ. रूपम कुमारी, प्रोफेसर अमित राजा एवं डॉ. स्वर्ण कुमार सिंह उपस्थित रहे। सभी विशेषज्ञों ने छात्रों को संबोधित करते हुए इग्नू में नामांकन की प्रक्रिया, पाठ्यक्रमों की संरचना तथा उच्च शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इग्नू के पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को लचीले अध्ययन का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वे पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार या अन्य गतिविधियों को भी आगे बढ़ा सकते हैं।

इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य नव कुमार पाल ने कहा कि इग्नू आज केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने बताया कि इग्नू भारत के साथ-साथ विश्व के 69 देशों में उच्च शिक्षा का प्रसार कर रहा है और लाखों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से इग्नू के पाठ्यक्रमों का लाभ उठाने की अपील की।

इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. गजेंद्र कुमार सिंह ने छात्रों को विभिन्न रोजगारपरक और कौशल आधारित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि जनवरी 2026 सत्र के लिए नामांकन एवं री-रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 15 फरवरी 2026 कर दिया गया है। उन्होंने इच्छुक छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समय रहते नामांकन प्रक्रिया पूरी करें।

ठाकुरगंटी में मदरसा आयसा सिद्दिका लिल बनात का वार्षिक अंजुमन कार्यक्रम संपन्न

निज संवाददाता | ठाकुरगंटी(गोड्डा)

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत माल मंडरो पंचायत के इंदरचक स्थित मदरसा आयसा सिद्दिका लिल बनात में रविवार की शाम छह बजे वार्षिक अंजुमन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मौलाना अब्दुल हमीद के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मदरसा के छात्र-छात्राओं ने तकरीर और नज्म पेश कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बाहर से आए मेहमानों ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें पुरस्कार प्रदान किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए दुआ की। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में मदरसा कमेटी के सदस्यों, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की अहम भूमिका रही। मौके पर मुस्तकीम मास्टर, तारिक अनवर मास्टर, खुर्शीद आलम, जफर आलम, खालिद, शमशेर सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का आभार प्रकट किया।

मैट्रिक–इंटर परीक्षा को लेकर उपायुक्त और एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

निज संवाददाता | गोड्डा

झारखण्ड अधिविद्य परिषद, राँची द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा एवं इंटरमीडिएट (कला/विज्ञान/वाणिज्य) परीक्षा 2026 के सफल, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर उपायुक्त, अंजली यादव एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से जिला अंतर्गत विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में महिला कॉलेज, उत्क्रमित हाई स्कूल, गोढ़ी घाट, मिडिल स्कूल गोड्डा (बालक), वीर कुंवर सिंह इंटर कॉलेज, गोड्डा एवं एस आर पब्लिक स्कूल, सरकंडा स्थित परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण किया गया। इस दौरान परीक्षा कक्षों, वीक्षकों की उपस्थिति, परीक्षार्थियों की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। उपायुक्त के द्वारा केंद्राधीक्षकों एवं प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा की पवित्रता एवं गोपनीयता बनाए रखते हुए सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। निरीक्षण के क्रम में परीक्षार्थियों की जांच की गई तथा यह सुनिश्चित किया गया कि परीक्षा पूर्णतः स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हो। उपायुक्त द्वारा केंद्राधीक्षक एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट को परीक्षा संचालन से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होंने समयबद्ध प्रवेश, अनुशासन, सीसीटीवी निगरानी, जैमर, मोबाइल निषेध, बैठने की व्यवस्था तथा अभिलेख संधारण पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक द्वारा परीक्षा केन्द्रों के अंदर एवं बाहर विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई तथा शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सुरक्षा बलों को सतर्क रहते हुए परीक्षा अवधि के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों ने परीक्षा केंद्र पर मौजूद कर्मियों से समन्वय बनाए रखने एवं किसी भी प्रकार की अनियमितता पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ज्ञात हो कि आज से जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों पर जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा वैद्यनाथ उरांव, नगर थाना प्रभारी दिनेश महली मौजूद रहे।